आज का मौसम
23.0⁰ अधिकतम तापमान
11.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 07.00
सूर्यास्त 05.52

अमृत विचार
बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com
2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

माघ शुक्ल पक्ष पूर्णिमा 03:39 उपरांत प्रतिपदा विक्रम संवत 2082
रविवार, 1 फरवरी 2026, वर्ष 7, अंक 68, पृष्ठ 14+4 मूल्य 6 रुपये

आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करना सार्वभौमिक मानदंड बने - 11

एसबीआई चेयरमैन सीएस शेट्टी ने कहा- बैंक जमा निवेश पर समान कर हो लागू - 12

अमेरिकी जंगी बेड़े के करीब ईरान करेगा युद्धाभ्यास एलान से तनाव- 13

दिल्ली को एलिमिनेटर में जगह बनाने से रोकने उतरेगी यूपी - 14

उद्योग जगत उत्तर प्रदेश की खुशहाली का सबसे बड़ा साझेदार : मुख्यमंत्री

सीएम योगी ने उद्योग बंधु को प्रभावी बनाने और समस्याओं के त्वरित समाधान के दिए सख्त निर्देश

- कहा- यूपी में निवेश राष्ट्रहित में किया गया निवेश है, सीएसआर से विकास में सहभागी बनें

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में किया गया निवेश केवल किसी एक राज्य में निवेश नहीं, बल्कि राष्ट्रहित में किया गया निवेश है। रोजगार सृजन, आत्मनिर्भर भारत के संकल्प और प्रदेश की समग्र खुशहाली में उद्योग जगत सरकार का सबसे बड़ा साझेदार है। उन्होंने अधिकारियों को उद्योग बंधु को और प्रभावी बनाने समेत हर समस्या का समयबद्ध समाधान करने के सख्त निर्देश दिए।

उद्योग बंधु की एनेक्सी में शनिवार को राज्यस्तरीय उद्योग संगठनों और प्रमुख उद्यमियों के साथ हुई विशेष बैठक में योगी ने कहा कि प्रदेश सरकार उद्योगों को केवल निवेशक नहीं, बल्कि विकास की साझेदारी का अभिन्न हिस्सा मानती है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि उत्तर प्रदेश में निवेश करने वाला हर उद्यमी सरकार को नीति, इंफ्रास्ट्रक्चर और प्रशासन तीनों स्तरों पर अपने साथ खड़ा पाएगा। मुख्यमंत्री ने उद्योग समूहों से सीएसआर के माध्यम से प्रदेश के सामाजिक व आर्थिक विकास में सहभागी बनने का आह्वान किया। कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय अधोसंरचना जैसे क्षेत्रों में उद्योगों का योगदान प्रदेश के समावेशी विकास को नई गति दे सकता है। एमएसएमई सेक्टर पर विशेष जोर देते हुए कहा कि नवाचार, पैकेजिंग, डिजाइनिंग और एक्सपोर्ट प्रमोशन को मजबूत किए बिना वैश्विक प्रतिस्पर्धा संभव नहीं है। उन्होंने उद्योग समूहों से इन क्षेत्रों में व्यावहारिक सुझाव देने और सरकार के साथ मिलकर काम करने का आग्रह किया। टेक्सटाइल और रेडीमेड गारमेंट्स सेक्टर में महिलाओं की बड़ी भागीदारी का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि इस क्षेत्र में महिलाओं के लिए और अधिक रोजगार अवसर सृजित किए जाने चाहिए।

उद्योग बंधु की राज्यस्तरीय उद्योग संगठनों और प्रमुख उद्यमियों के साथ आयोजित विशेष बैठक में मुख्यमंत्री योगी।

यूपी की औद्योगिक उड़ान
- देश के एक्सप्रेस-वे नेटवर्क का लगभग 55% यूपी में, कुल लंबाई करीब 1225 किमी।
- प्रदेश में चार अंतर्राष्ट्रीय सहित 16 हवाई अड्डे संचालित, जेवर एयरपोर्ट निर्माणाधीन।
- वर्ष 2023-24 में निर्यात बढ़कर 1.86 लाख करोड़, 100% से अधिक वृद्धि।
- पंजीकृत फैक्ट्रियां: 2003 में 8,980 अब लगभग 27,000।
- 4 ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के जरिए 15 लाख करोड़ से अधिक निवेश का क्रियान्वयन।
- अगले दो वर्षों में 5,000 करोड़ से 185 औद्योगिक क्लस्टरों का उन्नयन।

मंडल व राज्य स्तर पर नियमित बैठकें अनिवार्य
योगी ने निर्देश दिए कि उद्योग बंधु की हर माह जिलों की बैठक में डीएम-एसपी रहेंगे, जबकि उद्योग बंधु की राज्यस्तरीय बैठक केवल लखनऊ तक सीमित न रहे। अन्य मंडल मुख्यालयों पर भी आयोजित की जाए। कमिश्नरी स्तर पर मंडलायुक्त एवं एडीजी/आईजी की उपस्थिति में प्रत्येक दो माह में उद्योग बंधु की बैठक अनिवार्य रूप से आयोजित होगी। इन बैठकों में संबंधित मंत्री गणों के साथ इन्वेस्ट यूपी के सीईओ व अवस्थापना और औद्योगिक विकास से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। वहीं राज्यस्तर पर प्रत्येक तिमाही बैठक मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक की उपस्थिति में आयोजित की जाएगी।

इंसेंटिव का वितरण पारदर्शी और समयबद्ध होगा
योगी ने उद्यमियों को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार की औद्योगिक नीतियों के अनुरूप इंसेंटिव का वितरण पारदर्शी और समयबद्ध ढंग से सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि घोषित प्रोत्साहनों का लाभ उद्योगों तक बिना देरी पहुंचे, यह सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने खिलौना उद्योग की व्यापक संभावनाओं की ओर ध्यान दिलाते हुए प्रदेश में टॉय पार्क के विकास की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने प्रमुख सचिव आवास को निर्देश दिए कि आवासीय पार्किंग के लिए उपयोग की जा रही भूमि पर अनावश्यक कर न लिया जाए, ताकि नागरिकों और उद्योग से जुड़े लोगों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ न पड़े।

घने कोहरे और बर्फीली हवा के साथ फिर लौटी कड़ाके की ठंड

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में शनिवार को एक बार फिर ठंड ने जोर पकड़ लिया। कोहरे और बर्फीली हवा के चलते तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। लखनऊ समेत कई जिलों में सुबह घना कोहरा छाया रहा, जिससे दृश्यता बेहद कम हो गई। मौसम विभाग ने रविवार से अगले तीन दिनों तक पूर्वी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश की संभावना भी जताई है।

बारिश और ओलावृष्टि के बाद ठंड का असर और तेज हो गया है। लखनऊ, कानपुर, आगरा, बरेली, गाजियाबाद सहित कई जिलों में शनिवार सुबह से घना कोहरा छाया रहा। अनेक स्थानों पर दृश्यता घटकर मात्र 10 मीटर तक रह गई। बर्फीली हवा के कारण न्यूनतम तापमान में तीन से पांच डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। सुबह और शाम गलन बढ़ गई है, जिससे सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। लोग गर्म कपड़ों और अलाव का सहारा लेते नजर आए। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि 31 जनवरी तक कोहरे में और बढ़ोतरी हो सकती है तथा कुछ क्षेत्रों में घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। उन्होंने बताया कि फरवरी के पहले सप्ताह में एक नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से एक से तीन फरवरी के बीच प्रदेश के दोनों संभागों में बारिश हो सकती है। वैज्ञानिकों के अनुसार इस दौरान दिन के तापमान में दो से चार डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी संभव है, जिससे कोहरे से आंशिक राहत मिलेगी। हालांकि चार फरवरी से तापमान में फिर हल्की गिरावट के आसार हैं। शुक्रवार को न्यूनतम आठ डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ बुलंदशहर प्रदेश का सबसे ठंडा जिला रहा, जबकि अधिकतम 21.9 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ आगरा सबसे गर्म दर्ज किया गया।

- तीन दिन बारिश के आसार, कई जिलों में घना कोहरा, दृश्यता 10 मीटर तक घटी, पारे में तीन से पांच डिग्री सेल्सियस की गिरावट

मौसम विभाग का इन जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट
मौसम विभाग ने कई जिलों कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरेया, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल और बदायूं में घने कोहरे को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है और वाहन चालकों को सतर्कता बरतने की सलाह दी है।

उत्तर भारत में आज से बारिश के आसार
नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत में रविवार से बारिश होने के संभावना है। एक के बाद एक, दो पश्चिमी विक्षोभ के असर से पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में 31 जनवरी से 3 फरवरी के दौरान मध्यम से तेज बारिश के साथ बर्फबारी देखने को मिल सकता है। वहीं, उत्तर-पश्चिम भारत और मध्य भारत के आस-पास के मैदानी इलाकों में हल्की से मध्यम अलग-अलग जगहों छिटपुट बहारिश होने की संभावना है।

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, युवाओं का नया गणित बचत पीछे, खर्चे आगे व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

प्रिय पाठकों, लोक दर्पण आज अंदर देखें। -संपादक

ब्रीफ न्यूज

रैगिंग में एमबीबीएस के आठ छात्र निलंबित
जबलपुर। मध्यप्रदेश के जबलपुर स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज के प्रथम वर्ष के एक छात्र की रैगिंग करने के मामले में एमबीबीएस के आठ छात्रों को छह महीने के लिए निलंबित कर दिया गया है। पीड़ित द्वारा शिकायत दर्ज कराने के बाद कॉलेज की रैगिंग रोधी समिति ने जांच की और आरोपों को सही पाया। एमबीबीएस के तीसरे वर्ष के छात्रों नवदीप चौधरी, प्रकाश बावरिया, विक्रम सिंह मीणा, धर्मेंद्र कुशवाह, केशव गौतम, सुदीप जायसवाल, नवनीत कुशवाह और रवि मीणा को छात्रावास से निष्कासित कर दिया गया है और प्रत्येक पर 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

सीतारमण आज पेश करेंगी आम बजट, बहुप्रतीक्षित सीमा शुल्क सुधारों पर होंगीं निगाहें

नई दिल्ली, एजेंसी

- वित्त मंत्री लगातार 9वां बजट पेश कर बनाएंगीं नया रिकॉर्ड, 1999 के बाद यह पहला मौका है जब रविवार को आएगा बजट

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अपना लगातार नौवां बजट पेश कर एक नया रिकॉर्ड बनाएंगी। इस बार सभी की निगाहें बहुप्रतीक्षित सीमा शुल्क सुधारों पर टिकी होंगी। सीतारमण ने अपने पहले बजट में दशकों से चले आ रहे चमड़े के ब्रीफकेस की जगह लाल कपड़े में लिपटे पारंपरिक 'बही-खाता' का अनुकरण किया था। पिछले चार वर्षों की तरह इस साल का बजट भी वह डिजिटल रूप से पेश करेंगी। यह 1999 के बाद यह पहला मौका है जब रविवार को बजट पेश हो रहा है।

आम बजट 2026 में वे प्रमुख रूप से जिन आंकड़ों पर नजर होगी उनमें मुख्य रूप से राजकोषीय घाटा शामिल है। सरकार के कुल खर्च और आय के बीच का अंतर राजकोषीय घाटा कहलाता है। चालू वित्त वर्ष (2025-26) के लिए इसके जीडीपी के 4.4 प्रतिशत पर रहने का अनुमान लगाया गया है। बजट में 4.5 प्रतिशत से नीचे का लक्ष्य हासिल करने के बाद, बाजार अब कर्ज-जीडीपी अनुपात में कमी की दिशा में आगे बढ़ने के लिए सटीक आंकड़ों का इंतजार कर रहा है। उम्मीद है कि सरकार वित्त वर्ष 2026-27 के लिए चार प्रतिशत के राजकोषीय घाटे की घोषणा कर सकती है। पूंजीगत व्ययः चालू वित्त वर्ष के लिए सरकार का नियोजित पूंजीगत व्यय 11.2 लाख करोड़ रुपये तय किया गया है।

आज खुलेगा शेयर बाजार
नई दिल्ली। आमतौर पर रविवार को छुट्टी मनाने वाले निवेशकों के लिए इस बार का बजट बेहद खास होने वाला है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज ने साफ कर दिया है कि यूनियन बजट 2026 के दिन शेयर बाजार पूरी तरह खुला रहेगा। इस दिन बाजार सामान्य समय पर खुलेगा। सुबह 9 बजे प्री ओपन सेशन शुरू होगा और 9 बजकर 15 मिनट से लेकर दोपहर 3 बजकर 30 मिनट तक सामान्य ट्रेडिंग होगी।

महाराष्ट्र की पहली महिला डिप्टी सीएम बनीं सुनेत्रा पवार

- अजित पवार के निधन के चौथे दिन ली शपथ, नहीं पहुंचे शरद पवार

मुंबई, एजेंसी

राकांपा के दिवंगत अध्यक्ष अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार (62) ने शनिवार को मुंबई में एक समारोह में महाराष्ट्र की पहली महिला उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली।

राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे चुकीं सुनेत्रा को यहां लोकभवन में एक संक्षिप्त समारोह में राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इससे पहले दिन में, उन्हें औपचारिक रूप से राकांपा विधायक दल का नेता चुना गया। भाजपा, एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना और अजित पवार नीत राकांपा के घटक वाली 'महायुति' सरकार में अजित पवार उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री थे। उनकी 28 जनवरी को बारामती में एक विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई। सुनेत्रा पवार जब शपथ लेने के लिए उठीं तो 'अजित दादा अमर रहें' जैसे नारे लगाए गए। सुनेत्रा पवार के छोटे बेटे जय पवार और उनकी पत्नी भी शपथग्रहण समारोह में मौजूद थीं। सुनेत्रा राज्य विधानमंडल के किसी भी सदन की सदस्य नहीं हैं। उनके बारामती विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने की संभावना है जो अजित के निधन से खाली हुई है। चर्चाओं से दूर रहने वाली सुनेत्रा ने 2024 के लोकसभा चुनाव में अपने चुनावी करियर की शुरुआत की थी।

प्रधानमंत्री मोदी व सीएम योगी ने दी बधाई
नई दिल्ली/लखनऊ। प्रधानमंत्री मोदी ने महाराष्ट्र की पहली महिला उपमुख्यमंत्री के रूप में पदभार ग्रहण करने पर सुनेत्रा पवार को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि वह राज्य के लोगों की भलाई के के साथ दिवंगत अजितदादा पवार के विजन को पूरा करेंगी। वहीं, मुख्यमंत्री योगी ने भी सुनेत्रा अजित पवार को हार्दिक बधाई।

कोडीन कफ सिरप : भोला की 5.77 करोड़ की संपत्ति जब्त

वाराणसी/सोनभद्र। सोनभद्र जिले की पुलिस ने अवैध नशीले कफ सिरप मामले में शनिवार को वाराणसी में भोला जायसवाल और उसके परिजनों की कुल पांच करोड़ 77 लाख से अधिक की संपत्ति कुर्क की। सोनभद्र के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अभिषेक वर्मा ने बताया कि राबर्ट्सगंज पुलिस थाने में पंजीकृत अभियोग के तहत अभियुक्त भोला प्रसाद जायसवाल के वाराणसी के मडौली, भरलाई और जगदीशपुर क्षेत्रों में 4.55 करोड़ रुपये की कुल सात अचल संपत्तियां और 51.16 लाख रुपये मूल्य के चार वाहन कुर्क किये गए हैं। इसके अलावा बैंक खातों में जमा 70,99,228 रुपये को भी कुर्क किया गया है। कुर्क की गई चल-अचल संपत्तियों की कुल कीमत 5,77,17,990 रुपये बताई गई है।

तंबाकू-पान मसाला का सेवन आज से होगा महंगा

नई दिल्ली। सिगरेट व तंबाकू उत्पादों पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क तथा पान मसाला पर स्वास्थ्य उपकर एक फरवरी से लागू हो जाएगा। यह जीएसटी की उच्चतम 40 प्रतिशत की दर के ऊपर लगाया जाएगा।

ये उपकर और उत्पाद शुल्क इन हानिकारक वस्तुओं पर एक जुलाई 2017 से लागू 28 प्रतिशत जीएसटी और क्षतिपूर्ति उपकर का स्थान लेंगे। इसके अलावा, एक फरवरी से तंबाकू उत्पादों (चबाने वाला तंबाकू, फिल्टर खैनी, जर्दा युक्त सुगंधित तंबाकू और गुटखा) के लिए अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) आधारित मूल्यांकन की नई व्यवस्था शुरू होगी। इसके तहत जीएसटी का निर्धारण पैकेट पर घोषित खुदरा बिक्री मूल्य के आधार पर किया जाएगा। पान मसाला निर्माताओं को एक फरवरी से स्वास्थ्य और राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर कानून के तहत नया पंजीकरण कराना होगा।

ऐसे उत्पादों के निर्माताओं को सभी पैकिंग मशीनों को कवर करने वाली एक कार्यशील सीसीटीवी प्रणाली लगानी होगी और इसकी फुटेज को कम से कम 24 महीनों तक सुरक्षित रखना होगा। उन्हें उत्पाद शुल्क अधिकारियों को मशीनों की संख्या और उनकी क्षमता की जानकारी भी देनी होगी।

- तंबाकू पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क, पान मसाला पर स्वास्थ्य उपकर आज से प्रभावी

सिगरेट की लंबाई के आधार पर उत्पाद शुल्क
एक फरवरी से प्रभावी केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम में संशोधन कर सिगरेट की लंबाई के आधार पर 2.05 रुपये से 8.50 रुपये प्रति स्टिक तक उत्पाद शुल्क लगाया गया है। इसके अलावा, स्वास्थ्य और राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर कानून पान मसाला इकाइयों की उत्पादन क्षमता पर उपकर लगाता है।

भारत का टी-20 सीरीज पर कब्जा

ईशान किशन (103) के पहले आतिशी शतक, कप्तान सूर्यकुमार यादव (63) और हार्दिक पंड्या (42) की तूफानी पारियों तथा बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह (51 रन पर पांच विकेट) की घातक गेंदबाजी की मदद से भारत ने न्यूज़ीलैंड को पांचवें और अंतिम टी 20 मुकाबले में शनिवार को 46 रन से हराकर सीरीज 4-1 से जीत ली। भारत ने पांच विकेट पर 271 रन का विशाल स्कोर बनाने के बाद न्यूज़ीलैंड को 19 .4 ओवर में 225 रन पर समेट दिया। (विस्तृत खेल पेज)

साक्षात्कार | केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा- भारत 2032 तक दो हजार अरब डॉलर का निर्यात लक्ष्य कर सकता है हासिल

ईयू के बाद अब अमेरिका की बारी, जल्द होगी दमदार ट्रेड डील

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए बातचीत सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही है और दोनों देश इसे जल्द पूरा करने के लिए काम कर रहे हैं। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने भरोसा जताया कि निकट भविष्य में इस मोर्चे पर अच्छी खबर दी जाएगी।

गोयल ने एक साक्षात्कार में कहा, हर मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) अपनी शर्तों और खूबियों पर टिका होता है। हमारी बातचीत बहुत अच्छी चल रही है। अमेरिका में मेरे समकक्ष और मेरे बीच बहुत ही शानदार कामकाजी संबंध और व्यक्तिगत मित्रता है। हम इस समझौते को जल्द से जल्द पूरा करने की दिशा में काम कर रहे हैं। जब उनसे पूछा गया कि मदर ऑफ ऑल डील्स (भारत-ईयू समझौता) के बाद अब भारत और अमेरिका के बीच फादर ऑफ ऑल डील्स कब तक हकीकत बनेगी, तो उन्होंने कहा कि व्यापार समझौतों के लिए कभी कोई समय सीमा तय नहीं की जाती। इन्हें दोनों देशों के हितों को ध्यान में रखते हुए सही समय पर अंतिम रूप दिया जाएगा। एफटीए से यूरोप को भारतीय निर्यात पांच वर्षों में बढ़कर दोगुना होने की उम्मीद है। गोयल ने कहा कि भारत वैश्विक अनिश्चितताओं के चलते 2030 के पिछले अनुमान के बजाय 2032 तक दो हजार अरब अमेरिकी डॉलर के माल एवं सेवा निर्यात का लक्ष्य हासिल कर सकता है। कोविड-19 महामारी से देश का निर्यात क्षेत्र प्रभावित हुआ, इसके बाद वैश्विक व्यापार व्यवस्था में उथल-पुथल मची, हालांकि अब यह अस्थिरता धीरे-धीरे खत्म होती दिखाई दे रही है। गोयल ने कहा, हम दो हजार अरब डॉलर का निर्यात लक्ष्य हासिल करने की दिशा में लगातार प्रयास कर रहे हैं।

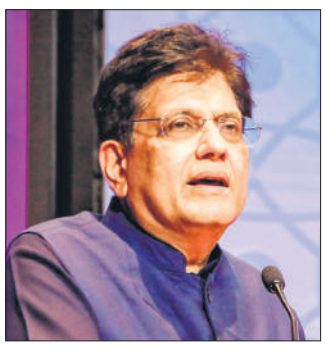

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री बोले- मां 28 बच्चों का ख्याल रखेगी
नई दिल्ली। पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच हुआ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) अगले पांच वर्षों में यूरोप को होने वाले देश के निर्यात को दोगुना कर देगा। उन्होंने इस ऐतिहासिक समझौते को मदर ऑफ ऑल डील्स करार देते हुए कहा कि मां दयालु और प्रेममयी होगी और यह सुनिश्चित करेगी कि इसके सभी 28 बच्चों (भारत और यूरोपीय संघ के 27 देश) को इस समझौते से लाभ हो। भारत-यूरोपीय संघ एफटीए को व्यापक रूप से मदर ऑफ ऑल डील्स कहा जा रहा है। दोनों पक्षों ने घोषणा की है कि समझौते के लिए बातचीत पूरी हो चुकी है और इसके इसी साल लागू होने की संभावना है। गोयल ने कहा कि यूरोपीय संघ को होने वाले वस्तु और सेवा निर्यात में भारत पहले से ही व्यापार अधिशेष की स्थिति में है। अब, समझौते के लागू होने के पहले ही दिन से भारत के 99 प्रतिशत निर्यात को यूरोपीय संघ में शुल्क मुक्त पहुंच मिलेगी। इससे अगले पांच वर्षों में देश का निर्यात दोगुना होने की संभावना है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का वस्तु निर्यात 76 अरब डॉलर और सेवा निर्यात 46 अरब डॉलर था।

न्यूज ब्रीफ

रविदास जयंती पर योगी ने दीं शुभकामनाएं

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संत शिरोमणि रविदास की जयंती के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री ने कहा कि माघ पूर्णिमा के पावन अवसर पर ही संत रविदास जी का जन्म हुआ था, इसलिए यह तिथि आध्यात्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से विशेष महत्व रखती है। मुख्यमंत्री ने माघ पूर्णिमा पर संगम में स्नान करने वाले श्रद्धालुओं और कल्पवासियों के सुख, स्वास्थ्य और मंगलमय जीवन की कामना की तथा स्वच्छता, अनुशासन और प्रशासन द्वारा जारी-निर्देशों के पालन की अपील की।

राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान 31 मार्च तक

अमृत विचार, लखनऊ : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के सचिव जीवक कुमार सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली व मीडियेशन एवं कंसीलियेशन प्रोजेक्ट कमेटी, सर्वोच्च न्यायालय के तत्वावधान में देशभर में राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान 2.0 संचालित किया जा रहा है। यह अभियान 31 मार्च तक प्रभावी रहेगा। अभियान का उद्देश्य न्यायालयों में लंबित मामलों का मध्यस्थता के माध्यम से त्वरित, सरल एवं सौहार्दपूर्ण निस्तारण कर न्याय प्रक्रिया को सुलभ और समयबद्ध बनाना है। अभियान के अंतर्गत वैवाहिक विवाद, मोटर दुर्घटना दावा, चेक बाउंस, उपभोक्ता, वाणिज्यिक एवं अन्य उपयुक्त मामलों का समाधान मध्यस्थता के माध्यम से कराया जाएगा

एटा का पटना पक्षी अभयारण्य रामसर साइट सूची में शामिल

वेटलैंड दिवस से पहले यूपी को मिली अंतर्राष्ट्रीय पहचान, बना 11वां रामसर स्थल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: विश्व वेटलैंड्स दिवस (2 फरवरी) से पहले प्रदेश को बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। केंद्र सरकार ने एटा जनपद स्थित पटना पक्षी अभयारण्य को रामसर साइट्स की सूची में शामिल कर लिया है। इसके साथ ही प्रदेश में रामसर स्थलों की संख्या 10 से बढ़कर 11 हो गई है। इस अंतर्राष्ट्रीय मान्यता पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी ने प्रदेशवासियों को बधाई दी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में वर्ष 2017 के बाद से आर्द्रभूमि, वन्यजीव और जैव विविधता संरक्षण के लिए किए गए निरंतर प्रयासों का यह परिणाम माना जा रहा है। 108.86 हेक्टेयर क्षेत्रफल में फैला पटना पक्षी विहार एक लाख से अधिक जल-पक्षियों की संरक्षण क्षमता रखता है। सर्दियों के मौसम में यहां बड़ी संख्या में प्रवासी पक्षियों का आगमन होता है। वर्ष 1990 में इसे अभयारण्य घोषित किया गया था, जिसका नाम जलेसर तहसील के पटना गांव के नाम पर रखा गया।

यह अभयारण्य 178 प्रजातियों के पक्षियों का आश्रय स्थल है। यह क्षेत्र 44 से अधिक जल-पक्षी प्रजातियों और चार आर्द्रभूमि पक्षी प्रजातियों- सरकिडियोर्निस मेलानोटस, अनहिंगा मेलानोगास्टर, मारेका स्ट्रेपेरा और एंसर की वैश्विक जैव-भौगोलिक आबादी के एक प्रतिशत से अधिक का संरक्षण करता है। गर्मियों में आसपास की आर्द्रभूमियों के सूख जाने पर यह स्थल सारस क्रेन का प्रमुख आश्रय बन जाता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में पर्यावरण संरक्षण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को वैश्विक पहचान मिल रही है। वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने इसे जैव विविधता और पारिस्थितिक तंत्र संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

प्रदेश के रामसर स्थल

नवाबगंज (उन्नाव), पार्वती अरगा (गोंडा), समान (मैनपुरी), समसपुर (रायबरेली), सरसई नावर (इटावा), सांडी (हरदोई), सूर सरोवर (आगरा), बखीरा (संतकबीर नगर), ऊपरी गंगा नदी (बुलंदशहर), हैदरपुर वेटलैंड (मुजफ्फरनगर) और पटना पक्षी अभयारण्य (एटा)।

- पीएम मोदी और सीएम योगी ने दी बधाई, जैव विविधता संरक्षण को लेकर बड़ी उपलब्धि

वेटलैंड दिवस पर बर्ड फेस्टिवल कल से

अमृत विचार, लखनऊ : विश्व आर्द्रभूमि (वेटलैंड) दिवस के अवसर पर 2 फरवरी को ललितपुर स्थित महावीर स्वामी पक्षी विहार में बर्ड फेस्टिवल का आयोजन किया जाएगा। इस महोत्सव की शुरुआत प्रदेश के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह करेंगे। आयोजन का उद्देश्य वेटलैंड संरक्षण के साथ-साथ जैव विविधता और पक्षी संरक्षण के प्रति आमजन में जागरूकता बढ़ाना है। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार ने शनिवार को अरण्य भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बर्ड फेस्टिवल में देशभर से पक्षी प्रेमी, पर्यावरणविद् और विशेषज्ञ भाग लेंगे। मंत्री ने पटना पक्षी विहार को रामसर साइट घोषित किए जाने पर विभागीय अधिकारियों की भी सराहना की।

लखनऊ में जुटेंगी दिग्गज फार्मा कंपनियां

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश को देश का प्रमुख फार्मास्यूटिकल और मेडिकल डिवाइस मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने की ठान ली है। 3 फरवरी को राजधानी लखनऊ स्थित होटल ताज में "फार्मा कॉन्क्लेव 1.0 : इन्वेस्टमेंट अपॉर्च्युनिटीज इन उत्तर प्रदेश" का आयोजन किया जा रहा है। इसमें देश-दुनिया की दिग्गज फार्मा कंपनियां आएंगी और निवेश के नए अवसरों पर मंथन होगा। एफएसडीए के सचिव एवं आयुक्त डॉ. रोशन जैकब ने बताया कि कॉन्क्लेव का आयोजन उत्तर प्रदेश खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) और इन्वेस्ट यूपी द्वारा किया जा रहा है।

बजट पर टिकीं आम आदमी की नजरें

महंगाई, टैक्स और रोजगार पर राहत की सबसे बड़ी उम्मीद

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: यूनियन बजट 2026 को लेकर इस बार प्रदेश के आम लोगों की उम्मीदें पहले से कहीं अधिक बढ़ गई हैं। लगातार बढ़ती महंगाई, सीमित रोजगार के अवसर और रोजमर्रा के खर्चों के दबाव ने आम परिवारों की आर्थिक चुनौतियां बढ़ा दी हैं। ऐसे में 1 फरवरी को पेश होने वाले आम बजट को लेकर शहरों से गांवों तक चर्चा है। आम आदमी को उम्मीद है कि इस बार बजट में केवल बड़े आंकड़ों और घोषणाओं के बजाय उसकी रोजमर्रा की परेशानियों पर ठोस फैसले लिए जाएंगे।

हर वर्ग चाहे वह किसान हो, युवा हो, नौकरीपेशा हो या मध्यम वर्ग की नजरें 1 फरवरी के बजट पर टिकी हैं। सबको उम्मीद है कि यह बजट केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि आम आदमी की जेब और भविष्य दोनों को संबल देने वाला साबित होगा। लखनऊ, कानपुर, बरेली, मुरादाबाद, प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर और मेरठ जैसे बड़े शहरों में नौकरीपेशा और मध्यम वर्ग की सबसे बड़ी अपेक्षा इनकम टैक्स में राहत को लेकर है। लोगों का कहना है कि बढ़ती महंगाई के बीच टैक्स स्लैब में छूट और मानक कटौती बढ़ाए जाने से उनकी जेब पर पड़ रहा दबाव कुछ कम हो सकता है। साथ ही सीनियर सिटीजन के लिए रेलवे रियायतों की बहाली और स्वास्थ्य सेवाओं पर अतिरिक्त प्रावधान की मांग भी सामने आ रही है।

विशेषज्ञों के मुताबिक, बजट में कृषि आपूर्ति श्रृंखला, कोल्ड स्टोरेज, फूड प्रोसेसिंग और परिवहन लागत घटाने पर जोर दिया गया, तो इसका सीधा लाभ यूपी को मिलेगा, क्योंकि देश की बड़ी आबादी और कृषि उत्पादन यहीं केंद्रित है। सरकारी नौकरियों पर निर्भरता कम करते हुए एमएसएमई, स्टार्टअप और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को मजबूती देना जरूरी है।

रोजगार और शिक्षा पर युवाओं की निगाहें

प्रदेश के युवाओं की निगाहें रोजगार और शिक्षा पर टिकी हैं। बुंदेलखंड, पूर्वांचल और तराई क्षेत्रों के युवाओं का कहना है कि बजट में रोजगार सृजन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। औद्योगिक निवेश के साथ-साथ कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा और स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने से युवाओं को स्थायी रोजगार मिल सकता है। युवाओं की यह भी अपेक्षा है कि शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार के लिए पर्याप्त बजटीय प्रावधान किए जाएं।

किसानों को चाहिए सब्सिडी और एमएसपी

ग्रामीण इलाकों और किसान परिवारों के लिए भी यह बजट बेहद अहम माना जा रहा है। पश्चिमी यूपी से लेकर पूर्वांचल तक किसानों को खेती की बढ़ती लागत, खाद-बीज के दाम और सिंचाई खर्च की चिंता है। किसान चाहते हैं कि कृषि क्षेत्र के लिए सब्सिडी, न्यूनतम समर्थन मूल्य और कृषि अवसंरचना पर बजट में ठोस कदम उठाए जाएं। इसके साथ ही ग्रामीण रोजगार, सिंचाई परियोजनाओं और गांवों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार की भी मांग उठ रही है।

दैनिक उपयोग की वस्तुओं में राहत की उम्मीद

महंगाई से जूझ रही गृहिणियों और आम परिवारों को रसोई गैस, खाद्य पदार्थों और दैनिक उपयोग की वस्तुओं के दामों में राहत की उम्मीद है। लोगों का कहना है कि यदि बजट में महंगाई नियंत्रित करने के उपायों और बचत को प्रोत्साहित करने वाली योजनाओं की घोषणा होती है, तो आम आदमी को वास्तविक राहत मिल सकती है।

पीएम सूर्य घर योजना में 10.94 लाख आवेदन

अमृत विचार, लखनऊ : केंद्र सरकार की पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से यूपी देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो गया है। राष्ट्रीय पोर्टल के अनुसार, देशभर में अब तक 58.36 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से अकेले उत्तर प्रदेश से 10.94 लाख से अधिक आवेदन दर्ज किए गए हैं।

योगी सरकार की सक्रिय नीतियों और यूपीनेडा व वितरण कंपनियों के समन्वित प्रयासों से प्रदेश में अब तक 3.57 लाख से अधिक रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापित किए जा चुके हैं। इससे राज्य की कुल स्थापित सौर क्षमता 1,227 मेगावाट से अधिक हो गई है। योजना के तहत उपभोक्ताओं को अब तक 2,440 करोड़ से अधिक केंद्रीय सब्सिडी और लगभग 600 करोड़ की राज्य सब्सिडी दी जा चुकी है।

पांच आईएएस और पांच पीसीएस के भी हुए तबादले

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने प्रशासनिक स्तर पर बड़ा फेरबदल करते हुए पांच वरिष्ठ अधिकारियों के तबादले और एक प्रमुख सचिव को अतिरिक्त प्रभार के आदेश दिए हैं। नगेंद्र प्रताप, जो अब तक यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी के पद पर तैनात थे, उन्हें आगरा मंडल का आयुक्त (कमिश्नर) नियुक्त किया गया है।

वहीं, मऊ के मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) प्रशांत नागर को फिरोजाबाद का नगर आयुक्त बनाया गया है। इसके साथ ही उन्हें फिरोजाबाद-शिकोहाबाद विकास प्राधिकरण का उपाध्यक्ष भी नियुक्त किया गया है।

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग में उप सचिव के पद पर तैनात विवेक कुमार श्रीवास्तव को मऊ का नया मुख्य विकास अधिकारी बनाया गया है। मथुरा के मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीणा को स्थानांतरित करते हुए यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण का अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी नियुक्त किया गया है।

सुनील कुमार को नगर मजिस्ट्रेट, जालौन बने

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार ने पीसीएस अधिकारियों के तबादले करते हुए प्रशासनिक स्तर पर फेरबदल किया है। जारी सूची के अनुसार कुल पांच अधिकारियों को नई तैनाती दी गई है। जालौन के नगर मजिस्ट्रेट राजेश कुमार वर्मा को नगर मजिस्ट्रेट बरेली बनाया गया है। इसी पद तैनात अलंकार अग्निहोत्री को गणतंत्र दिवस के दिन सरकार विरोधी कृत्यों को लेकर निलंबित करके डीएम शामली कार्यालय से संबद्ध किया जा चुका है। जारी आदेश के अनुसार, उप जिलाधिकारी प्रयागराज सुनील कुमार को नगर मजिस्ट्रेट, जालौन बनाया गया है। अपर आयुक्त, देवीपाटन मंडल गोंडा के पद पर कार्यरत कमलेश चन्द्र को उप सचिव, उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग, प्रयागराज नियुक्त किया गया है। इसी क्रम में राजेश कुमार यादव-I, अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति), मथुरा को अपर आयुक्त, देवीपाटन मंडल, गोंडा के पद पर स्थानांतरित किया गया है।

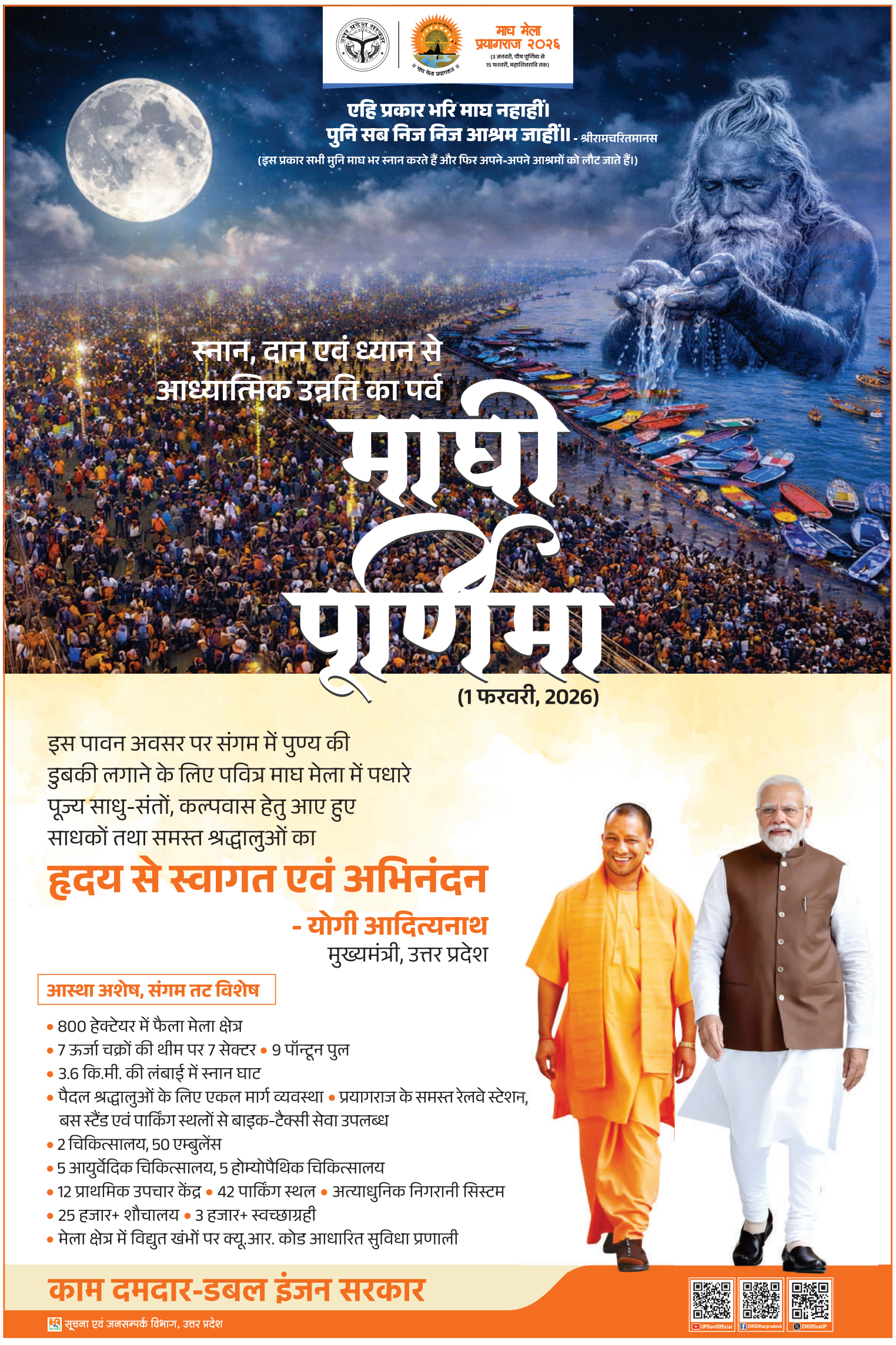

गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा की शुरुआत 5 से

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : नेशनल मेडिकोज आर्गेनाइजेशन (एनएमओ) अवध एवं गोरक्ष प्रांत तथा श्री गुरु गोरखनाथ सेवा न्यास की ओर से गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा 6.0 की शुरुआत की जा रही है।

तीन दिवसीय इस स्वास्थ्य सेवा अभियान के तहत भारत-नेपाल सीमा से सटे सुदूर, थारू बाहुल्य और सीमावर्ती क्षेत्रों में डॉक्टरों की टीमें पहुंचकर लोगों को निःशुल्क जांच और इलाज की सुविधा उपलब्ध कराएंगी। स्वास्थ्य सेवा यात्रा की शुरुआत 5 फरवरी को उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, मंत्री असीम अरुण और संघ के प्रचारक सहित अन्य अतिथि लोहिया संस्थान से करेंगे। यात्रा की जानकारी शनिवार को जियामऊ स्थित विश्व संवाद केंद्र में आयोजित प्रेसवार्ता में दी गई। श्री गुरु गोरखनाथ सेवा न्यास के अध्यक्ष डॉ. एमएलबी भट्ट, एनएमओ अवध प्रांत अध्यक्ष केजीएमयू के डॉ. विजय कुमार और डॉ. कपिल देव शर्मा मौजूद रहे। यात्रा की रवानगी के बाद डॉक्टरों की टीमें लखीमपुर, पीलीभीत, बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर और महाराजगंज के सीमांत इलाकों में पहुंचेंगी।

मेगा विधिक सहायता एवं सेवा शिविर 22 को

अमृत विचार, लखनऊ : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली व कार्यपालक अध्यक्ष/वरिष्ठ न्यायमूर्ति, उप्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार 22 फरवरी को लखनऊ में वृहद विधिक सहायता एवं सेवा सचिव जीवक कुमार सिंह ने बताया कि शिविर का आयोजन जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मलखान सिंह के निर्देशन में सुनिश्चित किया गया है। शिविर का उद्देश्य समाज के निर्बल, वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराना तथा विभिन्न सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ एक ही मंच पर प्रदान करना है।

आपदा राहत कार्यों को मिली रफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- वर्ष 2025-26 में 710.12 करोड़ रुपये जारी, बाढ़ राहत पर सर्वाधिक खर्च

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार आपदा प्रबंधन और राहत कार्यों को लेकर पूरी तरह संवेदनशील और प्रतिबद्ध है। बाढ़, भूकंप, सूखा, अग्निकांड, शीतलहर और मानव-जीव संघर्ष जैसी आपदाओं से प्रभावित लोगों को त्वरित राहत पहुंचाने के लिए राहत आयुक्त कार्यालय लगातार सक्रिय हैं। इसी क्रम में वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान आपदा राहत मद में कुल 710.12 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की गई, जिससे प्रदेश में राहत, बचाव और पुनर्वास कार्यों को नई गति मिली है।

जारी की गई धनराशि में सबसे अधिक 365.73 करोड़ रुपये बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं पुनर्वास के लिए आवंटित किए गए। यह राशि मुख्य रूप से सरयू, गंगा और घाघरा नदी से प्रभावित इलाकों में बचाव कार्यों, क्षतिपूर्ति और पुनर्वास पर खर्च की गई। इसके अलावा चक्रवात व आंधी-तूफान से हुई क्षति के लिए 14.13 करोड़ रुपये, ओलावृष्टि से नुकसान की भरपाई के लिए 0.13 करोड़ रुपये और अग्निकांड से प्रभावितों को सहायता के लिए 14.63 करोड़ रुपये जारी किए गए। शीतलहरी से बचाव को लेकर सरकार ने विशेष प्रयास किए, जिसका सकारात्मक असर भी देखने को मिला। ठंड से निराश्रितों की सुरक्षा के लिए 50.72 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की गई। इसके अंतर्गत कंबल वितरण के लिए 45.51 करोड़ रुपये और अलाव जलाने के लिए 3.51 करोड़ रुपये खर्च किए गए। प्रदेश के सभी जनपदों में 27,027 स्थानों पर अलाव जलाने की व्यवस्था की गई, जिनमें अब तक 1,69,834 अलाव जलाए जा चुके हैं।

राहत आयुक्त कार्यालय के अनुसार, अब तक 5,89,689 कंबल गरीबों और निराश्रितों को वितरित किए जा चुके हैं। साथ ही प्रदेश भर में 1,242 रैन बसेरे स्थापित किए गए हैं, जहां 64 हजार से अधिक लोगों को ठंड से राहत मिली है।

न्यूज ब्रीफ

बिजली का करंट लगने से मजदूर की मौत

मुजफ्फरनगर, एजेंसी : जिले के झिंझाना कस्बे में शनिवार को एक निर्माण कार्य के दौरान बिजली का करंट लगने से 25 साल के एक मजदूर की मौत हो गई। झिंझाना पुलिस थाने के प्रभारी वीरेंद्र कसाना ने बताया कि मजदूर की पहचान धर्मेंद्र (25) के रूप में हुई है, जो बदायूं जिले का रहने वाला था। पुलिस ने बताया कि यह घटना निर्माण कार्य के दौरान इस्तेमाल किये जा रहे लोहे के एक बीम के हाईटेंशन तार से छू जाने से हुई। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

ऊंची चोटियों में बर्फबारी की संभावना

नैनीताल, अमृत विचार : इस बार आ रहा पश्चिमी विक्षोभ हल्की से मध्यम वर्षा और बादलों की गरज के बीच निबट जाएगा। इसके रविवार और मंगलवार को अधिक प्रभावी रहने का पूर्वानुमान मौसम विभाग ने जताया है। इस पश्चिमी विक्षोभ से 3 हजार मीटर से अधिक ऊंचाई वाले पर्वतीय क्षेत्रों में बर्फबारी की गुंजाइश से इंकार नहीं किया जा सकता है। मौसम विभाग देहरादून के मौसम वैज्ञानिक डा रोहित थपलियाल ने बताया कि 3 फरवरी को प्रदेश में मौसम का मिजाज अधिक बदला रहेगा, जबकि 2 फरवरी को अधिकांश हिस्सों में घने बादल और तेज हवाएं चलेगी। रविवार को उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, पिथौरागढ़ व बागेश्वर में बारिश की संभावना है, जबकि ऊंची चोटियों में हिमपात की संभावना रहेगी।

91 कछुओं के साथ चार तस्कर दबोचे

किच्छा, अमृत विचार : उत्तराखंड-उत्तर प्रदेश सीमा पर पुलभट्टा थाना पुलिस ने चार अंतर्राज्यीय तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 91 कछुए बरामद किए हैं। ये कछुए पांच बैगों में छिपाकर ले जाए जा रहे थे। पुलिस क्षेत्राधिकारी भूपेंद्र सिंह धोनी व थानाध्यक्ष प्रदीप मिश्रा के नेतृत्व में टीम ने बॉर्डर पर संदिग्धों को रोका। पूछताछ में आरोपियों की पहचान एटा (उत्तर प्रदेश) निवासी ओमा देवी, कामिनी देवी, विष्णु और सनी के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

आटा लाने की बात पर पत्नी को जलाया

मुरादाबाद, अमृत विचार : थाना सिविल लाइंस क्षेत्र के मऊ हरथला मोहल्ले में एक व्यक्ति ने पत्नी को आटा लाने की बात कहने पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा दी। बीच-बचाव करने आई बच्ची भी झुलस गई। पीड़ित महिला ने पति के खिलाफ तहरीर नहीं दी है। शनिवार को सिविल लाइन कोतवाली प्रभारी मनीष सक्सेना ने बताया कि मऊ हरथला थाना सिविल लाइंस निवासी जरिसा (32) ने पति अख्तर हुसैन से आटा लाने के लिए कहा। इस पर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। आरोप है कि अख्तर ने जरिसा पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा दी। मां को जलता देख बचाव के लिए आई नाबालिग बेटी भी झुलस गई।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर दो ग्राम पंचायतों के नाम बदले

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- फिरोजाबाद और हरदोई की पंचायतों के नाम परिवर्तन को मिली मंजूरी

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश में दो ग्राम पंचायतों के नाम परिवर्तित किए गए हैं। राज्य सरकार ने स्थानीय जनभावनाओं और प्रशासनिक प्रस्तावों के आधार पर यह निर्णय लिया है।

सरकारी आदेश के अनुसार, फिरोजाबाद जनपद के शिकोहाबाद तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत वासुदेवमई में स्थित ग्राम उरमुरा किरार का नाम परिवर्तित कर अब हरिनगर कर दिया गया है। इसी प्रकार हरदोई जनपद के विकास खंड भरावन की ग्राम पंचायत हाजीपुर का नाम बदलकर सियारामपुर किये जाने का निर्णय लिया गया है। प्रदेश सरकार के अनुसार, नाम परिवर्तन का उद्देश्य स्थानीय सामाजिक-सांस्कृतिक पहचान को सम्मान देना और ग्राम पंचायतों की पहचान को और सुदृढ़ करना है। नाम परिवर्तन से संबंधित सभी प्रशासनिक अभिलेखों, राजस्व रिकॉर्ड और सरकारी दस्तावेजों में आवश्यक संशोधन किए जाने के निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं।

फिल्म 'गोदान' के निर्माता-निर्देशक ने लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर फिल्म का ट्रेलर लांच किया गया।

योगी से मिले 'गोदान' फिल्म के निर्माता-निर्देशक, ट्रेलर लांच

अमृत विचार, लखनऊ : गोमाता के संरक्षण, भारतीय संस्कृति में उसके महत्व और पंचगव्य आधारित वैज्ञानिक दृष्टिकोण को केंद्र में रखकर बनी फिल्म गोदान के निर्माता-निर्देशक ने शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर फिल्म का ट्रेलर लांच किया गया। निर्माता-निर्देशक विनोद चौधरी ने कहा कि प्रदेश में गो-रक्षा को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जो ठोस, व्यापक और जमीनी स्तर पर कार्य हुआ है, वही इस फिल्म के निर्माण की सबसे बड़ी प्रेरणा बना। फिल्म में पंचगव्य से "पंच परिवर्तन" की अवधारणा को वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ प्रस्तुत किया गया है। विनोद चौधरी द्वारा निर्मित व निर्देशित फिल्म 'गोदान' 6 फरवरी को देशभर में एक साथ रिलीज होगी। निर्माता ने मुख्यमंत्री को फिल्म की विषयवस्तु, उद्देश्य और सामाजिक संदेश से अवगत कराते हुए कहा कि यह फिल्म केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि गोमाता, भारतीय संस्कृति, वैज्ञानिक चेतना और सामाजिक जिम्मेदारी का समग्र दस्तावेज है।

विवाह योग्य आयु का उल्लंघन होने मात्र से विवाह स्वतः अमान्य नहीं

किसी व्यक्ति की जान, स्वतंत्रता को खतरे में नहीं डाला जा सकता: हाईकोर्ट

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रेम विवाह करने वाले एक युगल को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सुरक्षा प्रदान करते हुए कहा कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्रदत्त अधिकार विवाह की वैधता या अवैधता पर निर्भर नहीं करते। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि भले ही विवाह को लेकर कानूनी विवाद या आयु संबंधी प्रश्न हों, फिर भी किसी व्यक्ति की जान और स्वतंत्रता को खतरे में नहीं डाला जा सकता है। ऐसे मामलों में कोर्ट का प्राथमिक दायित्व याचियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है, न कि विवाह की वैधता का अंतिम निर्धारण करना। उक्त आदेश न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह की एकल पीठ ने स्मृति वर्षा और उनके पति द्वारा दाखिल संरक्षण याचिका को स्वीकार करते हुए पारित किया।

दरअसल याचियों ने 28 अक्टूबर 2025 को आर्य समाज, बरेली में स्वेच्छा से विवाह किया, लेकिन युवती के पिता की ओर से उन्हें लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है। युवक 20 वर्ष का है और हिंदू विवाह अधिनियम के तहत वह विवाह योग्य आयु पूरी नहीं करता है।

सरकारी अधिवक्ता ने विवाह को शून्य या शून्यकरणीय बताकर याचिका खारिज करने की मांग करते हुए तर्क दिया कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के तहत यह विवाह मान्य नहीं है। अब कोर्ट के समक्ष यह विचारणीय प्रश्न था कि क्या विवाह योग्य आयु पूरी न होने पर युगल को संरक्षण देने से वंचित किया जा सकता है? तथा क्या संरक्षण याचिका में विवाह की वैधता का अंतिम निर्धारण करना आवश्यक है? इन प्रश्नों के उत्तर में कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न फैसलों पर भरोसा करते हुए माना कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के तहत हर वह विवाह, जिसमें पक्षकार विवाह योग्य आयु से कम है, अपने आप शून्य नहीं हो जाता। अधिनियम की धारा 3 के अनुसार ऐसा विवाह शून्यकरणीय होता है, यानी विवाह तभी रद्द माना जाएगा, जब स्वयं वह पक्ष, जो विवाह के समय बालक/बालिका था, तय समय-सीमा में विवाह को निरस्त कराने की याचिका दाखिल करे। इसके अलावा धारा 12 के तहत विवाह तभी शून्य माना जा सकता है जब नाबालिग को बहला-फुसलाकर या जबरन अभिभावक की अभिरक्षा से ले जाकर विवाह किया गया हो या विवाह के उद्देश्यों का आधार धोखाधड़ी और अनैतिक हो। वर्तमान मामले में ऐसी कोई परिस्थिति प्रमाणित नहीं हुई है, इसलिए विवाह को धारा 12 के तहत स्वतः शून्य नहीं माना जा सकता है। इसके अलावा विवाह को रद्द कराने का अधिकार तीसरे पक्ष यानी लड़की के पिता को नहीं है, क्योंकि लड़की बालिग है और नाबालिग लड़के के अभिभावक की ओर से कोई शिकायत नहीं है। कोर्ट ने विवाह की वैधता को लेकर स्पष्ट किया कि वैधता का प्रश्न उपयुक्त मंच पर तय होगा, लेकिन तब तक दंपत्ति के जीवन और स्वतंत्रता की सुरक्षा से इनकार नहीं किया जा सकता है। अंत में कोर्ट ने निष्कर्ष स्वरूप कहा कि यदि विवाह वैध न भी हो, तो भी दो बालिग व्यक्तियों को साथ रहने का संवैधानिक अधिकार है, इसलिए विवाह योग्य आयु का उल्लंघन किसी के जीवन और स्वतंत्रता छीनने का आधार नहीं बन सकता है।

इन्हीं तथ्यों के आधार पर कोर्ट ने याचियों को साथ रहने की स्वतंत्रता दी और निर्देश दिया कि कोई भी व्यक्ति उनके शांतिपूर्ण दांपत्य जीवन में हस्तक्षेप नहीं करेगा। किसी भी खतरे की स्थिति में पुलिस को तत्काल सुरक्षा उपलब्ध कराने का आदेश दिया गया, साथ ही याचियों को दो माह के भीतर विवाह पंजीकरण कराने का निर्देश दिया गया, अन्यथा संरक्षण स्वतः समाप्त हो जाएगा।

जीएसटी अधिकारी ने इस्तीफा लिया वापस

अयोध्या, एजेंसी। अयोध्या में तैनात वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) उपायुक्त प्रशांत कुमार सिंह ने अपना इस्तीफा शनिवार को वापस ले लिया। प्रशांत कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद की कथित "आपत्तिजनक" टिप्पणियों के विरोध में मंगलवार को वस्तु एवं सेवा कर उपायुक्त के पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने शनिवार को अपना इस्तीफा वापस ले लिया और कहा है कि वह काम पर लौट आए हैं।

प्रशांत द्वारा अपनी तैनाती की जगह अयोध्या में अपने इस्तीफे की घोषणा किये जाने के बाद, उनके भाई विश्वजीत सिंह ने मीडिया के सामने आरोप लगाया कि वस्तु एवं सेवा कर अधिकारी ने फर्जी विकलांगता प्रमाण पत्र का इस्तेमाल करके सरकारी नौकरी हासिल की थी। प्रशांत ने यह भी आरोप लगाया कि उनके भाई विश्वजीत सिंह मुख्तार अंसारी गिरोह के सक्रिय सदस्य थे और उनके वित्तीय सलाहकार के रूप में भी काम करते थे। उन्होंने कहा था कि विश्वजीत सिंह के खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हैं, और आरोप लगाया कि विश्वजीत सिंह ने उनके माता-पिता पर हमला किया था, जिसके मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

एलडीए के भवन को अपना बताकर बेचा, ठगे 57 लाख

संवाददाता, लखनऊ

- बरेली निवासी पीड़िता ने बिजनौर थाने में दर्ज करायी रिपोर्ट
- एलडीए अधिकारियों ने ताला तोड़कर लिया अपना कब्जा

अमृत विचार : एलडीए के मकान को अपना बताकर जालसाज बिल्डर ने बरेली की महिला को बेचकर 57 लाख ऐंठ लिए। आरोपी ने जाली रजिस्ट्री कर कब्जा दे दिया। फर्जीवाड़े की जानकारी पीड़िता को तब हुई जब एलडीए ने उसका ताला तोड़कर अपना ताला भवन में लगा दिया। पीड़िता ने एलडीए अधिकारियों और बिल्डर के खिलाफ बिजनौर थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी है। इंस्पेक्टर कपिल गौतम ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

बरेली के सैदपुर हाकिंस स्थित कर्मचारी नगर निवासी पूनम सिंह ने बताया कि वह लखनऊ में प्लॉट खरीदने की इच्छुक थी। मई 2025 में हरिहरपुर स्थित गायत्री नगर निवासी बिल्डर सत्यप्रकाश सिंह ने बिजनौर के अवध रेजीडेंसी औरंगाबाद जागीर स्थित 1085 वर्ग फीट का आवासीय मकान दिखाया था। पसंद आने पर सौदा 52 लाख में तय हुआ था। आरोपी ने 57 लाख रुपये खाते में लेकर फर्जी बैनामा कर दिया था। पूनम ने घर में अपना घरेलू सामान रखकर ताला लगा दिया था। बाद में लखनऊ विकास प्राधिकरण के अधिकारियों ने मकान में दूसरे का ताला देख उसे तोड़कर अपना लगा दिया था। पीड़िता ने बताया कि एलडीए अधिकारियों ने अंदर रखा उनका सामान चोरी कर लिया था। पीड़िता का कहना है कि एजेंट अजय मिश्रा के माध्यम से उक्त मकान का पंजीकरण इण्डुष इंफ्रा एंड प्राइवेट बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड के मालिक आशीष त्रिपाठी ने एक लाख रुपये लेकर किया था। पीड़िता ने यह मकान आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड से लोन लेकर खरीदा था।

आरोप है कि धोखाधड़ी के चलते उनके पति विपिन चौहान की तबीयत भी बिगड़ने लगी। 57 लाख की धोखाधड़ी का एहसास होने पर पीड़िता ने मुख्यमंत्री कार्यालय में शिकायत की। आदेश पर बिजनौर पुलिस ने सत्यप्रकाश सिंह और एलडीए के अज्ञात अधिकारियों के खिलाफ धोखाधड़ी और चोरी की रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

अल्हागंज में किशोर का सिर कूचकर हत्या

संवाददाता, अल्हागंज/शाहजहांपुर

कमलेश

- पंचायत भवन परिसर में मिला किशोर का शव

अमृत विचार : अल्हागंज थाना क्षेत्र के गांव रावतपुर में शनिवार सुबह किशोर का शव खून से लथपथ मिला। देखने पर लग रहा था कि किशोर की हत्या किसी भारी वस्तु से कूंचकर की गई हो।

किशोर की हत्या की जानकारी होने पर घटना स्थल पर एसपी देहात भंवरे दीक्षा, फॉरेंसिक टीम व पुलिस बल मौके पर पहुंचा और घटना स्थल की जांचकर साक्ष्य एकत्र किए। रावतपुर गांव निवासिनी गीता देवी ने बताया कि उनका बेटा कमलेश (17) भट्टे पर मजदूरी करता था। शुक्रवार को शाम 7 बजे वह गांव के ही अनीस उर्फ कल्लू के साथ गया था। रात 10 बजे तक कमलेश वापस नहीं आया तो परिजनों ने उसे तलाश किया, लेकिन नहीं मिला। शनिवार सुबह गांव के लोग पंचायत भवन की ओर गए तो बरामदे में कमलेश का शव पड़ा मिला। उसका चेहरा और सिर बुरी तरह कूंचा गया था, एक पैर में चप्पल फंसी हुई थी और मौके पर काफी मात्रा में खून फैला था। सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे और थाना को जानकारी दी।

जानकारी मिलने पर एसपी देहात भवरें दीक्षा, फॉरेंसिक टीम और थाना प्रभारी अल्हागंज मौके पर पहुंचे। घटना स्थल का निरीक्षण कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हत्या की वजह और हत्यारा का पुलिस पता कर रही है। पुलिस ने अनीस को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। मामले की गहन जांच की जा रही है।

खेत में मिला तेंदुआ का शव

पीलीभीत, अमृत विचार : पूरनपुर के सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र में पिछले कई दिनों से चहल कदमी कर रहे तेंदुआ का शव शनिवार सुबह गन्ने के खेत में पड़ा मिला। मामला पूरनपुर तहसील के सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र का हैं। यहां पिछले कई दिनों से एक तेंदुआ क्षेत्र के गांवों में नजदीक चहलकदमी करते देखा जा रहा था। बीते गुरुवार को तेंदुआ ने सेहामऊ उत्तरी क्षेत्र के गांव नवदिया दुर्जनपुर निवासी बुजुर्ग किसान निंदर पर हमला कर घायल कर दिया था।

जिला जेल से दो बंदियों के फरार होने के मामले में तीन और जेलकर्मी निलंबित

लखनऊ, एजेंसी

अयोध्या जिला जेल से दो विचाराधीन कैदियों के फरार होने के मामले में तीन और जेलकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है और उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। यह कार्रवाई 29 जनवरी को जेल से दो कैदियों के फरार होने की घटना के संबंध में अयोध्या रेंज के उप महानिरीक्षक (जेल) द्वारा जांच रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद की गई। अधिकारियों के अनुसार उप कारापाल राजू उर्फ राजदीप, हेड जेल वार्डर प्रभुनाथ कुमार और जेल वार्डर दीपक कुमार पांडे को निलंबित कर दिया गया है और उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले सुल्तानपुर जिले के शेर अली और अमेठी जिले के गोलू अग्रहरि नामक दो विचाराधीन कैदी अयोध्या जिला जेल की उच्च सुरक्षा वाली बैरक से कथित तौर पर अपनी कोठरी की लोहे की ग्रिल के पास से ईंटें हटाकर फरार हो गए थे।

रामनगर में बीच सड़क पर पहुंचा बाघ

रामनगर, अमृत विचार : बीते शुक्रवार शाम को रामनगर में सीतावनी पाटकोट मार्ग पर भंडार पानी से पहले यह फोटो वाइल्ड लाइफ फोटो ग्राफर दीप रजवार ने अपने कैमरे में कैद करते हुए बाइक सवारों को जंगल में सचेत रहने का संदेश दिया है।

पहल | उप्र. और बिहार के महिला किसान संगठनों के बीच एमओयू

खेती में डिजिटल टेक्नोलॉजी का होगा इस्तेमाल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- यूपी-बिहार मिलकर करेंगे महिला किसानों की क्षमता वृद्धि, खुलेंगे रोजगार के नए अवसर

अमृत विचार: खेती को आधुनिक, टिकाऊ और लाभकारी बनाने की दिशा में उप्र. और बिहार ने एक अहम पहल की है। डिजिटल तकनीक, डेटा आधारित निर्णय प्रणाली और क्लाइमेट स्मार्ट एग्रीकल्चर को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश और बिहार के महिला किसान संगठनों के बीच राजधानी लखनऊ में समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

यह एमओयू उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से संबद्ध महिला किसान उत्पादन संगठनों के राज्य स्तरीय संघ भूस्वामिनी और बिहार के पहले एफपीओ महासंघ बिहप्रो कन्सोर्टियम ऑफ प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के बीच हुआ। इस समझौते का मुख्य उद्देश्य महिला किसानों की क्षमता वृद्धि, आधुनिक तकनीक आधारित खेती को प्रोत्साहन, कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन तथा खरीद-बिक्री की संगठित व्यवस्था विकसित करना है। एमओयू के तहत खेती में डिजिटल टेक्नोलॉजी और डेटा के उपयोग को बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे महिला किसान वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित निर्णय ले

सकेंगी। साथ ही बदलते मौसम को ध्यान में रखते हुए क्लाइमेट स्मार्ट एग्रीकल्चर प्रैक्टिसेज अपनाने पर विशेष जोर रहेगा। एमओयू के माध्यम से उत्तर प्रदेश और बिहार की महिला किसान संयुक्त रूप से प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन और नवाचार आधारित कार्यक्रम संचालित करेंगी। इससे महिला किसानों को आधुनिक कृषि पद्धतियों, जलवायु अनुकूल खेती और संसाधनों के बेहतर उपयोग की जानकारी मिलेगी।

मुख्यमंत्री योगी के निर्देशों के अनुरूप प्रदेश में महिला किसानों को केवल उत्पादन तक सीमित न रखकर कृषि आधारित उद्यमिता, प्रोसेसिंग, ब्रांडिंग और मार्केट लिंकेज से जोड़ा जा रहा है। कृषि उत्पादों की खरीद-बिक्री के लिए एक पारदर्शी और सशक्त तंत्र विकसित किया जाएगा, जिससे महिला किसान संगठनों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिल सके।

सड़क हादसे में माता-पिता की मौत, बेटा गंभीर घायल

संवाददाता, अल्मोड़ा

- नीब करौली बाबा के दर्शन कर मुनस्यारी जा रहा था दिल्ली निवासी परिवार

अमृत विचार : धौलछीना-शेराघाट मोटर मार्ग पर शनिवार को बड़ा सड़क हादसा हो गया। कसाणबैंड के पास एक स्कॉर्पियो कार अनियंत्रित होकर 60 मीटर नीचे जा सड़क पर जा गिरी। हादसे में वाहन सवार वृद्ध दंपत्ति की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उनका पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गया।

जानकारी अनुसार मंगलपुरी, महरौली नई दिल्ली निवासी 52 वर्षीय सिद्धार्थ रॉय अपने माता-पिता के साथ निजी कार संख्या डीएल-3 सीसी जेड 8690 से उत्तराखंड भ्रमण पर आए थे। कैंची धाम में दर्शन करने के बाद यह परिवार अल्मोड़ा होते हुए मुनस्यारी की ओर जा रहा था। दोपहर तीन बजे कसाण बैंड के पास अचानक वाहन अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे लगे क्रश बैरियर को तोड़ते हुए सीधे 60 मीटर नीचे दूसरी सड़क पर जा गिरा।

जिससे गाड़ी के परखच्चे उड़ गए और कार सड़क पर पलट गई। कार के नीचे दबने से 75 वर्षीय प्रणव रॉय और उनकी पत्नी 72 वर्षीय शुभ्रा रॉय की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि बेटा सिद्धार्थ रॉय गंभीर रूप से घायल है।

मतदाता सूची सुधार अभियान में उमड़ी भीड़

विशेष मतदाता दिवस पर शनिवार को तहसील व नगर पालिका व परिषद में हुआ समाधान, फार्म जमा किए

बरेली, संवाददाता,

अमृत विचार : मतदाता सूची में सभी को शामिल करने और कोई मतदाता छूटने नहीं पाए। इस उद्देश्य से सूची के सुधार अभियान में बूथों से लेकर पालिका और तहसील दफ्तरों में दस्तावेज जमा करने को भीड़ उमड़ी।

नवाबगंज : शनिवार को विभिन्न केंद्रों पर लोगों की भारी भीड़ देखने को मिली। बीएलओ ने अपने-अपने मतदेय स्थलों पर नागरिकों की समस्याओं को सुना और आवश्यक संशोधन किए। तहसील में एसडीएम उदित पंवार और लेखपाल प्रशिक्षण केंद्र पर तहसीलदार दुष्यंत प्रताप सिंह ने लोगों के आवेदन निस्तारित किए।

भदपुरा में विकासखंड सिठौरा, तिगरी ढकिया बर्कली साहब आदि गांव में शनिवार को भाजपा युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष अनुराग वर्मा ने फार्म 6 भरवाए। बीएलओ सत्यपाल और तपन कुमार ने नागरिकों से फॉर्म 6 भरवाए। अनुराग ने 2003 की मतदाता सूची से नए वोटरों माता या पिता का क्रम संख्या उपलब्ध कराकर बीएलओ की मदद की

फतेहगंजपूर्वी में विशेष मतदाता दिवस पर शनिवार को बूथों पर लोगों ने फार्म छह जमा किए तथा मतदाता सूचियां में सुधार किया गया। इस दौरान लोगों ने अपने बीएलओ के पास फॉर्म छह जमा किए तथा मतदाता सूचियों में हुई त्रुटियों को सुधरवाने का कार्य भी किया दस्तावेज न लाने वालों को अगली तिथि पर लाने को कहा। पूरे दिन वूथों पर लोगों की भीड़ भाड़ रही इस दौरान सुपरवाइजर, एईआरो, समेत अन्य अधिकारी भी वूथों का निरीक्षण करते रहे ।

मतदाता सूची सुधार अभियान में तहसील में उमड़ी भीड़। ● अमृत विचार

एसडीएम ने बूथों पर फार्म 6 की स्थिति जानीं

मीरगंज, अमृत विचार : विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दावा आपत्ति निस्तारण कार्यक्रम में शनिवार को एसडीएम आलोक कुमार ने मीरगंज विधानसभा के सभी बूथों पर बीएलओ द्वारा उपस्थित रहकर मतदाताओं को फार्म–6, 7, 8 की जानकारी दी गयी एवं 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले नव युवक युवतियों के फार्म – 6, और फार्म–7 , फार्म – 8 भरवाये गये है। बूथों पर एसडीएम आलोक कुमार ने दर्जन भर बूथों पर भ्रमण कर फार्म 6, 7, 8 भरे जाने की स्थिति जानी। जिसमें प्राथमिक विद्यालय पैगानगरी के बूथ , कम्पोजिट विद्यालय हुरहुरी के बूथ कम्पोजिट विद्यालय दियोसास के बूथ , कम्पोजिट विद्यालय चुरईदलपतपुर में बूथ , कम्पोजिट विद्यालय गुगई के बूथ, पूर्व माध्यमिक विद्यालय मनकरा के बूथआदि शामिल है।

मवई काजियान में 60 मतदाताओं ने दस्तावेज पेश किये

शेरगढ़, अमृत विचार : तहसीलदार न्यायिक मीरगंज सुरभि राय ने ब्लाक सभागार शेरगढ़ तथा बीईओ मुकेश कुमार भारती ने एसआईआर के तहत शनिवार को गांव मवई काजियान स्थित कंपोजिट विद्यालय में नोटिसों की सुनवाई की। इस दौरान मवई काजियान में 60 मतदाताओं ने अपने दस्तावेज प्रस्तुत कर वोट बनवाने को आवेदन किए। यहां अब तक 379 आवेदन अपलोड किए जा चुके हैं। यहां 1145 नोटिस जारी किए गए थे। शनिवार को कंपोजिट विद्यालय मवई काजियान में एसआईआर अभियान के तहत आयोजित नोटिस सुनवाई के दौरान क्षेत्र के 76 से 112 तक के बूथों के मतदाताओं ने शामिल हो वोट बनवाने के लिए जरूरी दस्तावेज पेश किये। संबंधित गांवों के बड़ी संख्या में मतदाता आवेदन लेकर पहुंचे। इस दौरान अधिकारियों ने नोटिसों की सुनवाई करते हुए मतदाताओं को जरूरी जानकारी देकर मतदाताओं द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज प्राप्त किये। इस अवसर पर जितेंद्र मौर्य, सुपरवाइजर लाल सिंह, गीता राठौर, पवन कुमार आदि समेत बड़ी संख्या में सुपरवाइजर, बीएलओ तथा मतदाता मौजूद रहे।

मीरगंज में सड़क हादसे में युवक की मौत

संवाददाता, मीरगंज

मृतक जोगेश।

अमृत विचार: क्षेत्र में हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। वहीं गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

गांव पैगानगरी उर्फ नगरिया भगत निवासी जोगेश उर्फ जोगी पटेल(30) रामपुर में एक फैक्ट्री में सिक्योरिटी गार्ड के पद पर कार्यरत थे। 17 जनवरी को शाम के वक्त वह रोडवेज बस से अपने घर लौट रहे थे। जैसे ही वह नल नगरिया चौराहे के पास बस से उतरे, तभी तेज रफ्तार से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों की सहायता से घायल युवक को एंबुलेंस द्वारा अस्पताल भिजवाया गया, जहां इलाज के दौरान शुक्रवार रात उनकी मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल की मोर्चरी भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से टक्कर मारने वाले वाहन की पहचान की जा रही है और जल्द ही आरोपी को पकड़ लिया जाएगा। अचानक हुई इस दुर्घटना से मृतक की पत्नी चित्रा देवी और उनके दो छोटे बच्चे बेसहारा हो गए।

पति की मौत के बाद चित्रा देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में ग्रामीण शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधा रहे हैं। शाम को पीएम होने के बाद शव घर आया और परिजनों ने अंतिम संस्कार कर दिया।

न्यूज ब्रीफ

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार, जेल

भोजीपुरा अमृत विचार : नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक ने 6 नवंबर को गांव की ही नाबालिक 16 वर्षीय किशोरी से घर में जब वह अकेली थी तो दुष्कर्म किया। लोक लाज के कारण किसी को नहीं बताया कुछ दिन बाद किशोरी की तबीयत खराब होने पर पीड़िता की मां ने डॉक्टर को दिखाया तब डॉक्टर ने किशोरी को दो माह की गर्भवती बताया। परिजनों के पूछने पर घटना की पूरी जानकारी किशोरी ने परिजनों को दी। किशोरी की मां ने 23 जनवरी को मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने आरोपी अर्जुन गंगवार निवासी कुआं टांडा धिमनी से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

युवक को दबंगों ने पीटा

भोजीपुरा, अमृत विचार : कस्बा के मध्य रेलवे स्टेशन के सामने सर्विस रोड पर 28 जनवरी की रात विपिन कुमार निवासी ग्राम मकरंदापुर किसी के इंतजार में खड़ा था तभी रवि और भजनलाल ने आकर विपिन कुमार से गाली गलौज शुरू कर दी मना करने पर दोनों लोगों ने उसे लात घूसों से जमकर मारपीट की। शोर सुनकर लोग आए तो वे भाग गये।

आक्रोश : पशुओं को सचिवालय में किया बंद

सचिवालय में बंद आवारा पशु। ● अमृत विचार

भमोरा, अमृत विचार : रात रात भर जाग कर आवारा पशुओं से फसल की रखवाली कर रहे, एकजुट हुए किसानों का फूटा आक्रोश, सभी आवारा पशुओं को इकट्ठा कर ग्राम सचिवालय में बंद कर दिया। पुलिस ने सभी पशुओ छुडवाया।

आलमपुर जाफराबाद की ग्राम पंचायत चम्पतपुर के किसानों ने बताया कि ग्राम पंचायत में गौशाला बनने का प्रस्ताव आया था। जिसे अफसरों ने बनने नहीं दिया। शुक्रवार की रात आवारा पशुओं से परेशान किसानों ने गांव के सभी पशुओं को घेर कर एकत्र किया और ग्राम पंचायत सचिवालय परिसर में इकट्ठा कर बंद कर दिया। मौके पर पहंचे प्रधान प्रतिनिधि ने पशुओं को बाहर निकाल पंचायत कार्यालय में ताला डाल दिया। बीडीओ हर्षइन्द्र कुमार ने बताया कि सभी गोवंशों का गौशाला में समायोजन कराया जाएगा।

स्कूल से लौट रही नाबालिग पर हमला

नवाबगंज, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के एक गांव में स्कूल जाने-आने वाली 16 वर्षीय छात्रा के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़िता कक्षा 10 की छात्रा है और गांव से लगभग तीन किलोमीटर दूर स्थित इंटर कॉलेज में पढ़ने जाती है।

परिजनों के अनुसार, गांव के ही दो युवक काफी समय से छात्रा को परेशान कर रहे थे। मंगलवार की शाम करीब 6 बजे, जब छात्रा गांव के मेले से सब्जी लेकर अकेले घर लौट रही थी, तभी दोनों युवकों ने उसे रास्ते में एक सुनसान स्थान पर जबरन खींच लिया।

आरोप है कि वहां दोनों ने मिलकर छात्रा के साथ मारपीट की। छात्रा के शोर मचाने पर आसपास के लोग और परिजन मौके पर पहुंचे, जिससे आरोपी युवक फरार हो गए।

पीड़िता के परिजनों ने थाना पहुंचकर तहरीर दी है, कोतवाल अरुण कुमार श्रीवास्तव ने बताया मुकदमा दर्ज कर लिया है।

यूजीसी के नए कानूनों से रोक हटाने की मांग

आंवला में एसडीएम को ज्ञापन सौंपते अधिवक्ता। ● अमृत विचार

आंवला, अमृत विचार : उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता, सामाजिक न्याय और भेदभाव-मुक्त वातावरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बनाए गए (यूजीसी) नियमों पर लगी अंतरिम रोक हटाने की मांग को लेकर एससी, एसटी एवं ओबीसी वर्ग के अधिवक्ताओं ने एसडीएम के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा।

अधिवक्ताओं ने यूजीसी के इन नियमों को सामाजिक न्याय की भावना के अनुरूप बताते हुए शीघ्र लागू करने की मांग की। कहा कि ये नियम उच्च शिक्षा परिसरों में जाति, धर्म, लिंग, दिव्यांगता पर होने वाले भेदभाव को रोकने में मील का पत्थर साबित होंगे। ज्ञापनकर्ताओं ने कहा कि संभावित दुरुपयोग की आशंका के आधार पर नियमों पर रोक लगाना लाखों छात्रों के अधिकारों को प्रभावित कर सकता है। इस अवसर पर अधिवक्ता राजपाल मौर्य, परमानंद मौर्य, रतीभान सिंह, मुकेश बाबू, राकेश कुमार शर्मा आदि मौजूद रहे।

अतिक्रमण हटवाने के दौरान तनाव

संवाददाता, नवाबगंज

- दो पक्षों में विवाद होने के बाद मच गई अफरा-तफरी
- स्थिति बिगड़ी तो पुलिस को करना पड़ा हस्तक्षेप
- तहसील दिवस में हुई शिकायत के बाद पालिका की टीम गई थी

अमृत विचार : नौबतगंज बस्ती में शनिवार को नगर पालिका परिषद की अतिक्रमण हटाओ कार्रवाई के दौरान स्थिति तनावपूर्ण हो गई। रास्ते से अतिक्रमण हटाने पहुंची टीम के सामने ही दो पक्षों के बीच विवाद हो गया, जिससे कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई।

बताया गया कि तहसील दिवस में की गई शिकायत के आधार पर नगर पालिका परिषद की टीम में बड़े बाबू धीरेंद्र कुमार और अमरसिंह मौके पर पहुंचे थे। शिकायत में बस्ती के एक निवासी द्वारा आरोप लगाया गया था कि उसके आवागमन के रास्ते पर दुकान का सामान रखकर कब्जा किया गया है।

पालिका टीम द्वारा अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया शुरू करते ही शिकायतकर्ता और संबंधित दुकानदार के बीच कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर आसपास के लोग भी मौके पर जमा हो गए, जिससे माहौल और अधिक गरमा गया।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझाकर स्थिति को नियंत्रित किया। एहतियातन दोनों पक्षों को थाने ले जाया गया। पुलिस के अनुसार, मामले की जांच की जा रही है और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

युवक को मारा चाकू, घायल

रिठौरा। अमृत विचार: कस्बा रिठौरा के मोहल्ला इन्द्रपुरी के शरीफ अहमद ने पुलिस को दिये प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया है कि उनका बेटा समीर सामान लेने मार्केट जा रहा था। लौटते समय कस्बे के ही मोहल्ला इन्द्रपुरी के आरिफ से बाइक को लेकर कहासुनी हो गई। इसी दौरान आरिफ ने गाली-गलौच कर दी, विरोध करने पर समीर को आरिफ के इशारे पर जाकिर, अमन, करन यादव ने दबोच लिया और चाकूओं से गोद डाला। जिसके चलते समीर गंभीर रूप से घायल हो गया। आरोपी उसे मरा समझकर मौके से फरार हो गए।

प्रधान ने हटवाया अतिक्रमण

मीरगंज, अमृत विचार: शनिवार को गांव सिंधौली में प्रधान सुनीता कश्यप और सचिव अमित पटेल की मौजूदगी में घरों के सामने से अतिक्रमण हटाया गया।

सड़क के दोनों ओर ग्रामीणों ने स्लैब और घर के आगे चबूतरे बनाकर अतिक्रमण कर रखा था। इससे नाला भी बंद हो गया था। ग्रामीणों ने जनसुनवाई के माध्यम से आठ शिकायतें की थी। जे ई अजीम शाहनवाज़ ने इसकी पुष्टि की।

पत्थर फेंकने के विरोध पर पीटा

कैंट, अमृत विचार : युवक द्वारा शराब के नशे में दरवाजे पर गाली गलौज के साथ ईंट पत्थर फेंकने का विरोध करना एक परिवार को महंगा पड़ गया। आरोपी ने भाइयों को बुलाकर परिवार के सदस्यों के साथ लाठी डंडों से मारपीट की। घायल पीड़ित ने कैंट थाने में तीन लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

थाना क्षेत्र के नकटिया ग्रास मंडी तलैया निवासी कमलेश ने बताया, कि शुक्रवार रात पड़ोसी सागर नशे की हालत में उनके दरवाजे पर पत्थर फेंक रहा था। इसका विरोध किया तो पति व बेटी को भी पीटा। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

न्यूज डायरी

ब्लाक अध्यक्ष हर्षदीप, जयपाल महामंत्री निर्वाचित

बहेड़ी , अमृत विचार : पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ की ब्लाक शाखा बहेड़ी का चुनाव/अधिवेशन में हुए चुनाव में हर्षदीप गौतम को ब्लाक अध्यक्ष, जयपाल बाल्मीकि को महामंत्री, अभिषेक राजपूत को कोषाध्यक्ष निर्वाचित किया गया। सभागार में हुए अधिवेशन की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राम लाल कश्यप ने की। इस अवसर पर मण्डल अध्यक्ष रविन्द्र कुमार कश्यप, जिला महामंत्री महेश चंद्र वाल्मीकि एवं जिला संप्रेक्षक मिसर यार खां विशेष रूप से उपस्थित रहे। चुनाव प्रक्रिया चुनाव अधिकारी रनवीर सिंह पटेल की देखरेख में सम्पन्न कराई गई। निर्धारित समय के बाद सभी पदों पर एक–एक नामांकन पत्र प्राप्त होने पर चुनाव अधिकारी द्वारा सभी अभ्यर्थियों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। छत्रपाल वाल्मीकि को ब्लाक संगठन मंत्री तथा कृष्ण मुरारी उर्फ मुरारी लाल को ब्लाक संप्रेक्षक पद पर निर्वाचित किया गया। कार्यक्रम के दौरान एडीओ पंचायत शशांक सक्सेना एवं सचिव अमित कुमार द्वारा नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पगड़ी एवं प्रमाण पत्र दिया गया।

पुरातन छात्र सम्मेलन में प्रतियोगिताओं के विजेता हुए सम्मानित

क्योलडिया, अमृत विचार : राजकीय हाई स्कूल मोहम्मदपुर में वार्षिकोत्सव में विद्यालय से पढ़कर निकले छात्रों का भी सम्मेलन हुआ। इन छात्रों का सम्मान भी किया गया। विद्यालय में हुई प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी मेडल देकर पुरुस्कृत किया गया। स्कूल में हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रधानाचार्य जीबी पंत इंटर कॉलेज अभयराजपुर प्रमोद कुमार सिंह, विशिष्ट अतिथि महेंद्र पाल सिंह पूर्व प्रभारी प्रधानाध्यापक राजकीय स्कूल मोहम्मदपुर, रहे। साथ ही प्रधानाध्यापक उच्च प्राथमिक विद्यालय मोहम्मदपुरराजकुमार और प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रवीण कुमार शुक्ला अभिभावक भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में हाईस्कूल के टॉपर्सछात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया। वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता, वाद–विवाद प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता और सांस्कृतिक एवं रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

कथा के समापन पर हुआ भंडारा, पहुंचे विधायक

भदपुरा, अमृत विचार : गांव पेहना में चल रही सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का रविवार को भंडारे के साथ समापन हो गया। भागवत कथा के अंतिम दिन कथावाचक मंजेश शास्त्री ने राजा परीक्षित और सुदामा चरित्र की कथा सुनाई। उन्होंने कहा जहर के प्रभाव से राजा का शरीर जल जाता है। और उनकी मृत्यु हो जाती है लेकिन श्रीमद्भागवत कथा सुनने के प्रभाव दर राजा परीक्षित को मोक्ष प्राप्त होता है। कथा के श्रवण करने से जन्म जन्मांतरो कर पापों का नाश होता है ओर विष्णु लोक की प्राप्ति होती है उन्होने कहा कि संसार में मनुष्य को सदा अच्छे कर्म करना चाहिए, तभी उसका कल्याण सम्भव है। कथा में अंतिम दिन सुदाम चरित्र की लीला का भावपूर्ण वर्णन किया गया। कथा समापन के बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें सैकडो की संख्या में लोग भंडारे का प्रसाद ग्रहण करने पहुंचे इस मौके पर मुख्य अतिथि डॉ एम पी आर्य, रविशंकर गंगवार, जयदीप सिंह, शैलेंद्र गंगवार, पप्पू शर्मा, रामप्रताप, रोहित गंगवार, सुरभीक सिंह, प्रधान महेश मिश्रा, राजेंद्र गुप्ता, हरीश वर्मा, हरीश कुमार नीरज कुमार वर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :- बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा। TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
100000 से अधिक आंखों के आपरेशन का अनुभव
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आंख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी स्कैन द्वारा पर्दे की जांच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जांच व उपचार
8077344353
समय : प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
डॉ. आदित्य त्यागी MBBS, DOMS, DNB, MNAMS CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान
महीने के प्रत्येक रविवार को समय : सुबह 10 बजे से 5 बजे तक
निःशुल्क परामर्श डॉ. दीपक माहेश्वरी M.B.B.S., M.D. Consultant Physician & Critical Care Specialist
कैम्प में समस्त ब्लड जाँचें, ई.सी.जी., एक्स-रे 50% के छूट पर किये जायेंगे।
रजिस्ट्रेशन शुल्क 20/-
ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, श्वांस रोग, गम्भीर रोग विशेषज्ञ
प्रेमलोक हॉस्पिटल CARE FOR SURE
नरियावल अड्डा, शाहजहाँपुर रोड, बरेली 9084307201, 9412244430
डॉ. नितिन अग्रवाल हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSC) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना
मैने अपना नाम श्याम बाबू से बदल कर श्याम बाबू सिंह (Shyam Babu Singh) पुत्र श्री राजेंद्रपाल सिंह रख लिया है भविष्य में हमें इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। श्याम बाबू सिंह निवासी मोहल्ला आजाद नगर जलालाबाद शाहजहांपुर।

बिकाऊ है
225 गज मकान
कॉर्नर का पूर्वमुखी
आशीष रॉयलपार्क फेस-2,
इच्छुक व्यक्ति ही संपर्क करें- बरेली
मो. 9897211014

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पहले मेरा नाम (DARAKSHA KHAN) था जो गलत है। मेरा सही नाम (DARAKSHAN KHAN) दरखशां खान पति मो. आसिफ खां है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। दरखशां खान पत्नी मो. आसिफ खां नि. मो. 17, महमंद जंगला, शाहजहांपुर।

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी D.El. Ed. (बैच 2019-21) अनुक्रमांक 21311110215 की तृतीय सैमेस्टर की अंकतालिका की मूल प्रति वास्तव में खो गई है जो तलाश करने के बाद भी नहीं मिली है। मोहित कुमार पटेल पुत्र श्री राम नरेश नि. ग्राम अकोड़ा नौगामिंया पो. मधवापुर पर. व तहसील बीसलपुर जिला पीलीभीत।

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी हाईस्कूल वर्ष 2013 अनुक्रमांक 1009545 एवं इण्टरमीडिएट वर्ष 2015 अनुक्रमांक 0727334 की अंकतालिका दिनांक 23.01.2026 को कनमन में कहीं खो गई है जो तलाश करने के बाद भी नहीं मिली है। छत्रवती पुत्री बाबू राम निवासी ग्राम गौटिया रामनगर थाना देवररिया तह. बहेड़ी जिला बरेली।

परिचय सम्मेलन
श्री अग्रवाल सभा कल्याण सोसायटी (रजि.) बरेली द्वारा आयोजित अग्रवाल वैवाहिक परिचय सम्मेलन दिनांक 17-18 मार्च 2026 शीघ्र पंजीयन करायें। सम्पर्क :- 9897181723, 9412466473, 9927047430, 9412048528, 9927833351, 9927324855

बाबा जी एडवरटाईजिंग
हल्द्वानी (नैनीताल)
आवश्यकता है
डिजाइनर, अकाउंटेंट, फ्लैक्स प्रिंटिंग मशीन ऑपरेटर, माउंटर (फ्लैक्स लगाने वाले लड़कों) की।
अनुभवी अभ्यर्थियों को वरीयता
आकर्षक वेतन
भोजन+आवास की व्यवस्था उपलब्ध
इच्छुक अभ्यर्थी सम्पर्क करें :
7500029158, 9720149769
9837650281, 9627226481

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पैन कार्ड में नाम रजवन्त कौर है जबकि अन्य दस्तावेजों में मेरा नाम रजविन्दर कौर है। रजवन्त कौर और रजविन्दर कौर दोनों नाम मेरे ही है और मुझे इन दोनों नामों से जाना व पहचाना जाता है। रजविन्दर कौर उर्फ रजवन्त कौर पत्नी सलविन्दर सिंह नि. ग्राम डिमरई परगना व तहसील पुवायां जिला शाहजहांपुर।

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

सूचना
मैंने अपने पुत्र मो. शानू के गलत संगत में पड़ जाने की वजह से उससे सम्बन्ध विच्छेद करते हुए अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से वेदखल कर दिया है वह अपने कृत्य के लिए खुद जिम्मेदार होगा। लियाकत पुत्र बेचे बक्श ईंध जागीर नवाबगंज बरेली।

अमृत विचार
लोक दर्पण
रविवार, 1 फरवरी 2026
www.amritvichar.com

युवाओं का नया गणित
बचत पीछे, खर्चे आगे

भारतीय समाज में बचत केवल आर्थिक आदत नहीं, बल्कि पीढ़ियों से चली आ रही एक सांस्कृतिक विरासत रही है। माता-पिता और दादा-दादी की पीढ़ी ने "आज कम खर्च करो ताकि कल सुरक्षित रहो" के सिद्धांत को जीवन मंत्र की तरह अपनाया। सीमित आय, अनिश्चित भविष्य और सामाजिक जिम्मेदारियों के बीच बचत को सुरक्षा कवच माना गया है। बैंक की पासबुक, डाकघर की योजनाएं, सोना-चांदी और जमीन जैसी संपत्तियां भविष्य की स्थिरता का प्रतीक थीं। शादी, बच्चों की पढ़ाई, बीमारी या बुढ़ापे के लिए पहले से धन संचित करना एक स्वाभाविक सोच थी। यह मानसिकता केवल आर्थिक नहीं, बल्कि नैतिक अनुशासन और आत्मसंयम से भी जुड़ी हुई थी, लेकिन वर्तमान में युवाओं में बचत की आदत कम दिखाई पड़ती है। अब वे बचत का नहीं खर्चों का गणित लगा रहे हैं। भौतिक सुविधाओं और बदले लाइफ स्टाइल की संस्कृति में यह कितना उचित है, इस पर एक विस्तृत विश्लेषण।

नृपेंद्र अभिषेक नृप
शोधार्थी

बदलता समय, बदलती प्राथमिकताएं

आज का युवा ब्रांड, सुविधा, अनुभव और स्वतंत्रता को प्राथमिकता देता है। मोबाइल, इंटरनेट और आसान कर्ज की दुनिया ने खर्च को सहज और आकर्षक बना दिया है, जबकि बचत अक्सर बोझ जैसी लगने लगी है। यह बदलाव केवल आदतों का नहीं, बल्कि सोच, परिस्थितियों और सामाजिक संरचना का परिणाम है। सवाल यह नहीं कि कौन सही है और कौन गलत, बल्कि यह समझना जरूरी है कि आखिर बचत की परंपरा क्यों कमजोर हो रही है और खर्च का यह नया गणित भारतीय समाज को किस दिशा में ले जा रहा है।

इक्कीसवीं सदी के दूसरे दशक में प्रवेश करते ही यह तस्वीर तेजी से बदलने लगी। आर्थिक उदारीकरण, वैश्वीकरण और तकनीकी क्रांति ने भारतीय युवाओं की सोच को एक नया आयाम दिया। आज का युवा केवल भविष्य की चिंता में वर्तमान को सीमित नहीं करना चाहता। उसकी प्राथमिकताओं में अनुभव, सुविधा और जीवन की गुणवत्ता अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। वह मानता है कि जीवन एक बार मिलता है और उसे पूरी तरह जीना चाहिए। इसी सोच ने बचत की परंपरागत अवधारणा को चुनौती दी है और खर्च को जीवनशैली का केंद्र बना दिया है।

डिजिटल क्रांति और 'आज में जीने' की सोच

मोबाइल फोन और सस्ते इंटरनेट की व्यापक पहुंच ने युवाओं की जीवनशैली में क्रांतिकारी बदलाव ला दिया है। आज की पीढ़ी के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म केवल सुविधा का माध्यम नहीं, बल्कि दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। ऑनलाइन शॉपिंग ऐप्स पर कपड़े, गैजेट्स और जरूरी सामान कुछ ही मिनटों में घर तक पहुंच जाते हैं, वहीं फूड डिलीवरी सेवाएं समय और मेहनत दोनों की बचत का विकल्प देती हैं। ओटीटी प्लेटफॉर्म और ऑनलाइन गेमिंग ने मनोरंजन को चौबीसों घंटे उपलब्ध बना दिया है, जबकि ट्रैवल ऐप्स ने घूमने-फिरने को पहले से कहीं अधिक आसान और आकर्षक बना दिया है। इन सभी सुविधाओं ने खर्च को न केवल सहज बनाया है, बल्कि उसे एक प्रकार का आनंद भी प्रदान किया है। सोशल मीडिया, विशेषकर इंस्टाग्राम और यूट्यूब, इस प्रवृत्ति को और बल देते हैं। यहां दिखाई देने वाली चमकदार और परफेक्ट जीवनशैली युवाओं के मन में तुलना और आकांक्षा की भावना जगाती है। वे दूसरों की तरह दिखने, घूमने और जीने की चाह में अपने खर्च बढ़ा लेते हैं। डिजिटल दुनिया का यह प्रभाव युवाओं को वर्तमान में अधिक जीने के लिए प्रेरित करता है, जहां तत्काल संतुष्टि को प्राथमिकता दी जाती है। परिणामस्वरूप भविष्य के लिए बचत करने की सोच धीरे-धीरे कमजोर पड़ती जा रही है और 'आज का आनंद' जीवन दर्शन का केंद्र बनता जा रहा है।

ईएमआई संस्कृति और आसान कर्ज का जाल

आज के समय में युवाओं के बढ़ते खर्च के पीछे आसान कर्ज व्यवस्था एक महत्वपूर्ण कारण बनकर उभरी है। ईएमआई, क्रेडिट कार्ड और 'बाय नाउ, पे लेटर' जैसी सुविधाओं ने उपभोग की आदतों को पूरी तरह बदल दिया है। अब किसी महंगे मोबाइल, लैपटॉप, बाइक या यहां तक कि विदेश यात्रा के लिए भी पूरी रकम एक साथ चुकाने की आवश्यकता नहीं रह गई है। कुछ ही क्लिक में वस्तुएं और सेवाएं उपलब्ध हो जाती हैं और भुगतान का बोझ छोटे-छोटे मासिक किस्तों में बंट जाता है। पहले जहां किसी बड़ी खरीद से लोग वर्षों तक बचत करते थे, वहीं अब वही इंतजार असुविधाजनक और अनावश्यक लगने लगा है। हालांकि यह व्यवस्था तत्काल संतोष और सुविधा का एहसास कराती है, लेकिन इसके दीर्घकालिक परिणाम अक्सर चिंताजनक होते हैं। ईएमआई और क्रेडिट कार्ड का लगातार उपयोग धीरे-धीरे कर्ज के जाल में बदल सकता है। कई युवा अपनी मासिक आय का बड़ा हिस्सा केवल किस्तें चुकाने में खर्च कर देते हैं, जिससे रोजमर्रा की जरूरतों और भविष्य की बचत के लिए सीमित धन बचता है। परिणामस्वरूप वास्तविक बचत की क्षमता घटती चली जाती है और आर्थिक असुरक्षा बढ़ने लगती है। आसान कर्ज की यह संस्कृति अल्पकालिक खुशी तो देती है, लेकिन दीर्घकाल में वित्तीय दबाव और असंतुलन को भी जन्म देती है।

पारंपरिक बचत से निवेश की ओर बदलाव

यह मान लेना सही नहीं होगा कि आज की युवा पीढ़ी बचत से पूरी तरह विमुख हो चुकी है। वास्तव में बचत की धारणा ही बदल गई है और उसके साथ बदल गए हैं साधन और प्राथमिकताएं। पारंपरिक बैंक एफडी, आरडी और डाकघर की योजनाएं, जो कभी सुरक्षित भविष्य का भरोसा मानी जाती थीं, अब युवाओं को कम आकर्षक लगने लगी हैं। उनकी जगह म्यूचुअल फंड, शेयर बाजार, स्टार्टअप्स और यहां तक कि क्रिप्टोकरेंसी जैसे नए निवेश विकल्पों ने ले ली है। युवा इन माध्यमों को अधिक रिटर्न देने वाला मानते हैं और तेजी से बढ़ते लाभ की उम्मीद में जोखिम उठाने को भी तैयार रहते हैं।

यह प्रवृत्ति एक ओर उनकी बढ़ती वित्तीय जागरूकता और निवेश के प्रति समझ को दर्शाती है। डिजिटल प्लेटफॉर्म और आसान जानकारी ने युवाओं को बाजार से जोड़ दिया है, जिससे वे पैसे को निष्क्रिय रखने के बजाय उसे 'काम करने' देना चाहते हैं, लेकिन दूसरी ओर यह बदलाव कुछ गंभीर जोखिम भी लेकर आता है। त्वरित लाभ की चाह में दीर्घकालिक स्थिरता और सुरक्षा अक्सर नजरअंदाज कर दी जाती है। शेयर बाजार और क्रिप्टो जैसे निवेश साधन उतार-चढ़ाव से भरे होते हैं, जिनमें अनुभव और धैर्य की कमी नुकसान का कारण बन सकती है। ऐसे में बचत का यह नया रूप संभावनाओं से भरा जरूर है, लेकिन संतुलन और समझदारी के बिना यह आर्थिक अस्थिरता भी पैदा कर सकता है।

सामाजिक दबाव और दिखावे की संस्कृति

आज का समाज सोशल मीडिया के प्रभाव में लगातार तुलना करने की मानसिकता को बढ़ावा दे रहा है, जहां हर व्यक्ति दूसरों के जीवन को देखकर अपने फैसले तय करने लगता है। कौन सा युवा किस ब्रांड के कपड़े पहन रहा है, कौन विदेशी यात्रा पर गया है और कौन किसी महंगे रेस्तरां में भोजन कर रहा है, ऐसी झलकियां सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आम हो गई हैं। इन दिखावटी तस्वीरों और वीडियो का युवाओं की सोच और खर्च करने की आदतों पर गहरा असर पड़ता है। सामाजिक स्वीकृति पाने और अपने स्टेटस को साबित करने की चाह में कई बार वे अपनी वास्तविक आर्थिक क्षमता को नजरअंदाज कर देते हैं और जरूरत से कहीं अधिक खर्च कर बैठते हैं। धीरे-धीरे खर्च करना पहचान और सफलता का प्रतीक बन जाता है, जबकि बचत को पिछड़ेपन या मजबूरी के रूप में देखा जाने लगता है। यह दिखावे की संस्कृति युवाओं को तात्कालिक संतुष्टि की ओर धकेलती है और दीर्घकालीन आर्थिक सुरक्षा के महत्व को कमजोर कर देती है, जिससे बचत गैर-जरूरी लगने लगती है।

शिक्षा, करियर और आत्मनिर्भरता की चुनौती

आज का युवा शिक्षा और करियर को लेकर अभूतपूर्व दबाव का सामना कर रहा है। प्रतिस्पर्धा के इस दौर में बेहतर भविष्य की उम्मीद अच्छी पढ़ाई, महंगी कोचिंग, स्किल डेवलपमेंट कोर्स और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी से जुड़ गई है, जिन पर होने वाला खर्च लगातार बढ़ता जा रहा है। ऐसे में युवा अपनी सीमित आय का बड़ा हिस्सा खुद को बेहतर बनाने में लगा देते हैं। आत्मनिर्भर बनने और तेजी से आगे बढ़ने की चाह उन्हें यह विश्वास दिलाती है कि आज यदि वे खुद पर निवेश करेंगे, तो कल उन्हें उसका बेहतर आर्थिक लाभ मिलेगा। यह सोच पूरी तरह गलत भी नहीं है, क्योंकि ज्ञान और कौशल में किया गया निवेश लंबे समय में अवसरों के द्वार खोलता है, लेकिन जब यह प्रवृत्ति संतुलन खो देती है, तब बचत पूरी तरह हाशिए पर चली जाती है। भविष्य की कमाई के भरोसे वर्तमान में जरूरत से ज्यादा खर्च कई बार आर्थिक असुरक्षा को जन्म देता है, जिससे युवा अनजाने में ही बचत की अहमियत को नजरअंदाज कर बैठते हैं।

पीढ़ियों के बीच सोच का टकराव

बचत और खर्च को लेकर आज परिवारों में पीढ़ियों के बीच स्पष्ट अंतर दिखाई देता है। माता-पिता जहां सुरक्षित भविष्य के लिए पैसे जमा करने की सलाह देते हैं, वहीं युवा इसे पुरानी सोच मानते हैं। यह टकराव केवल आर्थिक नहीं, बल्कि मूल्य आधारित भी है। बुजुर्ग पीढ़ी स्थिरता और सुरक्षा को प्राथमिकता देती है, जबकि युवा स्वतंत्रता और अनुभव को महत्व देते हैं। इस टकराव का समाधान संवाद और समझदारी में ही छिपा है।

खर्च और बचत साथ-साथ

वर्तमान समय में सबसे बड़ी चुनौती खर्च और बचत के बीच संतुलन स्थापित करने की है। पूरी तरह खर्च प्रधान जीवनशैली भले ही तत्काल आनंद देती हो, लेकिन लंबे समय में यह आर्थिक अस्थिरता का कारण बन सकती है। वहीं दूसरी ओर, केवल बचत पर केंद्रित सोच भी आज के तेज रफ्तार और बदलते दौर में पूरी तरह व्यावहारिक नहीं रह गई है। युवाओं के लिए यह समझना आवश्यक है कि भविष्य की सुरक्षा और वर्तमान का सुख एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं, बल्कि सही योजना के साथ दोनों को साथ लेकर चला जा सकता है। नियमित और अनुशासित बचत, आकस्मिक परिस्थितियों के लिए आपातकालीन फंड तथा दीर्घकालिक निवेश भविष्य को सुरक्षित आधार प्रदान करते हैं। इसके साथ ही सीमित, आवश्यक और सोच-समझकर किया गया खर्च जीवन को संतुलित और तनावमुक्त बनाए रखता है। जब युवा अपने खर्चों पर नियंत्रण रखते हुए निवेश और बचत को आदत बना लेते हैं, तब वे न केवल वर्तमान का आनंद ले पाते हैं, बल्कि आत्मविश्वास के साथ भविष्य की ओर भी बढ़ते हैं।

वित्तीय शिक्षा की भूमिका

खर्च और बचत के बीच संतुलन स्थापित करने में वित्तीय शिक्षा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि स्कूल और कॉलेज स्तर से ही युवाओं को पैसे के प्रबंधन, बचत की योजना, निवेश के विकल्पों और कर्ज के सही उपयोग की व्यावहारिक जानकारी दी जाए, तो वे जीवन के शुरुआती चरण से ही समझदारी भरे आर्थिक निर्णय लेना सीख सकते हैं। जब युवा यह जान पाते हैं कि किसी भी छोटे या बड़े खर्च का उनके भविष्य पर क्या दीर्घकालिक प्रभाव पड़ सकता है, तब वे केवल तात्कालिक आकर्षण में बहने के बजाय सोच-समझकर कदम उठाते हैं। वित्तीय साक्षरता उन्हें ईएमआई, क्रेडिट कार्ड और निवेश जैसे साधनों के लाभ और जोखिम दोनों को समझने में सक्षम बनाती है। यह जागरूकता केवल व्यक्तिगत स्तर पर आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित नहीं करती, बल्कि समाज में जिम्मेदार उपभोक्ता और निवेशक भी तैयार करती है। व्यापक स्तर पर देखें, तो वित्तीय रूप से सशक्त नागरिक देश की अर्थव्यवस्था को स्थिरता और मजबूती प्रदान करते हैं, जिससे राष्ट्रीय विकास को भी गति मिलती है।

बदलती बचत की परिभाषा और भविष्य की दिशा

आज के बदलते दौर में बचत की परिभाषा भी व्यापक और आधुनिक रूप ले रही है। अब बचत केवल बैंक खाते में पैसा जमा करने या पारंपरिक योजनाओं तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि इसका दायरा सही निवेश, कौशल विकास और स्वास्थ्य पर किए गए खर्च तक फैल चुका है। युवा पीढ़ी यह समझने लगी है कि अपने ज्ञान, क्षमताओं और शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य में किया गया निवेश भी भविष्य की सुरक्षा का ही एक रूप है। यदि यह निवेश योजनाबद्ध और संतुलित तरीके से किया जाए, तो यह लंबे समय में बेहतर आय और स्थिर जीवन की नींव रख सकता है। हालांकि इसके लिए जरूरी है कि खर्च और बचत के बीच संतुलन बना रहे, ताकि वर्तमान की जरूरतें पूरी हों और भविष्य भी सुरक्षित रहे। जब युवा इस नई सोच को समझदारी के साथ अपनाते हैं, तब यह बदलाव केवल व्यक्तिगत आर्थिक मजबूती तक सीमित नहीं रहता, बल्कि देश के लिए एक मजबूत, आत्मनिर्भर और आधुनिक आर्थिक संस्कृति के निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है।

युवाओं द्वारा बदली जा रही बचत की परंपरा एक व्यापक सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन का संकेत है। यह बदलाव न तो पूरी तरह सही है और न ही पूरी तरह गलत। यह समय की मांग और परिस्थितियों का परिणाम है। जरूरत इस बात की है कि युवा पीढ़ी खर्च की आजादी के साथ-साथ भविष्य की जिम्मेदारी भी समझे। तभी यह नई सोच न केवल व्यक्तिगत जीवन को बेहतर बनाएगी, बल्कि देश की आर्थिक मजबूती में भी योगदान दे सकेगी।

एक्सपर्ट की राय

ताकि बनी रहे आर्थिक स्थिरता

भारत को लंबे समय तक एक बचत-प्रधान देश माना जाता रहा है। भारतीय परिवार परंपरागत रूप से भविष्य की सुरक्षा-जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, विवाह और वृद्धावस्था के लिए आय का एक हिस्सा बचाने को प्राथमिकता देते थे, लेकिन हाल के वर्षों में, विशेषकर युवा पीढ़ी के बीच, इस प्रवृत्ति में स्पष्ट बदलाव देखने को मिल रहा है। यह बदलाव केवल धारणा तक सीमित नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय आंकड़ों और आर्थिक रिपोर्टों में भी परिलक्षित होता है। आर्थिक आंकड़े बताते हैं कि भारत की घरेलू बचत दर में लगातार गिरावट आ रही है। केयरएज रेटिंग्स के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 में घरेलू बचत घटकर जीडीपी का लगभग 18.1 प्रतिशत रह गई। यह पिछले दशकों की तुलना में काफी कम है और यह संकेत देता है कि परिवारों की आय का बड़ा हिस्सा अब उपभोग में जा रहा है।

रिपुदमन सिंह
प्रोफेसर, अर्थशास्त्र

चिंताजनक तथ्य यह है कि शुद्ध वित्तीय बचत-यानी बैंक जमा, नकद और अन्य वित्तीय साधनों में की गई बचत घटकर जीडीपी के लगभग 5 प्रतिशत के आसपास आ गई है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के अनुसार, यह स्तर पिछले लगभग 50 वर्षों में सबसे निचला माना जा रहा है। इसका अर्थ है कि खर्च और कर्ज की तुलना में वास्तविक बचत कमजोर हो रही है। इस बदलाव के पीछे कई कारण हैं। आसान ऋण व्यवस्था, क्रेडिट कार्ड, ईएमआई और 'अभी खरीदें-बाद में भुगतान करें' जैसी सुविधाओं ने खर्च को सरल बना दिया है। इसके साथ ही सोशल मीडिया पर प्रदर्शित भव्य जीवनशैली युवाओं को अधिक उपभोग के लिए प्रेरित कर रही है। परिणामस्वरूप, बचत की जगह तात्कालिक उपभोग को प्राथमिकता मिल रही है। हालांकि तस्वीर पूरी तरह नकारात्मक भी नहीं है। सर्वेक्षणों से पता चलता है कि कई युवा अब भी नियमित रूप से बचत करते हैं और अपनी आय का 20-30 प्रतिशत हिस्सा बचाने या निवेश करने का प्रयास करते हैं। फर्क यह है कि पारंपरिक बचत के बजाय वे अब म्यूचुअल फंड, शेयर बाजार और अन्य निवेश विकल्पों की ओर अधिक झुकाव दिखा रहे हैं। भारत में व्यक्तिगत निवेशकों की संख्या हाल के वर्षों में तेजी से बढ़ी है, जो इस बदलते दृष्टिकोण को दर्शाता है। इस प्रकार समस्या यह नहीं है कि युवा बचत नहीं करना चाहते, बल्कि यह है कि बढ़ता उपभोग और कर्ज बचत की गति से तेज हो गया है। यदि इस प्रवृत्ति के साथ वित्तीय साक्षरता और अनुशासन नहीं जुड़ा, तो भविष्य में आर्थिक असुरक्षा का खतरा बढ़ सकता है। अत: बचत की आदत समाप्त नहीं हो रही, बल्कि बदल रही है। आवश्यकता इस बात की है कि युवा पीढ़ी आधुनिक निवेश के साथ-साथ संतुलित और सुरक्षित बचत की महत्ता को भी समझे, ताकि आर्थिक स्थिरता बनी रह सके।

आज की खुशी और कल की सुरक्षा

मैं आज की युवा पीढ़ी की वित्तीय आदतों को देखता हूं, तो स्पष्ट रूप से महसूस होता है कि बचत और खर्च के प्रति पारंपरिक सोच में बड़ा बदलाव आया है। पहले के भारतीय परिवारों में बचत को केवल आर्थिक अनुशासन नहीं, बल्कि भविष्य की सुरक्षा का आधार माना जाता था। सीमित आय, सामाजिक असुरक्षा और आकस्मिक जरूरतों के कारण माता-पिता अपनी कमाई का बड़ा हिस्सा जमा करने पर जोर देते थे। यह सोच उस समय की परिस्थितियों में पूरी तरह व्यावहारिक और आवश्यक थी। आज का आर्थिक परिदृश्य बिल्कुल अलग है। युवा पीढ़ी यात्रा, गैजेट्स, फिटनेस, ऑनलाइन सब्सक्रिप्शन और लाइफस्टाइल ब्रांड्स पर खुलकर खर्च कर रही है। मैं यह मानता हूं कि पैसा केवल बैंक खाते में जमा रखने के लिए नहीं है, उसका उद्देश्य जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाना भी है। अनुभवों पर खर्च करना, आत्मविकास और स्वास्थ्य में निवेश करना किसी भी तरह से गलत नहीं कहा जा सकता, लेकिन यहीं से चिंता की शुरुआत होती है। आज की नौकरी और आय पहले जैसी स्थिर नहीं रही। निजी क्षेत्र में छंटनी, फ्रीलांस और गिग इकॉनमी तथा तेजी से बदलती तकनीक यह संकेत देती है कि आय की निरंतरता अनिश्चित हो सकती है। ऐसे माहौल में यदि खर्च तो बढ़ता जाए, लेकिन बचत और निवेश की कोई ठोस योजना न हो, तो भविष्य में आर्थिक दबाव पैदा होना तय है। कई बार मैंने देखा है कि अच्छी कमाई करने वाले युवा भी आपातकालीन फंड, स्वास्थ्य बीमा और रिटायरमेंट प्लानिंग को टालते रहते हैं, जो लंबे समय में गंभीर जोखिम बन सकता है। खर्च और बचत को एक-दूसरे का विरोधी नहीं, बल्कि पूरक माना जाना चाहिए। सबसे पहले हर व्यक्ति को अपनी आय का एक निश्चित हिस्सा बचत के लिए अलग करना चाहिए। कम से कम छह महीनों का आपातकालीन फंड, पर्याप्त हेल्थ इंश्योरेंस और एक टर्म इंश्योरेंस आज की जरूरत है, न कि विलासिता। इसके साथ-साथ लंबी अवधि के लिए व्यवस्थित निवेश, जैसे म्यूचुअल फंड या रिटायरमेंट स्कीम, वित्तीय स्थिरता की नींव रखते हैं। साथ ही बची हुई आय को अपने शौक, यात्रा और जीवन के आनंद पर खर्च करना पूरी तरह उचित है। समस्या खर्च करने में नहीं, बल्कि बिना योजना और बिना प्राथमिकता के खर्च करने में है। जब खर्च बजट के भीतर हो और भविष्य सुरक्षित हो, तब वर्तमान का आनंद अपराधबोध नहीं, बल्कि संतुलित जीवन का प्रतीक बन जाता है। अंतत: वित्तीय समझ का अर्थ यह नहीं कि आज को त्याग दिया जाए या केवल कल के लिए जिया जाए। सही सोच वही है, जहां आज की खुशियां और कल की सुरक्षा दोनों साथ चलें। यही संतुलन युवा पीढ़ी को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और मानसिक रूप से निश्चिंत बना सकता है।

सत्य दत्त शुक्ला
चार्टर्ड अकाउंटेंट, लखनऊ

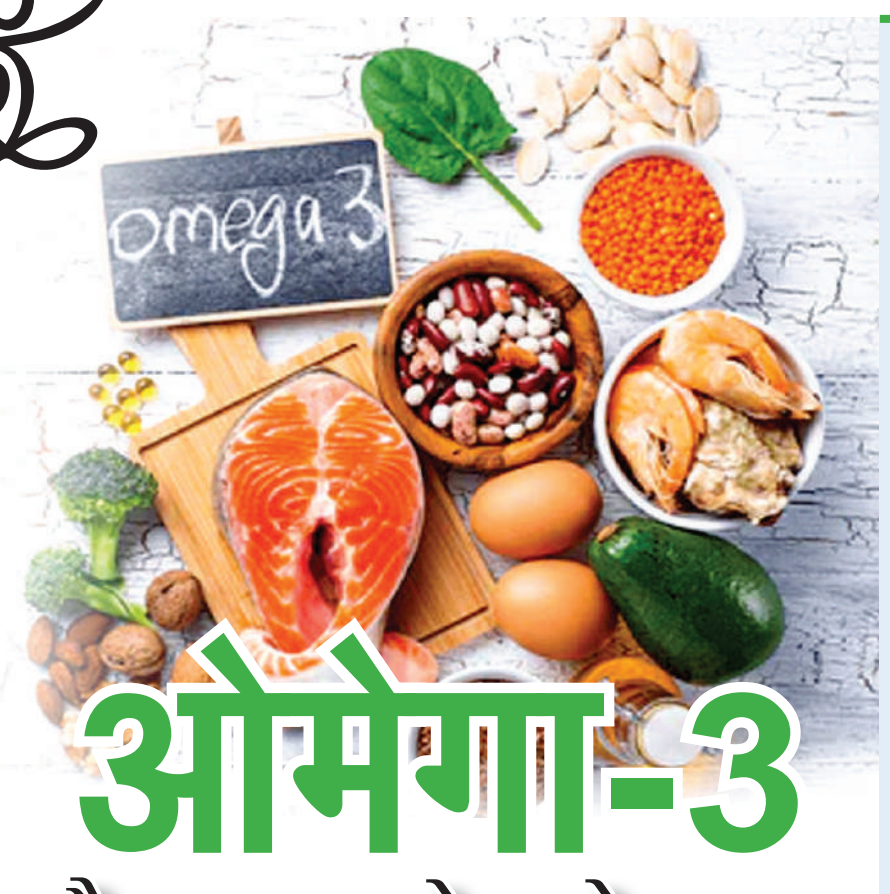

ओमेगा-3

दिल, दिमाग और त्वचा को रखे स्वस्थ

आधुनिक जीवनशैली, असंतुलित आहार, तनाव और शारीरिक श्रम की कमी के कारण आज हृदय रोग, मधुमेह, जोड़ों का दर्द, मानसिक तनाव और स्मृति-दुर्बलता जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। इन सभी स्थितियों में ओमेगा-3 फैटी एसिड को आधुनिक विज्ञान बहुत लाभकारी मानता है। यद्यपि आयुर्वेद में 'ओमेगा-3' शब्द का प्रत्यक्ष उल्लेख नहीं मिलता, परंतु जिन गुणों और कार्यों का वर्णन आधुनिक पोषण विज्ञान करता है, वे आयुर्वेद में स्निग्ध, मेध्य, बल्य और वातशामक तत्वों के रूप में पहले से वर्णित हैं। आयुर्वेद के अनुसार शरीर में वात, पित्त और कफ-इन तीनों दोषों का संतुलन ही स्वास्थ्य का मूल आधार है। ओमेगा-3 में स्निग्ध और गुरु गुण पाए जाते हैं, जो विशेष रूप से वात दोष को शांत करने में सहायक होते हैं। वात दोष की वृद्धि से जोड़ों में दर्द, मानसिक अस्थिरता, अनिद्रा और त्वचा की रूखापन जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। ओमेगा-3 इन लक्षणों को कम कर शरीर में स्थिरता और पोषण प्रदान करता है।

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हम अक्सर अपनी डाइट को नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन कुछ पोषक तत्व ऐसे हैं, जो हमारे शरीर के लिए अनिवार्य हैं और इन्हें आहार से ही प्राप्त करना पड़ता है। इन्हीं में प्रमुख है ओमेगा-3 फैटी एसिड। यह एक प्रकार की स्वस्थ वसा है, जो शरीर में स्वयं नहीं बनती। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि ओमेगा-3 हमारे हृदय, मस्तिष्क, त्वचा और हार्मोनल संतुलन के लिए अत्यंत आवश्यक है। भारतीय आयुर्वेदिक ग्रंथों में वसा के महत्व को रेखांकित किया गया है। आयुर्वेद में इसे 'स्निग्ध' गुण वाली वसा कहा जाता है, जो शरीर को बल, चमक और मानसिक स्थिरता प्रदान करती है। यदि हम रोजाना आहार से ओमेगा-3 नहीं लेंगे, तो सूजन, थकान, डिप्रेशन और हृदय रोग जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। आज हम ओमेगा-3 पर विस्तार से चर्चा करेंगे, खासकर शाकाहारी लोगों के लिए इसके तीन मुख्य प्रकार होते हैं।

- ALA (अल्फा-लिनोलेनिक एसिड)
- EPA (ईकोसापेंटेनोइक एसिड)
- DHA (डोकोसाहेक्सेनोइक एसिड)

ALA मुख्यतः पौधों से प्राप्त होता है, जबकि EPA और DHA सामान्यतः मछली तेल में पाए जाते हैं। हालांकि शाकाहारी लोगों को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि मानव शरीर ALA को आवश्यकता अनुसार EPA और DHA में परिवर्तित कर सकता है। भारतीय संदर्भ में ओमेगा-3 के शाकाहारी स्रोत आसानी से उपलब्ध हैं। अलसी (फ्लैक्ससीड्स), अखरोट, चिया सीड्स, भांग के बीज (हेम्प सीड्स) तथा सरसों के बीज या तेल ओमेगा-3 के उत्कृष्ट स्रोत माने जाते हैं। एक चम्मच पिसी हुई अलसी में लगभग 2.5 ग्राम ALA पाया जाता है, जो दैनिक आवश्यकता का बड़ा भाग पूरा कर देता है। वयस्कों के लिए प्रतिदिन 1.1 से 1.6 ग्राम ALA पर्याप्त माना जाता है। यदि रोजाना इन बीजों का केवल एक चम्मच भी आहार में शामिल किया जाए, तो यह हृदय, मस्तिष्क और संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकता है।

हृदय के लिए ओमेगा-3 का महत्व

हृदय स्वास्थ्य के लिए ओमेगा-3 का महत्व अतुलनीय है। यह खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करता है, अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाता है और रक्त वाहिकाओं को लचीला बनाए रखता है, जो लोग नियमित रूप से ओमेगा-3 युक्त आहार लेते हैं, उनमें हार्ट अटैक का खतरा 30 प्रतिशत तक कम हो जाता है। आयुर्वेद में इसे 'हृदय को मजबूत करने वाला' कहा गया है। सरसों का तेल, जो उत्तर भारत में आम है, इसमें ओमेगा-3 के साथ-साथ एंटीऑक्सीडेंट्स भी भरपूर हैं। यदि आप हाई ब्लड प्रेशर या अनियमित दिल की धड़कन से ग्रस्त हैं, तो अलसी या चिया को दही में मिलाकर खाएं। इससे ट्राइग्लिसराइड्स लेवल भी संतुलित रहता है।

मस्तिष्क और मानसिक स्वास्थ्य

मस्तिष्क और मानसिक स्वास्थ्य पर ओमेगा-3 का प्रभाव गहरा है। DHA मस्तिष्क का 60 प्रतिशत हिस्सा बनाता है और स्मृति, एकाग्रता बढ़ाता है। बच्चों में ADHD (अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर) और वयस्कों में डिप्रेशन को कम करने में यह सहायक है। ओमेगा-3 की कमी से अल्जाइमर जैसी बीमारियां हो सकती हैं। योग और प्राणायाम करने वालों के लिए यह और भी जरूरी है, क्योंकि यह मानसिक स्थिरता प्रदान करता है। अखरोट को 'ब्रेन फूड' कहा जाता है, इसमें ओमेगा-3 के साथ विटामिन-ई भी है, जो न्यूरॉन्स को सुरक्षित रखता है। रोजाना 4-5 अखरोट खाने से दिमाग तेज रहता है और तनाव कम होता है। आयुर्वेदिक दृष्टि से, यह 'मेध्या रसायन' (मस्तिष्क tonic) का काम करता है।

त्वचा की चमक और स्वास्थ्य

त्वचा की चमक और स्वास्थ्य के लिए ओमेगा-3 एक वरदान है। यह सूजन कम करता है, जिससे मुंहासे, एक्जिमा और शुष्कता जैसी समस्याएं दूर होती हैं। कोलेजन उत्पादन बढ़ाकर झुर्रियां रोकता है। एक अध्ययन में देखा गया कि ओमेगा-3 सप्लीमेंट लेने वाली महिलाओं की त्वचा 20 प्रतिशत अधिक हाइड्रेटेड हो गई। चिया सीड्स को पानी में भिगोकर जेल बनाएं और फेस मास्क में लगाएं, यह प्राकृतिक मॉइस्चराइजर है। भांग के बीज त्वचा को कोमल बनाते हैं और बालों की जड़ों को मजबूत करते हैं। सरसों का तेल मालिश करने से त्वचा चिकनी और चमकदार हो जाती है। शुष्क मौसम में यह विशेष रूप से उपयोगी है।

वात दोष की वृद्धि से गठिया, सर्वाइकल, कमर दर्द और जोड़ों की जकड़न जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। ओमेगा-3 का स्निग्ध गुण शुष्कता को दूर कर सूजन और दर्द को कम करता है। आयुर्वेदिक चिकित्सा में इसे वातशामक आहार के रूप में स्वीकार किया जा सकता है, जिससे दीर्घकालीन वात रोगों में राहत मिलती है।

हार्मोन संतुलन में भूमिका

हार्मोन संतुलन में ओमेगा-3 की भूमिका महत्वपूर्ण है। महिलाओं में पीएमएस (प्रीमेंस्ट्रुअल सिंड्रोम) के लक्षणों को कम करता है, पुरुषों में टेस्टोस्टेरोन को संतुलित रखता है। थायरॉइड ग्रंथि को स्वस्थ रखकर वजन नियंत्रण में मदद करता है। आयुर्वेद में इसे 'वात-पित्त शामक' माना जाता है। मेनोपॉज के दौरान हॉट फ्लैशेस कम करने के लिए अलसी का सेवन आदर्श है।

अब बात करते हैं शाकाहारी स्रोतों के व्यावहारिक उपयोग की। भारतीय शाकाहारी आहार में ओमेगा-3 प्रचुर है। मुख्य स्रोत:

- अलसी के बीज (Flaxseeds): सबसे समृद्ध, 1 चम्मच में 2.3 ग्राम ALA पीसकर लें, क्योंकि पूरा बीज पचता नहीं। दही, स्मूदी या रोटी में मिलाएं।
- अखरोट (Walnuts): 1 मुट्ठी, भिगोकर खाएं।
- चिया सीड्स (Chia Seeds): 1 चम्मच (2 ग्राम), पानी में भिगोकर, फाइबर भी मिलता है।

- भांग के बीज (Hemp Seeds): 3 ग्राम, सलाद में छिड़कें।
- सरसों का तेल (Mustard Oil): ठंडा पिसा कच्चा तेल 1 चम्मच में (1 ग्राम) सब्जी में इस्तेमाल करें, पाचन सुधारता है।
- अन्य: मेथी दाना, सोयाबीन, कद्दू के बीज। रोजाना 1-2 चम्मच पर्याप्त।
- रोजाना एक चम्मच ओमेगा-3 बड़ा फर्क लाता है, लेकिन सही तरीके से लें।
- अलसी: हमेशा पीसकर लें। ज्यादा न लें (2 चम्मच max), वरना हार्मोन असंतुलन।
- तेल: सरसों का तेल कच्चा या कम गर्म करें।

प्राणायाम से पहले लें ओमेगा-3

कुछ लोगों को बीजों से गैस या अपच हो सकती है। ऐसे में अजवाइन और काली मिर्च के साथ लें। एक चुटकी अजवाइन पाउडर और काली मिर्च मिलाकर हल्का गर्म पानी से लें। अलसी को घी में भूनकर खाएं। गर्भवती महिलाएं चिकित्सक से सलाह लें। किडनी या पित्त समस्या वाले सीमित मात्रा में लें। शुद्धता सुनिश्चित करें, बाजार के बीज कीटनाशक रहित चुनें।

पंचकर्म में तेल मालिश (अभ्यंग) में सरसों तेल ओमेगा-3 देता है। नियमित सेवन से 'ओज' (प्रतिरक्षा) बढ़ता है। श्लोक: "स्नेह: शरीरस्य बलप्रद:"- वसा शरीर को शक्ति देती है।

ओमेगा-3 न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक शक्ति भी देता है। योग साधकों के लिए यह प्राणायाम में सहायक है, क्योंकि यह ऑक्सीजन सप्लाई सुधारता है। स्वस्थ वसा शरीर को चमकदार बनाती है, थकान दूर करती है।

ओमेगा-3 को आहार में शामिल करना सरल, लेकिन प्रभावी कदम है। रोजाना एक चम्मच से शुरुआत करें। इससे दिल मजबूत, दिमाग तेज, त्वचा सुंदर और हार्मोन संतुलित रहेंगे। ये शरीर में सूजन कम करते हैं, कोशिकाओं की झिल्ली को लचीला बनाते हैं और हार्मोन संतुलन बनाए रखते हैं। दिल, दिमाग, त्वचा और हार्मोन संतुलन के लिए बहुत अहम। स्वस्थ वसा शरीर को शक्ति, चमक और मानसिक स्थिरता देती है।

आयुर्वेद में कहा गया है कि प्रत्येक पदार्थ का सेवन व्यक्ति की प्रकृति, अग्नि और ऋतु के अनुसार होना चाहिए। अत्यधिक कफ प्रकृति वाले व्यक्तियों तथा मंदाग्नि से ग्रसित लोगों को इसका सीमित सेवन करना चाहिए। किसी भी पदार्थ का अतियोग हानिकारक हो सकता है। चिकित्सक की सलाह से ही सेवन करना लाभप्रद है। संतुलित मात्रा और उचित विधि से सेवन करने पर ओमेगा-3 शरीर, मन और बुद्धि-तीनों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होता है।

रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय, बरेली में आयुर्वेदिक सिद्धांतों के अनुसार पोषण, जीवनशैली एवं रोग निवारण पर विशेष बल दिया जाता है। यहां हृदय रोग, वात विकार, मानसिक रोग, त्वचा रोग एवं स्त्री रोगों के उपचार में संतुलित आहार, रसायन चिकित्सा, पंचकर्म एवं आयुर्वेदिक परामर्श के माध्यम से ओमेगा-3 युक्त आहार की वैज्ञानिक एवं आयुर्वेदिक उपयोगिता पर रोगियों को जागरूक किया जाता है।

टू-डू लिस्ट: सफल दिन की कुंजी

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में हर व्यक्ति अनेक जिम्मेदारियों और कामों के बीच घिरा रहता है। घर, दफ्तर, पढ़ाई और सामाजिक दायित्वों के बीच संतुलन बनाते-बनाते कई बार जरूरी काम या तो भूल जाते हैं या समय पर पूरे नहीं हो पाते। अक्सर हमें लगता है कि सभी काम याद हैं, लेकिन ऐन वक्त पर कोई महत्वपूर्ण कार्य दिमाग से निकल जाता है। टालमटोल की आदत और कामों की अधिकता हमारी कार्यक्षमता को प्रभावित करती है, जिसका परिणाम तनाव, चिंता और आत्मग्लानि के रूप में सामने आता है।

इंदु सिंह
लेखिका

कई बार किसी काम का अधूरा रह जाना उतना समस्या नहीं बनता, जितना उसकी समय-सीमा का निकल जाना। समय रहते कार्य पूरा न हो पाने पर स्थिति और भी कठिन हो जाती है। यही कारण है कि लोगों को अपने कार्यों को व्यवस्थित ढंग से करने की आवश्यकता महसूस होती है, ताकि कोई भी जरूरी काम छूटे नहीं और समय का सही उपयोग हो सके। इसी आवश्यकता से 'टू-डू लिस्ट' की अवधारणा सामने आती है, जो न केवल कामों को क्रमबद्ध करती है, बल्कि व्यक्ति को अनुशासित और लक्ष्य के प्रति सजग भी बनाती है।

टालमटोल की आदत और उसका नुकसान

कई बार काम की अवधि या नियत तिथि देखकर व्यक्ति यह सोचकर उसे टाल देता है कि अभी तो बहुत समय बाकी है, इसे कभी भी कर लेंगे। लेकिन एक दिन ऐसा आता है जब उसे पूरा करने के लिए समय ही नहीं बचता। इसी तरह, जब काम बहुत अधिक हो जाते हैं तो व्यक्ति यह तय नहीं कर पाता कि कौन-सा काम पहले करना चाहिए। नतीजतन, वह जरूरी कामों को बाद के लिए छोड़ देता है और कम महत्वपूर्ण काम पहले निपटा देता है। इस अव्यवस्था के कारण व्यक्ति बार-बार अपनी ही गलतियों से परेशान होता रहता है।

लिस्ट से मिलती है संतुष्टि

जब हम सूची बनाकर काम करते हैं और वे कार्य पूरे हो जाते हैं, तो ऐसा महसूस होता है मानो हमने कोई लक्ष्य हासिल कर लिया हो। यह आदत हमें अधिक सुव्यवस्थित, सक्रिय और जिम्मेदार बनाती है। इसकी वजह से न केवल हमारे काम समय पर पूरे होते हैं, बल्कि किसी काम के छूट जाने या अधूरे रह जाने की चिंता भी नहीं रहती।

डिजिटल साधनों की समझदारी

आज मोबाइल और डिजिटल तकनीक के दौर में अपने कामों की सूची मोबाइल में भी बनाई जा सकती है। इसके लिए रिमाइंडर सेट किए जा सकते हैं, जो निश्चित समय पर हमें काम की याद दिलाते हैं। आजकल ऐसे कई ऐप उपलब्ध हैं, जिनमें आप अपनी टू-डू लिस्ट बनाकर प्रत्येक काम के लिए डेडलाइन तय कर सकते हैं। ये ऐप न केवल नोटिफिकेशन भेजते हैं, बल्कि समय-समय पर अलर्ट देकर हमें सतर्क भी रखते हैं।

समाधान: टू-डू लिस्ट बनाने की आदत

इन सभी समस्याओं से बचने का सबसे सरल और कारगर उपाय है। अपने सभी जरूरी कामों की एक सूची (टू-डू लिस्ट) बनाना और क्रमबद्ध तरीके से उन्हें पूरा करना। जब व्यक्ति अपने कामों की सूची बनाकर कार्य करता है, तो अधिकांश काम तय समय के भीतर पूरे हो जाते हैं। हर व्यक्ति को अपने प्रतिदिन के जरूरी कार्यों की एक सूची बनाकर अपने पास रखनी चाहिए और जैसे-जैसे काम पूरे होते जाएं, उन्हें चिन्हित करते जाना चाहिए। ऐसा करने में भी एक अलग ही संतोष और खुशी मिलती है।

नियमित अभ्यास से बनेगी आदत

जो लोग काम अधूरे रह जाने, भूल जाने या समय निकल जाने से परेशान रहते हैं, उन्हें अपने जीवन में इस आदत को अवश्य अपनाना चाहिए। प्रतिदिन के कामों को सुबह, दोपहर, शाम और तारीख के अनुसार अलग-अलग दर्ज करना चाहिए, ताकि उन्हें तय समय पर किया जा सके। जब यह आदत जीवन का हिस्सा बन जाती है, तो धीरे-धीरे काम करने की शैली भी बदल जाती है।

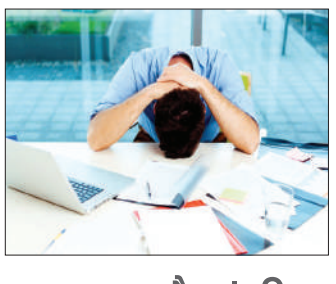

तनावमुक्त और संतुलित जीवन की ओर

टू-डू लिस्ट के साथ काम करने से सभी कार्य समय पर पूरे होते हैं, जिससे अनावश्यक तनाव, दबाव और चिंता से मुक्ति मिलती है। साथ ही समय की बर्बादी भी रुकती है और जीवन अधिक संतुलित व व्यवस्थित बनता है।

साप्ताहिक राशिफल

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष
यह सप्ताह आपके लिए अच्छा रहेगा और आपको भाग्य का समर्थन मिलेगा। जीवन में सुख की वृद्धि होगी एवं बेहतर ढंग से आगे बढ़ने के मौके मिलेंगे। सभी कार्य सफल होंगे एवं वाहन सुख की प्राप्ति होगी। सप्ताह के अंतिम दिनों में पिता सहयोग करेंगे एवं किसी विशेष कार्य के बनने से खुशी होगी।

वृष
यह सप्ताह स्वास्थ्य के दृष्टि से प्रतिकूल बना हुआ है। स्वास्थ्य में गिरावट हो सकती है। संतान पक्ष से परेशानियां बढ़ सकती है। मानसिक तनाव हो सकता है। सप्ताह के अंतिम दिनों में अचानक धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े लोगों को पदोन्नति और स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं।

मिथुन
इस सप्ताह आपकी आय में वृद्धि होगी और पराक्रम श्रेष्ठ बना रहेगा एवं भाइयों से सहयोग प्राप्त होगा। आपके कार्य सफल होंगे। आपके घर में मेहमानों का आगमन होंगा। सहयोग की प्राप्ति होगी एवं अचानक यात्रा का योग बन सकता है। आय कमजोर होगी एवं व्यय की अधिकता होगी।

कर्क
इस सप्ताह की शुरुआत में कार्यों में सुधार होगा एवं आय बढ़ेगी। आशाजनक समाचार ज्ञात होगा। आपके कार्यक्षेत्र का विस्तार होगा एवं नौकरी में बेहतर माहौल बना रहेगा। सेहत से जुड़ी कुछ परेशानियां हो सकती हैं, लेकिन वैवाहिक जीवन सुखमय होगा। परिवार का साथ मिलेगा।

सिंह
इस सप्ताह पूर्व में किए गए धन निवेश का लाभ मिलेगा, आप लंबे समय से अगर कोई काम करना चाहते हैं, तो वो पूरा हो जाएगा। शिक्षा में आ रही पूर्व की सभी समस्याएं, जिससे आप अपनी शिक्षा के क्षेत्र में, अच्छा मुकाम प्राप्त करेंगे और आप इससे अच्छे परिणामों की प्राप्ति करेंगे, क्योंकि इस समय आपका मन सहज रूप से अपनी शिक्षा के प्रति झुकाव महसूस करेगा।

कन्या
इस सप्ताह आपको धन लाभ होगा, इससे आपके परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। कार्यक्षेत्र में कुछ ऐसी बातें होंगी, जिनसे आप अभी तक अंजान थे। इस सप्ताह के दौरान प्राप्त लाभ को मजबूत करने और कुछ नया शुरू करते हुए, आप आगामी समय के लिए मजबूत नींव और रणनीति तैयार कर सही निर्णय लेते नजर आएंगे।

तुला
इस सप्ताह भाग्य उन्नति के शुभ अवसर बन रहे हैं, जो काम पिछले काफी समय से रुका हुआ या अटका हुआ था, उसे पूरा करने का समय आ गया है। नौकरी और व्यवसाय में आपके परिश्रम का फल मिलता दिख रहा है। विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षा का परिणाम उनके पक्ष में मिलेगा, सिर्फ अधिक मेहनत करने की जरूरत है।

वृश्चिक
इस सप्ताह आपका भाग्य साथ देगा। किसी नई जगह पर जाने का मौका मिलेगा। कार्यक्षेत्र में अपना वर्चस्व कायम रखने में सफल होंगे। परिवार का साथ मिलेगा एवं आय में सुधार आएगा। आपका कारोबार सामान्य से अच्छा रहेगा। मित्रों से सहयोग प्राप्त होगा। सेहत से जुड़ी कुछ समस्याएं हो सकती हैं।

धनु
इस सप्ताह अपनों से सहयोग की अपेक्षाएं पूर्ण होंगी। नए कार्य की ओर अग्रसर होंगे एवं योजनाएं सफल होंगी। ऋण संबंधी मामलों में सुधार रहेगा। आपको भाईयों से सहयोग प्राप्त होगा एवं आय में वृद्धि होगी एवं कार्य की अधिकता भी बनी रहेगी। नौकरी की तलाश पूरी होगी एवं व्यापार में उन्नति से रास्ते प्राप्त होंगे।

मकर
इस सप्ताह परिवार से सहयोग प्राप्त होगा। आय में वृद्धि के साथ सहयोग की प्राप्ति होगी। स्थाई रूप से धन में वृद्धि होगी। आपको शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी। आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। भाइयों से सहयोग प्राप्त होगा। कार्यों में सफलता की प्राप्ति होगी। परिवार के साथ भ्रमण पर जाने का मौका मिलेगा। आपकी नौकरी आराम में चलती रहेगी।

कुंभ
इस सप्ताह आपकी आय में वृद्धि के साथ सहयोग की प्राप्ति होगी एवं विघ्न समाप्त होंगे। आर्थिक दृष्टिकोण से समय कुछ आपके लिए अनुकूल रहेगा। आपके व्यापार संचालन में कुछ बाधा आ सकती है। नौकरी में सामान्य स्थिति बनी रहेगी। शिक्षा में मेहनत का परिणाम अच्छा मिलेगा। वैवाहिक जीवन में संतुलन बना रहेगा।

मीन
इस सप्ताह आपकी यात्राएं सुखद होंगी एवं पुराने परिचितों से मुलाकात होगी। नवीन वस्त्राभूषणों की प्राप्ति होगी। धार्मिक कार्यों में जाने का मौका मिलेगा। सप्ताह के मध्य में अनावश्यक कार्यों में धन खर्च होगा। विरोधी सक्रिय रहेंगे। सेहत से जुड़ी कुछ समस्याएं हो सकती हैं। प्रेम के मामले में साथी से सहयोग मिलेगा एवं जीवनसाथी से खुशी की प्राप्ति होंगी।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त कर ने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 44

	4	7			3	27		
3			4	4 11				
22							11	16
	6				23 10			
	4	10	28 11					
17						6	18	
7				7 3				16
		23						
		4				17		

काकुरो 43 का हल

			4	17				
		8 18	1	7	18			
	15 11	1	3	2	9	15		
5	3	2	24	8	7	9	30	23
16	7	9	10	25 18	2	6	8	9
24	1	6	8	9	21	14	6	8
		18	2	7	9	13 3	7	6
			17	2	5	1	9	
				9	7	2		

कहानी

सपने और साहस

"मिठू अरी ओ मिठू" कहां गई? न जाने कहां भागी रहती है यह लड़की भी, किरण क्या तुमने मिठू को देखा? "सुरिंद्र ने झल्लाते हुए अपनी पत्नी से पूछा"। "आप, क्यों इतना मिठू के पीछे पड़े रहते हैं? आखिर, एक ही तो बेटी है हमारी और वैसे भी, बच्ची ही तो है अभी वो गई होगी कहीं खेलने।"

"हां-हां, पूरे 12 साल की हो गई है मिठू और तुम उसे बच्ची कहती हो?" सुरिंद्र गुस्से में बोला। "घर का चूल्हा-चौका अच्छे से सिखाना शुरू करो अब इसे, कहीं नाक न कटाए हमारी पराए घर जाकर। हां! आज से मैं उसे खेतों में भी लेकर जाऊंगा। न जाने खेतों में कब हाथ बंटाना शुरू करेगी? खैर, तुम देखो उसे अंदर और मैं पशुओं को पानी पिलाकर आता हूं।" सुरिंद्र अपनी गौशाला की ओर बढ़ा और गौशाला में घुसते ही उसने देखा, "अरे मिठू तू यहां क्या कर रही है? और मुझे देखकर तूने पीछे क्या छिपाया यह दिखा मुझे?" यह क्या है?

"बाबू जी, किताब है। वो, नीतू दीदी के घर से लाई थी पढ़ने के लिए तो।" "तो अब तुझे, घर का काम और घर की खेती, यह किताबें सिखाएंगी? पिछले दो साल से समझा रहा तुझे कि यह किताबें कुछ नहीं देंगी। बंदकर यह किताब पढ़ना और आज मेरे साथ चलकर खेती सीख। और अगर दोबारा यह किताब मेरे घर में मुझे दिखी, तो मुझसे बुरा कोई नहीं होगा, सुन लिया?" "जी, बाबू जी..!" इतना कहकर मिठू ने वह किताब, वहीं गौशाला में एक किनारे छुपा दी और बाबू जी को गौर से देखने लगी। "अब खड़ी-खड़ी मेरी शक्ल क्या देख रही जा, बैलों को खेतों में ले जा, मैं कुछ देर बाद आया।" "जी बाबू जी।"

शिवालिक अवस्थी
युवा लेखक

उस दिन मिठू ने, अपने बाबू जी से खेती का बहुत काम सीखा, लेकिन रात को अचानक उनका एक बैल बीमार पड़ गया। मिठू अपने बाबू जी के साथ अंधेरे में ही, पास के दूसरे गांव के पशु औषधालय में बैल को लेकर पहुंच गई। आपातकालीन ड्यूटी में तैनात डॉक्टर ने बैल को टीका लगाया और घर ले जाने को कह दिया।

यह सब कुछ मिठू ने बहुत गहनता से देखा और रास्ते में लौटते वक्त अपने बाबू जी से पूछने लगी कि "हमारे गांव में पशु औषधालय क्यों नहीं है? हमारे गांव के कितने बीमार पशुओं को रोजाना इतना सफर करके यहां आना पड़ता है?" मिठू के बाबू जी ने कहा, "कह तो तुम ठीक रही हो बेटी, लेकिन इन सुख-सुविधाओं के लिए भला कौन पैरवी करेगा हमारे गांव की?" खैर, "घर आ गया है, छोड़ इन बातों को।"

अगले दिन मिठू ने घर का काम निपटाकर अपनी नीतू दीदी के घर जाने के लिए अपने बाबू जी से कहा, "बाबू जी, नीतू दीदी के घरवाले कुछ दिनों के लिए शहर जा रहे हैं, तो दीदी ने मुझे वहीं रहने को बोला है।" तो मैं रह लूं दीदी के घर? हां, पर पहले तेरी मां,नीतू के घर जाकर पूरा पता करेगी, तभी भेजूंगा, ऐसे नहीं। यह सुन मिठू डर गई और अपनी मां के पास जाकर हिचकिचाती हुई कहने लगी, "मां वो मैंने बाबू जी से झूठ कहा था, दरअसल मैं नीतू दीदी के घर पढ़ने जाया करती हूं।" "अरे वाह!"

यह सुन, मिठू की मां बहुत खुश हुई और मिठू से कहने लगी, "तू अपने बाबू जी से छुपा तो रही है, लेकिन जिस दिन इन्हें पता लगा न, तो तेरी और मेरी, हम दोनों की खैर नहीं। फिर भी तू जा, मैं संभाल लूंगी सब।"

अपनी मां की बात सुन, मिठू अपनी दीदी के घर जा पहुंची। मिठू ने किताबें पढ़ते हुए बहुत कुछ सीख लिया था। कुछ दिनों बाद, गांव में एक सरकारी संस्था, बच्चों के "मानसिक विकास" के सर्वेक्षण के लिए आई। यह जानने के लिए संस्था ने घर-घर जाकर, बच्चों के ज्ञान की परख की। शाम तक संस्था ने, भरी सभा में ऐलान किया कि इस गांव से हमने मिठू नाम की लड़की का चयन किया है, जिसे आगे की पढ़ाई में हमारी संस्था पूरा सहयोग करेगी। यह सुन, सभी हैरान भी हुए और खुश भी, लेकिन सुरिंद्र यह सब सुनकर बहुत उदास हुआ और थोड़ी देर बाद उसने भरी सभा में मिठू को पढ़ाई करवाने के लिए साफ मनाकर दिया।

सुरिंद्र ने कहा, "मेरी बेटी अगर स्कूल जाएगी तो घर और खेती का काम कैसे सीखेगी? कल को शादी होगी, किस मुंह से और क्या कहकर अपनी बेटी की शादी करूंगा? सारी उम्र मैं इसका खर्चा नहीं उठा सकता। ऊपर से स्कूल भी यहां से पांच किलोमीटर दूर है, कैसे जाएगी मेरी बेटी? लेकिन आप सबको इन बातों से क्या मतलब? आप तो आए, सर्वेक्षण किया और अपना काम निपटाकर, दूसरे के घर में आग लगाकर चल दिए।"

संस्था के सभी अधिकारी बड़ी गौर से सुरिंद्र को सुन रहे थे। सुरिंद्र की बात खत्म होने पर एक महिला अधिकारी उठीं और सुरिंद्र से कहने लगी, "हमने आपकी सारी बातें सुनी।"अब अगर मैं आपसे यह कहूं कि आपसे एक रुपये भी खर्चा नहीं लिया जाएगा और खेती में भी आपकी बेटी आपका सहयोग करेगी। इसके साथ-साथ आपकी बेटी की सारी जिम्मेदारी हमारी होगी, तो क्या कहेंगे?" यह सब कुछ, महिला अधिकारी, पास बैठी मिठू के आंखों में सजे, हसीन सपने देखकर कह रही थी, जिन्हें वह बखूबी समझ रही थी।

सुरिंद्र फिर भी चुप रहा और सभी गांव वाले सुरिंद्र को समझाने में लग गए। गांव के लोगों द्वारा समझाने पर सुरिंद्र अपनी बेटी को पढ़ाने के लिए तैयार हो गया। यह सुन सुरिंद्र की पत्नी किरण भी बहुत खुश हुई और मिठू का तो मानो सपना पूरा हो रहा हो।

सभी ने मिठू को बधाई दी और उस महिला अधिकारी ने उसे कुछ कहने के लिए कहा! मिठू ज्यादा तो नहीं बोली, लेकिन इतना जरूर कहा कि "मैडम जी, मेरा मिठू नाम तो घर का नाम है, असली नाम तो साक्षी है।" यह सुनकर सभी हंस पड़े। अगले दिन से ही, रोज मिठू को स्कूल ले जाने के लिए संस्था की गाड़ी आने लगी। समय बीतता गया। मिठू पढ़ाई के साथ-साथ घर का काम भी करती और अपने बाबू जी से खेती की जानकारी लेकर, खेती में भी हाथ बंटवा दिया करती। कुछ सालों बाद, आज, वही महिला अधिकारी, अपनी संस्था की टीम के साथ, फिर से मिठू के गांव आती है।

कार्यक्रम में सभी गांव वालों की उपस्थिति में, महिला अधिकारी सभी को संबोधित करती हुई कहती हैं, "आज से आपके गांव को एक नया मुकाम हासिल हुआ है और अब आपके गांव में कृषि के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य शुरू किए जा सकेंगे।"

इतना कहने पर महिला अधिकारी ने सभा में बैठी मिठू को मंच पर बुलाया और सबके सामने उसकी पीठ थपथपाती हुई कहने लगीं, आपके गांव की बेटी "साक्षी", ओह! मतलब मिठू अब "कृषि विशेषज्ञ" बन चुकी है। अब कृषि क्षेत्र के हर कार्य में आपकी मिठू आपके गांव का नाम बहुत ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी। लड़की घर का काम करेगी, ज्यादा नहीं पढ़ेगी, भला ऐसी सोच रख कर, कैसे हमारा समाज, हमारा देश आगे बढ़ेगा? हमारे देश को आगे बढ़ाने के लिए हर किसी का शिक्षित होना बेहद जरूरी है। अब साक्षी, आपके गांव की प्रेरणा बन चुकी है। आज साक्षी पढ़ी, तो आगे बढ़ी। कल कोई और साक्षी पढ़ेगी, तो वो भी आगे बढ़ेगी। ऐसे करते-करते जब सारा इंडिया पढ़ेगा, तभी तो साथ में आगे बढ़ेगा इंडिया।"

मिठू को इतना सम्मान मिलते देख मिठू के बाबू जी की आंखें भर आईं। उन्होंने संस्था की अधिकारी से माफी मांगते हुए उनका धन्यवाद किया। धीरे-धीरे साक्षी उर्फ मिठू ने, कृषि के क्षेत्र में उपज को बढ़ावा देना, ट्यूब-वेल लगवाना आदि कई नए आयाम स्थापित कर अपने गांव का नाम रोशन कर दिखाया और सबसे पहले गांव में पशु औषधालय खुलवाया, जिससे पशुओं को दिखाने के लिए गांव वालों को अन्य गांव में लेकर न जाना पड़े, इसके साथ ही मिठू ने गांव में अन्य सुविधाओं की शुरुआत भी कर दिखाई। इसीलिए तो कहते हैं, "पढ़ेगा इंडिया, तभी तो बढ़ेगा इंडिया।"

काव्य

तेरी तस्वीर

तेरी सूरत से बेहतर है,तेरी तस्वीर ओ जाना।
तू मेरा हो नहीं सकता, ये मैंने आज है माना।
मेरी किस्मत है परछाई, सदा पीछे ही चलती है,
तू कलरव भोर का प्रियतम,
बनी मैं सांझ का गाना।
गगन में चांद को एकटक,
निहारूं मैं चकोरी-सी,
हंसे वो रात भर पगला, मगर
पहलू में कब आना।
हसीं थी रात तारों की, तेरी
यादों के किस्से थे,
शमां थी रात भर तन्हा, मगर
लौट न परवाना।
तू मुझसे दूर ही रहना, कभी
भी पास मत आना,
तेरा अहसास काफी है, मेरे दिलबर मेरे जाना।
जमी और आसमां का कब,
मिलन होता जमाने में,
मेरी सबसे बडी दौलत, तेरी
उलफत का नजराना।

नरेन्द्र सिंह 'नीहार'
वरिष्ठ साहित्यकार

हिंदी की शपथ

शपथ है हिंदी में,हिंदी की,
जो कुछ कहूंगा,सच्चे अंदाज में कहूंगा
मदिरापान करते हुए मेला लगाऊंगा, निषिद्धताओं पर भूरे-भूरे प्रवचन दूंगा
मनगढ़ंत कथाएं गढ़ूंगा, चाहे जितनी झूठ और फरेब और कपट से छलछलाती
अजूबा हो जाऊंगा बेमतलब ही चीजों के बदलूंगा नाम
क्रमशः और पुनः उत्तरोत्तर अफलातून कहलाऊंगा
कहूंगा बच्चों से बार-बार
कहूंगा यही-यही
अपनी जुबान, अपनी भाषा,
अपने रौब में बचाते हुए नजरें,
मातृभाषा में कहूंगा
सीखें बार-बार सीखें शपथ
ले लें, अच्छी है हिंदी,सरल है,सच्ची है हिंदी, कमी है यही कि किसी काम की नहीं है
दो दुनिया में, दो रोटी, दो दाम की नहीं है, घर के घर में भी बदनाम ही रही है
बस पीटते रहो ढोल, खोजते रहो पोल और बोलते रहो मनमर्जी के लंपट बोल,
हिंदी इज ए वैरी फन्नी लेंग्वेज
रद्दी भी अंग्रेजी की बिकती है महंगी,
दोहराऊंगा, कमोबेश यही सब दोहराऊंगा
पादुकाएं उठाई हैं, पादुकाएं उठाऊंगा
यहां-वहां बनाऊंगा खास वातावरण स्वैग
सर्कस हो जाऊंगा,जोकर कहलाऊंगा
शपथ है हिंदी में, हिंदी की।

राजकुमार कुंभज
कवि

संबंधों की सड़क

संबंधों की मुख्य सड़क भी
गड्ढा मुक्त नहीं हो पाई।

भीड़ कहूं या कह दूं जीवन
की अपनी
निर्धारित गति है
हानि देखकर शांत रहूं या
समझूं यह सामाजिक क्षति है

सामूहिक संबोधन में भी
व्यक्तिवाद करता अगुआई।

सोच समझकर निर्णय लेना
होता है परिणाम प्रदायी,
जैसे नए वस्त्र के फटने
पर हो जाती
है तुरपाई,

असंतोष के बढ़े भाव की
छिछली नहीं
हुई गहराई।
कंकरीट में धड़क रहा है
या फिर दिल में
कंकरीट है,
अहसासों की दीवारों से
होती रहती
मारपीट है,

बुनियादी सवाल के उत्तर
की छोटी सी
है लंबाई।

विवेक कुमार
युवा गीतकार

लघुकथा

कर्तव्य

प्रीति बेसब्री से टिकट की लाइन में लगी अपनी बारी आने का इंतजार कर रही थी। टिकट खिड़की पर महेश टिकट काट रहे थे। प्रीति ने उनसे कहा, "दिल्ली जाने वाली ट्रेन का टिकट दे दें।" महेश ने पूछा, "नई दिल्ली कि पुरानी दिल्ली का।"प्रीति झल्लाकर बोली, "उससे आपको क्या मतलब आप टिकट दो।" महेश बोले, "इसलिए पूछा कि तुम अकेली लड़की दिल्ली बहुत बड़ी है खाली में परेशान होगी, जहां जाना हो, उसी ट्रेन की टिकट लो। पता मालूम नहीं क्या तो पहले कॉल करके पता पूछ लो।" उसने पर्स से मोबाइल निकला फिर वापस रखते हुए बोली, "स्विच ऑफ हो गया और पास खड़े आदमी से बोली सर अपना फोन देगें मुझे एक कॉल करनी है।" उस आदमी ने मनाकर दिया।

महेश बोले, "तुम्हारे पास फोन नहीं है।" प्रीति बोली, "मोबाइल तो है, लेकिन डिस्चार्ज हो गया।" महेश बोले, "लो मेरे फोन से बात कर लो, लेकिन यहीं खड़े होकर।" प्रीति ने कॉल लगाई और बोली, "बेबी तुम कहां रहते हो।" शायद वहां से पूछा गया ये किसका नंबर है, तो वह बोली तुमने कहा था कि घर से निकलते ही मोबाइल स्विच ऑफ कर देना मैंने वही किया। इसलिए किसी से फोन लेकर कॉल कर रही हूं। महेश ध्यान से सब सुनते रहे, जब वो टिकट के पैसे देने लगी तो उन्होंने देखा वो काफी पैसे लिए हैं। महेश बोले, "अभी तुम्हारी ट्रेन आने में काफी समय है अभी मेरे पास खुले पैसे भी नहीं हैं ऐसा करो तुम थोड़ी देर रुको मैं कुछ टिकट बांट देता हूं, जिससे खुले पैसे हो जाएंगे।" प्रीति सहमत हो गई और एक तरफ खड़ी हो गई। सबको टिकिट देने के बाद महेश अपनी सीट से उठकर प्रीति के पास आए और बोले, "अब मुझे तुम सच-सच बताओ तुम कौन हो और कहां जा रही हो। मैं ये तुमसे इसलिए पूछ रहा हूं, क्योंकि मैं भी एक बेटी का बाप हूं और मैं उसे बहुत प्यार करता हूं। मुझे कुछ ठीक नहीं लग रहा इसलिए बिना पूरी बात जाने मैं तुम्हें टिकट नहीं दूंगा। तुम्हारे पर्स में मैंने ढेर सारे पैसे और मंहगा मोबाइल देखा है अब अगर तुम मुझे सच नहीं बताती हो, तो मैं पुलिस को बुलाऊंगा उसके बाद ही तुम्हें टिकट दूंगा।" प्रीति बोली, "आप पुलिस मत बुलाओ मैं बताती हूं। मेरा नाम प्रीति है, मैं एमबीए की स्टूडेंट हूं, घर में पापा और भाई हैं, मां का स्वर्गवास हो चुका है। मैं अपने बायफ्रेंड के पास जा रही हूं, वो मुझे बहुत प्यार करता है हम शादी करने वाले हैं, उसके कहने पर में कुछ समान और पैसे लेकर उसके पास जा रही हूं।" महेश ने उसे बहुत समझाया परिवार के प्यार और इज्जत की ऊंच नीच समझाई, लेकिन वो मानने को तैयार नहीं थी। वो महेश से बोली, "आप क्यों मुझे परेशान कर रहे हैं, अपना काम करिए और मुझे जाने दीजिए।" महेश बोले, "ठीक है चली जाना, लेकिन लो फोन लो और एक बार फिर अपने फ्रेंड को कॉल करो और कहो कि स्टेशन पर मेरा पर्स चोरी हो गया है वैसे उसकी मैंने रिपोर्ट कर दी है। मैं आ रही हूं तुम मुझे लेने स्टेशन आ जाना।"

निवेदिता शुक्ला
इटावा

इतना सुनते ही वहां से आवाज आई, "मूर्ख लड़की अब यहां क्यों आएगी, जब तेरे पास कुछ है ही नहीं। मैं तेरी शक्ल भी नहीं देखना चाहता और हां दुबारा कॉल भी मतकर देना", फोन कट जाता है। प्रीति दुबारा कॉल लगाने की कोशिश करती है, तो महेश बोले, "बेटी रहने दो अब कॉल नहीं लगेगी, उसने ब्लॉक कर दिया होगा।" इतना सुनते ही प्रीति की आंखों से आंसू छलक पड़ते हैं और वो महेश से हाथ जोड़कर कहती है,"अंकल शुक्रिया मेरी जिंदगी बचाने के लिए।" महेश उसके सिर पर हाथ रखते हुए कहते हैं, "बेटी मैं देखते हुए कैसे तुम्हारी जिंदगी बरबाद होने देता आखिर मैं भी एक बेटी का पिता हूं।"

बहू-बेटा

आत्माराम होटल में बैठकर घरवालों की प्रतीक्षा कर रहे थे। बहू-बेटे की जिद के कारण आज उनका 70 वां जन्मदिन इसी होटल में मनाया जाएगा। उनकी पत्नी का देहांत हो चुका है। उनकी पत्नी की पसंद का होटल होने की ढेर सारी यादें जुड़ी हुई हैं। पुराने परिचितों और मित्रों के साथ बार-बार इसी होटल में आते हैं। होटल का सारा स्टाफ इनसे भली-भांति परिचित है। इसीलिए जन्मदिन मनाने के लिए इसी होटल को चुना है।

पत्नी के गुजरने के बाद आत्माराम कुछ उदास रहने लगे। बहू-बेटे ने उन्हें चिंतामुक्त रहने के लिए कहा। उनकी बहू खुशबू ने उन्हें समझाते, धीरज बंधाते हुए कहा, "आज के बाद आपको किसी चीज की कमी महसूस नहीं होगी। सासु मां जिस तरह आपकी छोटी-मोटी आवश्यकताओं का विशेष ध्यान रखती थीं, उसी तरह मैं भी रखूंगी। आप बिल्कुल निश्चिंत रहें।" बहू की प्रेम, वात्सल्य पूर्ण बातों से वे अभिभूत हुए। सुबह की चाय से लेकर, नाश्ता, दोपहर और रात का भोजन समय पर बिन मांगे मिल जाता था। आलोक के बीमार पड़ने पर समय पर गोली, दवा न लेने के कारण खुशबू ससुर को ऐसे डांटती, जैसे मां अपने बच्चे को डांटती है। दादा जी का जन्मदिन होटल में मनाने की बात सुनकर उनकी दोनों पोतियां खुशी से उछल-कूद कर रही हैं। आत्माराम की आंखों के आगे बहू-बेटे और पोतियों का प्यार भरा अपनत्व वाला व्यवहार चलचित्र की भांति उनकी आंखों के आगे घूमने लगा। मन ही मन सोचने लगे, अगर ऐसी बहू और बेटा भाग्य से सबको मिले, तो सभी का बुढ़ापा संवर जाए।

अशोक वाधवाणी
महाराष्ट्र

सोचते-सोचते उनकी आंखों से खुशी के मोती छलकने लगे। बहू-बेटे और पोतियों को सामने से आता देखकर, उन्होंने तुरंत अपने आप पर काबू पा लिया।

सड़क सुरक्षा पर संवेदना की आवाज

समीक्षा

डॉ. उदित नारायण पांडे द्वारा लिखित पुस्तक समझावनपुर सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में एक अनमोल और हृदयस्पर्शी कृति के रूप में सामने आई है। यह पुस्तक महज दस रोचक कहानियों का संग्रह नहीं, बल्कि जीवन-मूल्यों, मानवीय संवेदना और सामाजिक जागरूकता का सशक्त माध्यम है, जो आम जनमानस के हृदय में सड़क सुरक्षा के नियमों को सहज रूप से उतार देती है। पुस्तक की कहानियों में चयनित पात्र इतने जीवंत और सजीव हैं कि उनके संवाद सीधे पाठक के मन को छू जाते हैं। प्रत्येक कहानी ऐसी परिस्थितियों को उकेरती है, जहां एक छोटी-सी लापरवाही भी बड़ी त्रासदी का कारण बन सकती है। लेखक ने कहानी के अंदर कहानी की प्रभावशाली शैली अपनाई है, जो पाठक को न केवल बांधकर रखती है, बल्कि बिना किसी उपदेशात्मक बोझ के गहरे चिंतन के लिए प्रेरित करती है। पुस्तक का मूल संदेश अत्यंत मार्मिक और सशक्त है-यातायात नियमों का पालन चालान से बचने के लिए नहीं, बल्कि अपनी और अपनों की जान बचाने के लिए किया जाना चाहिए। यह संदेश हर कहानी के माध्यम से पाठक के मन में गहराई से उतरता है और उसे आत्मचिंतन के लिए विवश करता है। किताब की सरल भाषा, भावनात्मक प्रस्तुति और व्यावहारिक उदाहरण बच्चों के साथ-साथ बड़ों पर भी गहरा प्रभाव डालते हैं। कहानियां पढ़ते हुए बच्चे स्वयं ही हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, गति सीमा का पालन करने और वाहन चलाते समय मोबाइल से दूर रहने जैसे नियमों को अपनाने के लिए प्रेरित हो जाते हैं-वह भी बिना किसी डर या दबाव के। समझावनपुर हर वर्ग के पाठकों- छात्रों, युवाओं, गृहिणियों और बुजुर्गों के लिए समान रूप से उपयोगी और पठनीय है। कुल मिलाकर, यह पुस्तक न केवल सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाती है, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव की मजबूत नींव भी रखती है।

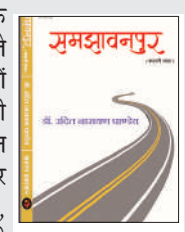

पुस्तक : समझावनपुर
(कहानी संग्रह)
लेखक : डॉ. उदित नारायण पाण्डेय
प्रकाशन : शतरंग प्रकाशन लखनऊ
मूल्य :400
समीक्षक : विदर्भ अग्निहोत्री, लखनऊ

व्यंग्य

फूफा अर्थात बिना नियुक्ति का सर्वे अधिकारी

आज का जो नीरस, सिर पर चांद लिए, मुंह बनाकर घुमने वाला फूफा होता है। वह कभी एक जमाने का बांका-सजीला जीजा होता है, जो अपने जमाने में उस घर में किसी सुपरस्टार से कम नहीं होता है, जिसको देखने के लिए आस-पड़ोस से लोग बहुत प्रेम से आते हैं, जिसकी हरेक अदा पर उस घर की सारी लड़कियां जान छिड़कती थीं। यदि थोड़ा हंसमुख, मिलनसार, दरियादिल स्वभाव का जीजा रहता है, उसकी इज्जत पूछिए ही मत, उस घर की भाभियां भी जीजा के ऊपर सदके जाती, मुरीद हो जाती हैं। उसके बिगड़े बाल भी स्टाइल बन जाते हैं।

रेखा शाह
बलिया

यह रुतबा होता है और फटी हुई जींस भी फैशन बन जाती है, जब फूफा जीजा होता है, तब उसकी बड़ी आव भगत रहती है और सालियां भाग-भागकर उसके लिए तमाम वह काम करती हैं, जिसमें उसे खुशी मिले। उसका रुतबा किसी कलेक्टर से कम नहीं होता है। हर काम में उसकी मर्जी बड़ी मायने रखती है।

उसके लिए तमाम तरी वाले, लज्जतदार व्यंजन बनते हैं, जो उस घर की महिलाओं को आते हैं। यदि कुछ नहीं आते हैं, तो अगल-बगल से भी सीखकर जीजा की खातिरदारी में पेश किया जाता है। अब बताइए जहां इतनी खातिरदारी हो, तो इंसान का फूल कर कुप्पा होना तो बन ही जाता है।

इसीलिए तो हर इंसान एक बार जीजा बनने का ख्वाहिश जरूर रखता है। इसीलिए तो मर्द प्रजाति, चाहे कितनी भी बूढ़ी हो जाए, लेकिन जीजा बनने का मोह उससे नहीं जाता है। चाहे आप दुनिया में कुछ भी बन जाइए, लेकिन यदि जीजा नहीं बने हैं, तो आप एक अद्भुत सुख से वंचित हैं और उस पर से यदि जीजा सरकारी नौकरी वाला हो, तब तो पूछिए ही मत, उसकी एक छींक पर पूरा घर रुमाल लिए खड़ा मिलता है। घर वाले तो घर वाले पड़ोस वाले भी नौकरी वाले जीजा को हाथों पर रखते हैं और वैसे भी आपने देखा होगा नौकरी वाले लड़कों का रेट इसी कारण हाई रहता है, लेकिन परिवर्तन इस दुनिया का नियम है। कुछ भी यहां पर सदा के लिए नहीं है। न सुख और न ही दुख। जो आज सुख है वही कल दुख भी बन जाता है। यह भी इस सृष्टि का एक बहुत ही कठोर नियम है।

एक समय के बाद सालियां अपने घर को चली जाती हैं। सासु मां परलोक सिधार जाती हैं। ससुर भी साथ में निकल लेते हैं। मतलब कि जितने भी जीजा के आने से खुश हो सकते थे। एक समय के बाद वह सभी लापतागंज हो चुके होते हैं। बचते हैं साले और सरहज और फिर उनकी बेमुरव्वत, नामुराद, औलादे, जिनके लिए अपना जीजा महत्वपूर्ण होता है। न कि अपने बाप का जीजा महत्वपूर्ण होता है। इन औलादों को फूफा कांटे जैसा लगता है और अपना जीजा आंखों का तारा लगता है। बस यही चीज फूफा को फू-फा करने पर मजबूर करती है। वह उफनता, फफनता, सिर धुनते रहता है। आखिर वह करें तो क्या करें? जिस घर में उसे पलकों पर बिठाया गया। उसी घर में बैठने के लिए एक ढंग की कुर्सी भी मयस्सर न हो, तो इंसान का भड़कना तो बनता है। चाहे परिवार में शादी-विवाह हो, तो सभी लोग आ जाए एक फूफा के नहीं आने से महफिल कम मसालेदार लगती है। क्योंकि रूठने की जिम्मेदारी फूफा की होती है। हर महफिल को एक फूफा की जरूरत होती है। ताकि बाकी रिश्तेदार शांतिपूर्ण ढंग से एकजुट रह सके।

भले ही फूफा साल में एक बार आता हो और पूरे परिवार का ऑडिट करके जाता हो, लेकिन घर में कदम रखने के साथ ही पहला सवाल यह करना नहीं भूलता है कि 'अरे अब तक यह आपने नहीं बदला' या 'यह आपने बदल दिया?' जैसे पूरे घर का ठेका उनके पास हो। भले ही कोई इस बात को गंभीरता से ले या न ले, लेकिन फूफा यह बात कहता जरूर है। मतलब फूफा बिना नियुक्ति का सरकारी सर्वे अधिकारी होता है, जिसके अधिकार न जाने कब के चले गए होते हैं। बस वह उनके होने के झूठे भ्रम में जीता रहता है। अब जहां इतने दिल में दुख है, वहां इंसान कहने से भी क्यों जाए। अगर आप कोई काम धंधा कर रहे हैं, तो उसमें दो-चार मुफ्त के सलाह तो फूफा बिना मांगे भी दे डालता है। अगर यदि आप बेरोजगार हैं, तो आपको ऐसे देखता है। जैसे आपने उनकी निजी जिंदगी बेकार कर दी। इससे आप उनकी जिम्मेदारी वाली भावना को समझ सकते हैं। शादी-ब्याह में तो फूफा जी घर के सबसे अनुभवी विशेषज्ञ होते हैं, क्योंकि बहुत सारी शादियां उन्होंने निपटाया होता है। हर शादी में सबसे मुख्य दूल्हा और उसके बाद फूफा ही होता है। हर फूफा का व्यवहार ट्रंप के जैसा होता है, जैसे ट्रंप जगत फूफा है। जब तब अपने साले सरहज रूपी सारे अन्य देश पर बिगड़ता रहता है। सारे देशों को धौंस पट्टी देते रहता हैं। वैसे ही फूफा भी ससुराल को धौंसपट्टी देते रहता है। बीच-बीच में बिगड़कर अपनी अहमियत जताने से फूफा बिल्कुल नहीं चूकते हैं। यह अलग बात है कि कोई उनका मनावन बड़े ही बेमन से करता है। फूफा जी वह रिश्तेदार हैं, जो कम बोले तो रहस्यमय ,ज्यादा बोले तो समस्या। आए तो चर्चा न आए तो और भी चर्चा, हर हाल में उनका चर्चा होना तय है।

असली सुंदरता

रंग या सांचे में नहीं, आत्म-स्वीकृति में

कृति आरके जैन
बड़वानी (मप्र)

एक लड़की आईने के सामने खड़ी है। समाज कहता है–पतली हो जाओ, गोरी बनो, परफेक्ट बनो, लेकिन वह मुस्कुराती है और कहती है, "मेरा शरीर, मेरे नियम।" यह नारा आज लाखों महिलाओं की आवाज बन चुका है। बॉडी पॉजिटिविटी आंदोलन ने महिलाओं को सिखाया है कि सुंदरता का मतलब सिर्फ एक सांचे में फिट होना नहीं। यह आंदोलन आत्मसम्मान, स्वीकृति और स्वतंत्रता का प्रतीक है। बॉलीवुड की चकाचौंध से लेकर सोशल मीडिया की दुनिया तक, महिलाएं अब अपने शरीर को शर्म की बजाय गर्व का विषय बना रही हैं। भारत में यह आंदोलन तेजी से फैल रहा है, जहां सदियों से महिलाओं के शरीर पर नियंत्रण की कोशिशें हुई हैं। अब समय आ गया है कि हम इस बदलाव को समझें और अपनाएं।

बॉडी पॉजिटिविटी का मूल अर्थ

- बॉडी पॉजिटिविटी का मूल अर्थ है हर प्रकार के शरीर को बिना शर्त स्वीकार करना-चाहे वह दुबला हो, स्थूल, गोरा, सांवला या कोई भी आकार-प्रकार। यह आंदोलन 1960 के दशक में अमेरिका में फैट एक्सेप्टेंस मूवमेंट से शुरू हुआ और सोशल मीडिया ने इसे वैश्विक बनाया। भारत में लंबे समय तक बॉलीवुड और विज्ञापनों ने 'जीरो फिगर' को आदर्श बनाया, जिससे अनगिनत महिलाएं बॉडी इमेज इश्यूज और ईटिंग डिसॉर्डर की शिकार हुईं, लेकिन अब महिलाएं कह रही हैं कि उनका शरीर उनका निजी क्षेत्र है, कोई और तय नहीं करेगा कि वह कैसी दिखेंगी। सोशल मीडिया पर प्लस-साइज इन्फ्लुएंसर्स अपनी अनफिल्टर्ड तस्वीरें शेयर कर रही हैं और लाखों महिलाएं इससे प्रेरित होकर खुद को प्यार करना सीख रही हैं। यह बदलाव सिर्फ दिखावे का नहीं, बल्कि गहरे मानसिक परिवर्तन का है।
- भारत में बॉडी पॉजिटिविटी को नई दिशा और मजबूती देने में सोशल मीडिया की भूमिका बेहद अहम रही है। अनेक महिलाएं अपने डिजिटल मंचों पर बिना झिझक अपनी निजी कहानियां साझा कर रही हैं। वे खुलकर बताती हैं कि बचपन में 'मोटी' या 'काली' जैसे शब्दों से मिले तानों ने उनके मन पर कितने गहरे घाव छोड़े और उस पीड़ा से निकलकर आत्मविश्वास तक पहुंचना कितना कठिन रहा। इसी ईमानदारी ने लाखों महिलाओं को खुद को स्वीकार करने की हिम्मत दी है। फैशन इंडस्ट्री में भी यह बदलाव साफ दिखाई देता है, जहां अब रैंप पर विविध शरीर आकारों की मौजूदगी बढ़ी है। कपड़ों के बाजार में भी सोच बदली है और विस्तृत साइज विकल्प सामने आ रहे हैं। महिलाएं अब साफ शब्दों में कह रही हैं कि वे अपने शरीर के अनुसार कपड़े चाहती हैं, न कि कपड़ों के अनुसार खुद को बदलना। यही सोच उन्हें मानसिक स्वतंत्रता दे रही है, जहां बॉडी शेमिंग का डर धीरे-धीरे कमजोर पड़ रहा है।
- 'मेरा शरीर, मेरे नियम' का नारा केवल वजन या शरीर के आकार तक सीमित नहीं रह जाता, बल्कि यह महिलाओं के समग्र अधिकारों की मुखर अभिव्यक्ति बन चुका है। इसमें अपने कपड़े खुद चुनने की आजादी है, अपने शरीर से जुड़े निर्णय स्वयं लेने का साहस है और प्रजनन से जुड़े फैसलों पर अधिकार की स्पष्ट मांग भी शामिल है। भारतीय समाज में, जहां परिवार और रिश्तेदार अक्सर महिलाओं के शरीर पर टिप्पणी करने या उसे नियंत्रित करने का अधिकार अपने हाथ में समझ लेते हैं, यह नारा एक सशक्त प्रतिरोध की तरह उभरता है। महिलाएं अब ऑनलाइन आलोचनाओं और ट्रोलिंग को चुपचाप सहने के बजाय आत्मविश्वास से जवाब दे रही हैं। डिजिटल मंचों पर शरीर के प्राकृतिक पहलुओं को सामान्य बताने की कोशिशें तेज हुई हैं। मध्य आयु की महिलाएं भी इस सोच से जुड़ रही हैं, जो लंबे समय तक चुप्पी ओढ़े रहीं। इससे नई पीढ़ी तक यह संदेश पहुंच रहा है कि सुंदरता किसी एक ढांचे में नहीं, बल्कि विविधता में अपनी असली पहचान पाती है।
- इस आंदोलन के सामने चुनौतियां कम नहीं हैं। कई बार बॉडी पॉजिटिविटी को व्यावसायिक ब्रांड केवल प्रचार का साधन बना लेते हैं, जहां असली सामाजिक बदलाव पीछे छूट जाता है। कुछ महिलाएं जब अपनी फिटनेस यात्रा शुरू करती हैं, तो उन्हें ही यह कहकर निशाना बनाया जाता है कि वे आंदोलन की भावना के खिलाफ जा रही हैं। भारत में गोरेपन की क्रीमों, स्लिमिंग उत्पादों और डाइट उद्योग का प्रभाव आज भी गहरा और व्यापक है। इसके बावजूद सकारात्मक परिवर्तन इन बाधाओं से कहीं अधिक मजबूत बनकर उभरा है। स्कूलों और कॉलेजों में अब इस विषय पर खुली चर्चाएं होने लगी हैं। माताएं अपनी बेटियों को यह सिखा रही हैं कि हर शरीर अलग, अनोखा और सुंदर होता है। यह आंदोलन नारीवादी सोच का अहम हिस्सा बन चुका है, जहां महिलाएं अपने शरीर की वास्तविक स्वामिनी बन रही हैं। इसका असर उनके करियर, रिश्तों और पूरे जीवन पर सकारात्मक रूप से दिखाई दे रहा है।

बॉडी पॉजिटिविटी को अपनाने के लिए छोटे-छोटे प्रयास

बॉडी पॉजिटिविटी को जीवन में अपनाने के लिए बड़े प्रयास नहीं, बल्कि छोटे और सच्चे कदम ही पर्याप्त होते हैं। हर सुबह आईने में खुद को देखकर प्रशंसा करना आत्मस्वीकृति की शुरुआत हो सकती है। सोशल मीडिया पर उन्हीं मंचों से जुड़ना जरूरी है, जो सकारात्मक सोच को बढ़ावा देते हैं। व्यायाम को सजा नहीं, बल्कि स्वास्थ्य और खुशी का माध्यम बनाना चाहिए। दोस्तों और परिवार के साथ शरीर को लेकर खुलकर बातचीत करना भी बेहद जरूरी है। भारत में यह आंदोलन अब महानगरों से निकलकर गांवों तक पहुंच चुका है, जहां महिलाएं अपनी पारंपरिक वेशभूषा में भी पूरा आत्मविश्वास महसूस कर रही हैं। विभिन्न अभियानों के माध्यम से यह सोच और मजबूत हो रही है। महिलाएं यह समझने लगी हैं कि उनका शरीर सम्मान और स्नेह का पात्र है, आलोचना का नहीं। यह परिवर्तन समाज को अधिक समावेशी, संवेदनशील और मानवीय बना रहा है।

'मेरा शरीर, मेरे नियम'

'मेरा शरीर, मेरे नियम' सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि यह एक पूर्ण क्रांति बन चुका है। यह महिलाओं को सदियों से उनके ऊपर थोपे गए शर्म और सामाजिक दबाव से मुक्त कर रहा है। भारतीय समाज में, जहां सौंदर्य के मानक हमेशा सख्त और कठोर रहे हैं, यह आंदोलन अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रभावशाली साबित हो रहा है। हर महिला को यह याद रखना चाहिए कि वास्तविक सुंदरता बाहरी रूप में नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और आत्मस्वीकृति में निहित होती है। समाज बदल रहा है, लेकिन हमें भी इसमें सक्रिय भूमिका निभानी होगी। अगली बार जब कोई आपके शरीर पर टिप्पणी करे, तो गर्व के साथ कहें- 'मेरा शरीर, मेरे नियम'। यह आंदोलन तब तक चलेगा, जब तक हर महिला खुद को पूरी तरह अपनाने और सम्मान देने के लिए स्वतंत्र न हो जाए। इसमें शामिल होकर, खुद से प्रेम करना और दूसरों को प्रेरित करना न केवल व्यक्तिगत सफलता है, बल्कि यह समाज में सकारात्मक बदलाव की भी जीत है।

वेडिंग सीजन में साड़ी को दें रॉयल अंदाज

वेडिंग सीजन आते ही साड़ी हर महिला की पहली पसंद बन जाती है। इसकी गरिमा, सौंदर्य और पारंपरिक आकर्षण किसी भी फंक्शन को खास बना देता है, लेकिन जब शादी का मौसम ठंड के दिनों में हो, तो साड़ी पहनना कई बार चुनौती जैसा लगने लगता है। ठंड से बचने के लिए अक्सर महिलाएं साड़ी के साथ स्वेटर या साधारण शॉल ले लेती हैं, जिससे पूरा लुक फीका और बोरिंग हो जाता है। जबकि सच्चाई यह है कि अगर शॉल को सही और स्टाइलिश तरीके से ड्रेप किया जाए, तो वही शॉल साड़ी के साथ मिलकर लुक को और भी ज्यादा एलीगेंट, रॉयल और फैशनेबल बना सकती है।

आज के समय में फैशन सिर्फ ट्रेंड फॉलो करने का नाम नहीं, बल्कि स्मार्ट स्टाइलिंग का खेल है। साड़ी और शॉल का सही कॉम्बिनेशन आपको ठंड से भी बचाता है और आपके वेडिंग लुक में चार चांद भी लगा देता है। खास बात यह है कि इन स्टाइल्स को अपनाने के लिए किसी एक्सपर्ट की जरूरत नहीं, बल्कि थोड़ी सी समझ और कॉन्फिडेंस ही काफी है। आइए जानते हैं साड़ी के साथ शॉल पहनने के कुछ खूबसूरत, आसान और ट्रेंडी तरीके, जिन्हें अपनाकर आप हर वेडिंग फंक्शन में सबका ध्यान अपनी ओर खींच सकती हैं।

फ्रंट ओपन शॉल ड्रेप स्टाइल

अगर आप चाहती हैं कि आपकी साड़ी भी पूरी तरह नजर आए और ठंड से भी बचाव हो, तो फ्रंट ओपन शॉल ड्रेप स्टाइल आपके लिए परफेक्ट है। इस स्टाइल में शॉल को दोनों कंधों पर हल्के से रखा जाता है और सामने की तरफ खुला छोड़ दिया जाता है। यह तरीका बेहद सिंपल होने के साथ-साथ काफी रॉयल भी लगता है।

खासतौर पर बनारसी, कांजीवरम या सिल्क साड़ी के साथ यह स्टाइल बहुत खूबसूरत दिखाई देता है। फ्रंट ओपन शॉल ड्रेप से साड़ी का पल्लू, बॉर्डर और डिजाइन पूरी तरह नजर आता है, जिससे आपका ट्रेडिशनल लुक बरकरार रहता है। साथ ही यह स्टाइल ज्यादा भारी भी नहीं लगता, इसलिए लंबे फंक्शन में भी आरामदायक रहता है।

ओवरसाइज्ड शॉल केप स्टाइल

अगर ठंड ज्यादा हो और आपके पास बड़ी या हैवी शॉल है, तो उसे केप स्टाइल में ड्रेप करना एक शानदार आइडिया है। इस स्टाइल में शॉल को कंधों पर इस तरह ओढ़ा जाता है कि वह केप या क्लोक जैसा लुक दे। यह लुक बेहद मॉडर्न लगता है और साड़ी को डिजाइनर टच देता है।

ओवरसाइज्ड शॉल केप स्टाइल खासकर रिसेप्शन, सगाई या नाइट वेडिंग फंक्शन के लिए परफेक्ट है। इसके साथ हाई बन, स्लीक बन या ओपन हेयर स्टाइल बेहद खूबसूरत लगते हैं। अगर शॉल पर कढ़ाई या बॉर्डर है, तो यह स्टाइल उसे और भी उभार देता है।

बेल्ट के साथ शॉल ड्रेप

आजकल साड़ी के साथ बेल्ट पहनने का ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है और शॉल के साथ यह स्टाइल और भी ज्यादा स्टाइलिश लगता है। इस लुक में शॉल को साड़ी के ऊपर ड्रेप करके कमर पर एक खूबसूरत बेल्ट लगा ली जाती है। इससे न सिर्फ शॉल अपनी जगह पर बनी रहती है, बल्कि पूरा लुक बहुत स्लीक और ग्रेसफुल दिखाई देता है। यह स्टाइल उन महिलाओं के लिए खास है, जो ट्रेडिशनल के साथ मॉडर्न टच पसंद करती हैं। मेटल बेल्ट, एम्बेलिश्ड बेल्ट या फैब्रिक बेल्ट आप साड़ी और शॉल के हिसाब से बेल्ट चुन सकती हैं। शादी या रिसेप्शन में यह लुक आपको सबसे अलग और ट्रेंडी बना देगा।

एक्सेसरी का चुनाव भी है जरूरी

साड़ी के साथ शॉल स्टाइल करते समय शॉल के फैब्रिक और रंग का सही चुनाव बेहद जरूरी है। सिल्क साड़ी के साथ पश्मीना, कश्मीरी या कढ़ाई वाली शॉल शानदार लगती है, वहीं लाइट साड़ी के साथ सॉफ्ट वूलन या स्टॉल अच्छा ऑप्शन होता है। कोशिश करें कि शॉल का रंग साड़ी के कॉम्प्लिमेंट में हो, ताकि पूरा लुक बैलेंस्ड लगे। इसके अलावा एक्सेसरीज भी आपके लुक को पूरा करती हैं। स्टेटमेंट इयररिंग्स, क्लच और सही फुटवियर आपके साड़ी-शॉल लुक को और निखार सकते हैं।

ठंड में भी रहें स्टाइलिश और कॉन्फिडेंट

सर्दियों में साड़ी पहनना अब कोई मुश्किल काम नहीं रहा। सही शॉल ड्रेपिंग स्टाइल अपनाकर आप ठंड से भी बच सकती हैं और वेडिंग सीजन में रॉयल व एलिगेंट भी दिख सकती हैं। याद रखें, असली खूबसूरती आपके कॉन्फिडेंस में है। जब आप अपने लुक को आत्मविश्वास के साथ कैरी करती हैं, तो साड़ी और शॉल दोनों ही आपके व्यक्तित्व को निखार देते हैं। इस वेडिंग सीजन, पुराने बोरिंग तरीकों को छोड़कर साड़ी के साथ शॉल के इन ट्रेंडी स्टाइल्स को जरूर ट्राय करें और हर फंक्शन में अपने स्टाइल से सबका दिल जीत लें।

एक कंधे पर क्लासिक ड्रेप स्टाइल

आप सिंपल, लेकिन रॉयल लुक चाहती हैं, तो एक कंधे पर शॉल डालने का क्लासिक स्टाइल कभी आउट ऑफ फैशन नहीं होता। इस ड्रेप में शॉल को एक कंधे पर रखकर सामने या पीछे की तरफ खुला छोड़ दिया जाता है। यह स्टाइल खासकर कश्मीरी या पश्मीना शॉल के साथ बेहद खूबसूरत लगता है। यह तरीका साड़ी को पूरी तरह से उभारता है और आपको ग्रेसफुल फिनिश देता है। ठंड में यह सबसे आरामदायक और भरोसेमंद स्टाइल माना जाता है, जिसे आप दिन के फंक्शन से लेकर रात की शादी तक आसानी से कैरी कर सकती हैं।

खाना खजाना

दाल पकवान चाट

भारतीय स्ट्रीट फूड का एक अनोखा और लाजवाब प्रयोग है, जो पारंपरिक स्वाद में चटपटा ट्विस्ट जोड़ देता है। जहां दाल पकवान आमतौर पर सादगी से खाया जाता है, वहीं चाट के रूप में यह और भी ज्यादा मजेदार हो जाता है। कुरकुरा पकवान, मसालेदार दाल, मीठी-तीखी चटनियां, ताजी सब्जियां और सेव की करारी परत- हर बाइट में स्वाद का धमाका होता है। यह चाट न सिर्फ झटपट बनती है, बल्कि मेहमानों और परिवार सभी को खूब पसंद आती है। चाट प्रेमियों के लिए यह एक परफेक्ट रेसिपी है, जिसे एक बार जरूर आजमाना चाहिए।

प्रीतम कोठारी
फूड ब्लॉगर

सामग्री

अध पकवान के लिए

- आटा या मैदा 250 ग्राम
- नमक स्वादानुसार
- एक छोटी चम्मच जीरा
- तलने के लिए तेल
- चने की दाल उबली हुई
- मीठी चटनी
- हरी चटनी
- हरा धनिया
- अनार के दाने
- चाट मसाला
- हरी मिर्च छोंकी हुई
- बारीक कटे टमाटर
- बारीक कटी प्याज
- बारीक भेल वाली सेव

बनाने की विधि

सबसे पहले आप आटे में नमक, जीरा और 1 चम्मच तेल डालकर डालकर टाइट आटा गूंथ ले। 10 मिनट रखें। अब लोई बनाकर रोटी जितना बेल लें। काटे की सहायता से छेदकर लें। कड़ाही में तेल गर्म करके मध्यम आंच पर कड़क होने तक तल लें। ऐसे ही सारे पकवान बना कर रख लें। अब उबली चने की दाल में नमक व लाल मिर्च मिलाएं। जीरे और लाल मिर्च का तड़का लगा लें। दाल को गाढ़ा रखना है। अब एक पकवान लेकर दाल फैलाएं। उस पर टमाटर, प्याज, हरी मिर्च फैलाए। चाट मसाला डालें। अब मीठी व हरी चटनी फैलाएं। हरा धनिया डालें। बारीक सेव डालकर अनार से सजाएं। आपके दाल पकवान चाट तैयार है।

न्यूज ब्रीफ

युवक को दबंगों ने बेरहमी से पीटा

भोजीपुरा, अमृत विचार : कस्बा के मध्य रेलवे स्टेशन के सामने सर्विस रोड पर 28 जनवरी की रात विपिन कुमार निवासी ग्राम मकरंदापुर किसी के इंतजार में खड़ा था ।तभी रवि और भजनलाल ने आकर विपिन कुमार से गाली गलौज शुरू कर दी मना करने पर दोनों लोगों ने उसे लात घूसों से जमकर मारपीट की ।पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है।

बाइक पर पांच सवारी किया चालान

फतेहगंज पूर्वी, अमृत विचार : मोटरसाइकिल पर पांच सवारियां लेकर घूम रहे युवकों को पुलिस टीम ने देखा तो बाइक का चालान कर दिया। सीसीटीवी टीम के प्रभारी संगम शर्मा एवं आकाश ठाकुर ने बताया कि मोटरसाइकिल सवार पांच लोग हाईवे पर घूम रहे थे टीम ने उन्हें रोका और उनका चालान कर दिया । बताया कि सीसी टीवी टीम लगातार हाईवे पर वाहनों की चेकिंग एवं लोगों को यातायात नियम बताने का कार्य कर रही है ।उन्होंने बताया कि एक ट्रैक्टर ट्राली को मिट्टी ले जाते हुए भी पकड़ा गया उसका भी टीम के द्वारा चालान किया गया है ।

खिचड़ी सहभोज का हुआ आयोजन

बरेली, अमृत विचार : अपना दल (एस) ने फरीदपुर क्षेत्र के ग्राम अठाना में खिचड़ी सहभोज का आयोजन किया, जिसमें पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की।इस कार्यक्रम के माध्यम से पार्टी ने क्षेत्रीय जनता से सीधा संवाद स्थापित करते हुए आगामी चुनावों को लेकर संगठन की सक्रियता और मजबूती का स्पष्ट संकेत दिया।जिलाध्यक्ष एड. अनुज गंगवार ने कहा कि अपना दल फरीदपुर सीट पर पूरी तैयारी और मजबूती के साथ प्रत्याशी मैदान में उतरेगा।हरीश गंगवार, अतुल पटेल, इंजी. मनीष कुमार, इंजी. निशांत सक्सेना आदि मौजूद रहे।

छात्र- छात्राओं को मिली विदाई

मीरगंज, अमृत विचार : हुरहुरी गांव में संचालित कमला देवी मैमोरियल इंटर कॉलेज में शनिवार को कक्षा 10 एवं इंटरमीडिएट में अध्ययनरत छात्र–छात्राओं के लिए भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया।प्रबंधक की ओर से उपहार दिए गए। कॉलेज प्रबंधक प्रेमपाल सिंह गंगवार ने सभी छात्र–छात्राओं को माल्यार्पण एवं पट्टिका पहनाई।प्रबंधक ने विद्यार्थियों को परीक्षा के दौरान समय प्रबंधन, प्रश्नपत्र हल करने की सही रणनीति एवं नियमित अध्ययन के महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

तीन करोड़ रुपये की हेरोइन के साथ बहेड़ी का युवक गिरफ्तार

उत्तराखंड एसटीएफ और किच्छा पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

संवाददाता, बहेड़ी

अमृत विचार : उत्तराखंड एसटीएफ ने बहेड़ी के एक युवक को एक किलो 33 ग्राम हेरोइन के साथ पकड़ने का दावा किया है। उत्तराखंड पुलिस ने इस हेरोइन को उत्तराखंड में खपाने की नियत से लाने की बात कही है। पुलिस ने पकड़ी गई हेरोइन की क़ीमत अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में 3करोड़ से ऊपर बताई है।

बताते हैं कि एसटीएफ ने बहेड़ी से सटे उत्तराखंड के किच्छा कस्बे की पुलिस को साथ लेकर बहेड़ी के एक युवक को उठा लिया। उत्तराखंड पुलिस के मुताबिक पकड़े गए युवक के पास एक किलो से ज़्यादा हेरोइन बरामद हुई। पकड़ा गया युवक इसको हल्द्वानी के आस पास नशे के धंधेबाजों को सप्लाई करने की फिराक में था, और उनके जरिए यह उत्तराखंड के युवकों को नशे के लिए उपलब्ध कराई जाती। पुलिस ने पकड़े गए युवक का नाम शहनवाज़ उर्फ मामू बताया है, और इसे कस्बे के मोहल्ला इस्लामनगर का रहने वाला बताया है।

उत्तराखंड एस टी एफ ने शहनवाज़ से नशे की तस्करी करने वाले गैंग को लेकर काफ़ी सख़्ती से पूछताछ की है, और बताया जा रहा है कि इसे काफी अहम क्लू मिले हैं।

किच्छा पुलिस की गिरफ्त में आरोपी युवक। ●अमृत विचार

दीनी के साथ दुनियावी तालीम बहुत जरूरी : उलमा

संवाददाता, देवरनियां

अमृत विचार : रिछा के मोहल्ला लालनगर स्थित मदरसा दारूल उलूम शाहे उम्म में एक दिवसीय अज़मते शाहे उम्म कान्फ्रेंस में उलमाओं ने इस्लाम के बताए रास्ते पर चलने और दीनी के साथ दुनियावी तालीम (शिक्षा) को बहुत जरुरी बताया।

मदरसे के नाजिमे आला मुईन उद्दीन रजवी के निर्देशन में हुई कांफ्रेंस में हजरत अल्लामा मौलाना मुफ्ती मोहम्मद लियाकत हुसैन, हजरत अल्लामा मौलाना मुफ्ती मोहम्मद अमानुलहक़ देहलवी, शायरे हिन्दुस्तान हज़रत असद इक़बाल साहब कलकत्ता आदि प्रमुख उलमा तशरीफ़ लाए। मुफ्ती मोहम्मद अमानुलहक़ देहलवी का शानदार इसलाहे मुआशिरा पर खिताब हुआ, उन्होंने बताया कि कैसे जिन्दगी गुजार ने के लिए हमें तालीम की बहुत जरुरत है। कांफ्रेंस में कहा गया, कि दीनी तालीम के साथ-साथ दुनियावी तालीम भी हासिल करें तभी तरक्की पाएंगें।कांफ्रेंस में मदरसे के नाजिमे आला जनाब मुईनुद्दीन रिजवी व सदर मुदररसीन मुफ्ती तहसीन रज़ा मिस्बाही, हजरत हाफिज मोहम्मद तमसीलुद्दीन,मुफ्ती आसिमुलक़ादरी, मुफ्ती मोहम्मद मजहर खान कादरी सादी, क़ारी शराफत हुसैन,हजरत मौलाना अब्दुल वाहिद, मुफ्ती शमशादुल क़ादरी, मौलाना लईक, हाफ़िज तनवीर, हाफिज मोहम्मद अशरफ़, हाफ़िज मोहम्मद शुऐब, हजरत मौलाना सलमान मियां, सय्यद भूरे मियां, क़ारी नयमुलकादरी और दीगर उलमाऐ किराम आदि प्रमुख मौजूद रहे। कांफ्रेंस में हज़रत अल्लामा मौलाना मुफ्ती मोहम्मद अमानुलहक़, हज़रत अल्लामा मौलाना मुफ्ती मोहम्मद लियाकत हुसैन, हज़रत अल्लामा मौलाना मुफ्ती मोहम्मद तहसीन मिस्बाही, शायरे हिन्दुस्तान हज़रत असद इक़बाल साहब कलकत्ता का खिताब हुआ। कांफ्रेंस में 11 मौलवी और 12 कारी कुल 23 छात्रों की दस्तारबंदी हुई।

कांफ्रेंस में खिताब करते हुए उलमा। ●अमृत विचार

न्यायालय श्रीमान अपर उपजिलाधिकारी बरेली
अपील संख्या T202512130102816 सन् 2025
मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लि. बनाम इंडियन वॉविन कम्पनी आदि

अन्तर्गत धारा–35(2) उ.प्र. राजस्व संहिता– 2006 ग्राम खलीलपुर पर. व तह. जिला बरेली।

नोटिस मिनजानिब (1) इंडियन वॉविन कम्पनी कलैक्टर बक गंज, परगना तहसील व जिला बरेली (2) इंडियन टरपेनटाईन एण्ड रोजिन कम्पनी लि. कलैक्टर बक गंज, अण्डर लिक्वीडेशन द्वारा आफिशियल लिक्वीडेटर आयुक्त बरेली मण्डल बरेली। मुत्तला हो कि अपील बनाराजी निर्णय दिनांक 28.12.2024 न्यायालय तहसीलदार सदर बरेली वाद संख्या–आर.एस.टी./1091/2012–2013 कम्प्यूटरीकृत वाद सं. T202112130108539 मध्यांचल विद्युत निगम लि. बनाम इंडियन वॉविन कम्पनी लि. आदि के खिलाफ दायर की गयी है, जिसमें 04.02.2026 की तिथि मुकर्रर की गयी है, अगर आप उक्त तारीख को हाजिर अदालत नहीं होंगे तो आपकी गैर हाजिरी में अपील में सुनवाई कर दी जायेगी।

आज व तारीख 30.01.2026 मेरे दस्तखत व मोहर अदालत से जारी किया गया है।

जज

बेटी की ससुराल आए पिता पर हमला, कार में तोड़फोड़

संवाददाता, नवाबगंज

● वाहन खड़े करने को स्थान को अपनी बताकर तोड़फोड़ की

अमृत विचार : थाना नवाबगंज क्षेत्र के ग्राम बरखन में बेटी के ससुराल आए एक व्यक्ति के साथ मारपीट और वाहन क्षतिग्रस्त करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने नामजद आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार प्रभातनगर निवासी पीड़ित 18 जनवरी की रात करीब 8 बजे अपने परिवार के साथ चार पहिया वाहन से ग्राम बरखन पहुंचे थे। वह अपनी पुत्री के घर उसके बेटे के जन्मदिन समारोह में शामिल होने आए थे। पीड़ित ने वाहन को पास की खाली जगह में खड़ा कर दिया और परिवार सहित घर के अंदर चले गए।

आरोप है कि कुछ समय बाद गांव का ही एक युवक मौके पर पहुंचा और गाली-गलौज शुरू कर दी। उसने उक्त जगह को अपनी जमीन बताते हुए जबरन वाहन हटाने को कहा। पीड़ित द्वारा अनजाने में हुई गलती बताते हुए वाहन हटाने की बात कहने पर युवक और अधिक आक्रोशित हो गया और कार में तोड़फोड़ कर दी, जिससे कार का अगला शीशा टूट गया। मामला यहीं नहीं रुका। आरोपी ने माचिस निकालकर वाहन में आग लगाने का प्रयास किया, जिसे मौके पर मौजूद लोगों ने किसी तरह नाकाम कर दिया। बीच-बचाव करने पर आरोपी ने पीड़ित पर लाठी-डंडे से हमला कर दिया, जिससे उन्हें कई जगह चोटें आईं। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग एकत्र हो गए। लोगों को आता देख आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गया।

पुलिस ने इस मामले में ग्राम बरखन निवासी लालता प्रसाद पुत्र डालचंद के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–प्रापण निविदाएं आमंत्रित करते हैं। **क्र.सं. 1.; ई–प्रापण निविदा सं.:** उप मु०ई०–नि०–गोण्डा–02–2026 क्लोजिंग दिनांक 23.02.2026; **कार्य का नाम:** पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के गोण्डा–बुढ़वल तीसरी लाइन परियोजना के अन्तर्गत गोण्डा कचहरी–करनैलगंज–घाघराघाट खण्ड के कमीशनिंग के पश्चात पैदल उपरिगामी पुल, लघु पुलों, प्लेटफॉर्म एवं अन्य विविध कार्यों के बकाया कार्यों का सम्पादन।; **अनुमानित निविदा मूल्य(₹):** ₹9,71,76,751.30; **बयाना राशि (₹):** ₹6,35,900/-; **निविदा प्रपत्र का मूल्य:** 00; **कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 06 (छः) माह। • बिड प्रारम्भ करने की तिथि–दिनांक 09.02.2026। • उपरोक्त ई–निविदा सबमिसन की अन्तिम तिथि– दिनांक 23.02.2026 को 15:00 बजे तक। • उपरोक्त ई–निविदा खुलने की तिथि दिनांक 23.02.2026 को 15:30 बजे। • निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्तें वेबसाइट **https://ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है। • निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होंगे। **श्री संजय कुमार श्रीवास्तव, सकापाई/नि०/गोण्डा–I, मो० 9794844286.**

उप मुख्य इंजी०/नि० गोण्डा

मुजाधि/डब्ल्यू–441

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

सनातन धर्म, संस्कृति से भारत स्वाभाविक रूप से हिंदू राष्ट्र

मढ़ीनाथ में आयोजित हुए हिंदू सम्मेलन में मंचासीन मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता।

कार्यालय संवाददाता,बरेली

अमृत विचार : मढ़ीनाथ नगर की बस्ती में शनिवार को हिंदू सम्मेलन का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर उमाकांतानंद महाराज ने कहा कि सनातन धर्म, संस्कृति और समाज के कारण भारत स्वाभाविक रूप से हिंदू राष्ट्र है। सभी हिंदुओं को एकजुट होकर राष्ट्र की संस्कृति की सुरक्षा के लिए तत्पर रहना चाहिए।

श्री बाला जी महाराज हिन्दू सम्मेलन समिति की ओर से आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। मुख्य वक्ता विभाग सेवा प्रमुख डॉ. रवि शरण ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों ने निस्वार्थ सेवा के द्वारा समाज में एक विशेष पहचान बनाई है। बीते 100 वर्ष की यात्रा में स्वयंसेवकों ने किसी भी आपदा के समय पूरे मनोयोग से सेवा कार्य किया है। कोरोना महामारी के समय स्वयं सेवकों ने अपने प्राणों की परवाह किए बिना लोगों को हर प्रकार की सहायता पहुंचाई। अध्यक्षता राकेश गुप्ता ने की। मुख्य वक्ता डॉ. वंदना शर्मा, नरेश माहेश्वरी, डॉ राजीव, राजीव सिंह, अनुज, रिषभ, सतीश, एमपी सिंह, सौरभ आदि मौजूद रहे।

बेटी पर आने वाला है संकट बोल टप्पेबाजों ने उतरवाए जेवर

बरेली,अमृत विचार : टप्पेबाजों ने बेटी को स्कूल लेने जा रही महिला को बातों में लेकर सभी जेवर उतरवा लिए। उसके बाद महिला को चार कदम आगे चलने को कहा। महिला ने बाद में पीछे मुड़कर देखा तो दोनों आरोपी गायब हो चुके थे। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

इज्जत नगर थाना क्षेत्र के वीर सावरकर नगर निवासी सीमा गंगवार ने बताया कि बुधवार को वह बेटी रितिशा को स्कूल लेने जा रही थी। जब वह चौराहे पर पहुंची तभी दो युवक उससे पता पूछने लगे। उसने दोनों को पता बताया। फिर दोनों ने बोतल देखकर पानी मांगा तो उन्होंने उसे खरीदकर दे दिया। महिला को बातों में लेकर कहा कि उसकी बेटी के ऊपर संकट आने वाला है। महिला ने उपाय पूछा तो शुद्धिकरण की बात कही। और गहने उतरवा लिए। सीमा ने टाप्स, अंगूठी दे दी। फिर चार कदम चलनेको कहा। पीछे मुड़कर देखा तो दोनों युवक गायब थे।

भागवत कथा में शिव-पार्वती विवाह प्रसंग का किया वर्णन

संवाददाता, देवरनियां

अमृत विचार : बसुधरन जागीर के बड़े शिव मंदिर परिसर में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में शनिवार को शिव-पार्वती विवाह प्रसंग का वर्णन किया गया। कथावाचक प्रवीत कृष्ण पाठक ने शिव-पार्वती विवाह के माध्यम से जीवन में ज्ञान और भक्ति के समन्वय का गूढ़ संदेश दिया।

कथावाचक कृष्ण पाठक।

कथावाचक ने बताया कि भगवान और शिव और माता पार्वती का विवाह. शिव-शक्ति के मिलन का प्रतीक है। जिससे सृष्टि का संतुलन बना रहता है। उन्होंने कहा कि ज्ञान और भक्ति का समन्वय ही मानव जीवन को सार्थक बनाता है। श्रीमद् भागवत कथा के दौरान राम नाम की महिमा, शिव-पार्वती के अलौकिक संबंध और सत्संग के महत्व पर विस्तार न से प्रकाश डाला गया। भूत-प्रेतों और विचित्र वेशभूषा में सजे शिवगणों के साथ शिव बारात का वर्णन सुनते ही श्रीमद् भागवत कथा के पंडाल में विवाह गीत गूंज उठे और श्रद्धालु झूमकर नाचने लगे। पूरा वातावरण भक्ति बड़े शिव मंदिर परिसर में आयोजित कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। और उल्लास से सराबोर हो गया। कहा कि जीवन में अहंकार का त्याग कर भक्ति और ज्ञान के मार्ग पर चलना आवश्यक है।

पब्लिक नोटिस

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी फरजाना पत्नी राशिद हुसैन अंसारी निवासी मोहल्ला बाग डैलीगेट नवाबगंज बरेली के है। प्रार्थी की एक किता सम्पत्ति रकबा 118.05 वर्गमी स्थित कस्बा नवाबगंज तहसील नवाबगंज जिला बरेली से सम्बन्धित एक किता बैनामा दिनांक 28.12.1994 बही नं. जिल्द 827 पेज 175 अतिरिक्त जिल्द सं. 841 पेज 43 से 46 दस्तावेज नं. 4202 फोटो कापी कराते जाते वक्त अन्य कागजों के साथ मूलरूप में एक थैले में रखा था कहीं गिर गया है काफी ढूंढने पर भी नहीं मिल पाया है। जिसकी प्रथम सूचना रिपोर्ट थाने में दी जा चुकी है। इस सम्बन्ध में किसी व्यक्ति/संस्था/बैंक को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 7 दिन के अन्दर समस्त दस्तावेजों के साथ प्रार्थी को अवगत कराने की कृपा करें।

प्रफुल्ल अग्रवाल एडवोकेट
पैनल एडवोकेट
223, बांस मण्डी, निकट शील नर्सिंग होम, बरेली।
मो. 701762341, 8899909663

नहीं टूटा स्टंट का जुनून, कॉलेज फील्ड में ट्रैक्टर से खतरनाक करतब

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार : निर्माणाधीन हाईवे पर रील बनाते समय युवक की मौत के महज एक दिन बाद भी लोगों ने कोई सबक नहीं लिया।

सोमवार को एक नामचीन स्कूल के छात्र फेयरवेल पार्टी में शामिल होने से पहले जेपीएन कॉलेज के मैदान में ट्रैक्टर से खतरनाक स्टंट करते नजर आए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, छात्र ट्रैक्टरों से तेज रफ्तार में घूमते हुए स्टंट कर रहे थे। इसी दौरान एक ट्रैक्टर असंतुलित होकर मैदान की पुलिया पर धंस गया। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि ट्रैक्टर को बाहर निकालने के लिए कई अन्य ट्रैक्टरों की मदद लेनी पड़ी। गनीमत रही कि इस दौरान कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक स्टंट करने वाले छात्र वहां से जा चुके थे। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

इसी ट्रैक्टर पर छात्रों ने स्टंट किया। ●अमृत विचार

फाइनेंशियल सेंटर से युवक सशक्त होंगे

रोटरी क्लब ने कैपिटल क्राफ्टर के सहयोग से की फाइनेंशियल सेंटर की स्थापना की।

बरेली, अमृत विचार : युवाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से रोटरी क्लब ऑफ बरेली ने कैपिटल क्राफ्टर के सहयोग से फाइनेंशियल सेंटर की स्थापना की है। केंद्र का उद्देश्य युवाओं को वित्तीय साक्षरता, निवेश समझ, उद्यमिता, आधुनिक वित्तीय कौशल से जोड़ना है।

शनिवार को सेंटर का उद्घाटन डिस्ट्रिक्ट काउंसलर डॉ. एके चौहान, अध्यक्ष डॉ. मनीष शर्मा व कैपिटल क्राफ्टर के डायरेक्टर संदीप तिवारी ने किया। क्लब अध्यक्ष डॉ. मनीष शर्मा ने बताया कि फाइनेंशियल सेंटर युवाओं को सही मार्गदर्शन, उपलब्ध कराएगा, सेंटर के माध्यम से युवाओं के लिए विभिन्न शॉर्ट-टर्म और सर्टिफिकेट कोर्स निशुल्क संचालित किए जाएंगे। कैपिटल क्राफ्टर के डायरेक्टर संदीप तिवारी ने बताया कि इस केंद्र के माध्यम से निवेश, और काउंसलिंग सत्र आयोजित किए जाएंगे। सचिव डॉ. शेखर यादव, अरविंद भटनागर, डीपी सिंह, अनुराग सक्सेना, विपिन गर्ग, विनय सक्सेना, एएस अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

खबरें www.amritvichar.com पर भी पढ़ें

पब्लिक नोटिस

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती मंजू सिंह पत्नी सुमित सिंह उर्फ सन्तू सिंह निवासी ग्राम शाहदुल्लागंज, तहसील दातागंज, जिला बदायूं का एक प्लाट स्थित ग्राम सनईया धनसिंह तहसील व जिला बरेली, गाटा सं. 521 का अंश भाग जिसकी कुल आराजी 85.28 वर्गमीटर है। उक्त मकान को यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया शाखा कैण्ट, जिला जबलपुर मध्यप्रदेश से व्यापार हेतु लोन वास्ते बंधक रख रहे है। इस सम्पत्ति की बाबत पिछले दो मूल विक्रय पत्र प्रथम विक्रय पत्र जिसकी रजिस्ट्री कार्यालय सब रजिस्ट्रार बरेली में बुक नं. वाल्यूम 2884 पेज नं. 125–126 सीरियल नं. 9164 दिनांक 22.09.1988 बरेली में हुयी है एवं द्वितीय मूल विक्रय पत्र जिसकी रजिस्ट्री कार्यालय सब रजिस्ट्रार बरेली में हुयी है एवं द्वितीय मूल विक्रय पत्र जिसकी रजिस्ट्री कार्यालय सब रजिस्ट्रार में बुक नं. 1 वाल्यूम 3028 पेज नं. 211–230 सीरियल नं. 3943 दिनांक 20.05.2009 बरेली में हुयी है, कहीं खो गया है, जिसकी सूचना दिनांक 30.01.2026 को पुलिस को LAR20260000124627 के द्वारा दी जा चुकी है। इस विक्रय पत्र की अनुपलब्धता के विषय में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के अंदर अपनी आपत्ति व्यक्तिगत रूप से समस्त दस्तावेजों व साक्ष्यों सहित मेरे कार्यालय में समान्य कार्य दिवस की समान्य अवधि में प्रस्तुत कर सकता है। उक्त अवधि में आपत्ति प्राप्त न होने पर यह मानते हुये कि इस विषय में किसी को कोई आपत्ति नहीं है। उपरोक्त ऋण जारी कर दिया जायेगा।

द्वारा-शरद चन्द्र मिश्रा-एडवोकेट
चै.नं. 39, ट्रेजरी रोड, कचहरी, बरेली।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बदायूॅ/पीलीभीत वृत्त, लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक 444/7निविदा(पी0डी0)(ई–टेण्डर)–08/2025–26 दिनांक 19.01.2026

ई0–निविदा आमंत्रण सूचना

1- महामहिम राज्यपाल उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बदायूॅ/पीलीभीत वृत्त, लो0नि0वि0, बरेली के द्वारा प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बदायूॅ के क्षेत्र के अन्तर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ई–निविदा प्रतिशत दरों पर आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र बेवसाइट/पोर्टल पर दिनांक 03.02.2026 से दिनांक 19.02.2026 की मध्यान्ह 12:00 बजे तक उपलब्ध रहेगें एवं तकनीकी बिड दिनांक 19.02.2026 को अपरान्ह 12:30 बजे खोली जायेगी।

कार्य का नाम	लागत (लाख रू0 में)			विड सिक्यूरिटी (रू0 लाख में)	बिड डाक्यूमेन्ट का मूल्य (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने का समय	फर्म/ठेकेदारों की आवश्यक पंजीकरण श्रेणी (मार्ग कार्य)
	अनुमानित निर्माण लागत	05 वर्षीय अनुरक्षण की लागत	कुल अनुमानित लागत				
1	2	3	4	5	6	7	8
जनपद बदायूँ की विधान सभा दातागंज के अन्तर्गत पुवायां तिलहर दातागंज बदायूँ मार्ग (राज्य मार्ग संख्या–126) से गुलड़िया लिंक मार्ग (अ0जि0मा0) के किमी0 01 से 2(610) में मार्ग का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य।	210.00	5.25	215.25	12.80	2714.00	12 माह	A

2.निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तो हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग इन किया जा सकता है।

(नरेश कुमार)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,बदायूॅ

(के0के0सिंह)
अधीक्षण अभियन्ता
बदायूँ/पीलीभीत वृत्त, लो0नि0वि0,बरेली

UP-244940 दिनांक 30.01.2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

स्कूल में मदर्स मीटिंग की शुरुआत

संवाददाता, सिरौली

अमृत विचार: भागदौड़ भरी जिंदगी और कामकाज की व्यस्तता के कारण पिताओं के पास स्कूल की पेरेंट्स-टीचर मीटिंग के लिए समय का अभाव रहता है। इसी समस्या को समझते हुए विद्यालय की प्रधानाचार्या दुर्गा सिंह चौहान ने पेरेंट्स मीटिंग के स्थान पर ''मदर्स मीटिंग'' की शुरुआत की है।

इस विशेष पहल के अंतर्गत उन माताओं पर विशेष ध्यान दिया गया जो बच्चों की शिक्षा और अनुशासन के प्रति सजग हैं। प्रधानाचार्या ने ऐसी माताओं को चिन्हित कर उन्हें गिफ्ट देकर सम्मानित किया, जिनके बच्चे:नियमित रूप से पूरी और साफ-सुथरी यूनिफॉर्म में स्कूल आते हैं। जिनकी माताएं स्कूल की बैठकों में सक्रिय भूमिका निभाती हैं। जो घर पर बच्चों का क्लास वर्क चेक करती हैं और होमवर्क समय पर पूरा कराने में मदद करती हैं। प्रधानाचार्या का मानना है कि एक शिक्षित और जागरूक माँ पूरे परिवार और बच्चे के भविष्य की नींव होती है। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्रबंधक शिव शंकर शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आए सभी अभिभावकों और अतिथियों के लिए जलपान की भी उचित व्यवस्था की गई थी।

मदर्स मीटिंग में मौजूद बच्चों की माता। ●अमृत विचार

प्रबंधक नेइस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि शिक्षा केवल स्कूल तक सीमित नहीं है घर पर माताओं का सहयोग बच्चों को अनुशासित बनाने में महत्वपूर्ण है। इस मीटिंग का मुख्य उद्देश्य स्कूल और घर के बीच के संवाद को मजबूत करना था ताकि बच्चों के शैक्षिक स्तर में सुधार लाया जा सके। इस ''मदर्स मीटिंग'' की सफलता ने यह साबित कर दिया कि यदि माताओं को उचित मार्गदर्शन और सम्मान मिले, तो वे बच्चों के शैक्षणिक प्रदर्शन को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकती हैं। कार्यक्रम में सतेन्द्र शर्मा, देवकी नंदन,आकृति गुप्ता,शिम्मी गुप्ता, जमन जैदी, राहुल सिंह,नीतू शर्मा आदि स्टाफ मौजूद रहा।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 684/413सी0(ई0टेण्डर)–3/2025–26 दिनांक 24.01.2026

अल्पकालीन ऑन–लाइन निविदा आमंत्रण सूचना (द्वितीय वार)

1– महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के द्वारा प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बरेली के कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार लो0नि0वि0 में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से प्रतिशत दरों पर ई–निविदा दिनांक 03.02.2026 से दिनांक 10.02.2026 की मध्यान्ह 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 10.02.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे ऑन–लाइन खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:–

क्र0 सं0.	कार्य व योजना का नाम	खण्ड का नाम	अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य((निविदा शुल्क+ स्टेशनरी+ जी0एस0टी0)	ठेकेदारो की पात्रता श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
	वित्तीय वर्ष 2025–26 में विशेष मरम्मत के कार्य						
1	फरीदपुर ब्रान्च कैनाल कुआं डांडा सम्पर्क मार्ग।	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बरेली	91.90	6.60	02 माह	2725.00	ए, बी (मार्ग कार्य)
2	जनपद बरेली में बल्लिया शीशगढ़ मार्ग से रामपुर की सीमा तक (अ०जि०मा०) की मरम्मत का कार्य।	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बरेली	41.40	4.07	02 माह	2725.00	ए, बी, सी (मार्ग कार्य)

2– निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

(भगत सिंह)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड लो0नि0वि0 बरेली

(प्रकाश चन्द्र)
अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत, लो0नि0वि0 बरेली

UP-244995 दिनांक 30.01.2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बदायूॅ/पीलीभीत वृत्त, लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक 563/76सी0(ए0) (ई–टेण्डर)–08/2025–26 दिनांक 22.01.2026

अल्पकालीन ई0–निविदा आमंत्रण सूचना

1.महामहिम राज्यपाल महोदय, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बदायूॅ/पीलीभीत वृत, लो0नि0वि0, बरेली के द्वारा प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, पीलीभीत के क्षेत्र में निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार आइटम दरों पर (Item Rate Bids) ई–निविदा दिनांक 03.02.2026 से दिनांक 11.02.2026 की मध्यान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदादाता बिड से संबंधित अभिलेख जैसे कि कान्ट्रेक्ट डाटा, प्रपत्र, शर्तें, विषिष्टियॉ, बिल ऑफ क्वांन्टिटी आदि एवं बिड की संषोधित/परिषिष्ट शर्ते इत्यादि का भली–भॉति परीक्षण कर लें। निविदा दिनांक 11.02.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे खोली जायेगी।

कार्य का नाम	अनुमानित लागत	विड सिक्यूरिटी (रू0 लाख में)	बिड डाक्यूमेन्ट का मूल्य (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने का समय
1	2	3	4	5
वित्तीय वर्ष 2025–26 जनपद पीलीभीत में पीलीभीत बस्ती मार्ग के किमी0 6 से लिपुलेक भिण्ड मार्ग के किमी0 372 तक पीलीभीत बाईपास मार्ग का विशेष मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य।	720.41	14.50	2714.00	8 माह

2.निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तो हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग इन किया जा सकता है।

(राजेष चौधरी)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, पीलीभीत

(के0 के0 सिंह)
अधीक्षण अभियन्ता
बदायूँ–पीलीभीत वृत, लो0नि0वि0, बरेली

UP-244950 दिनांक 30.01.2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

जो कुझ साडे अंदर वस्से
ज़ात असाडी सोई
जिस दे नाल मैं न्योंह
लगाया ओही जैसी होई

बुल्ले शाह कहते हैं, जो हमारे अंदर बस रहा है, अब तो वही हमारी जात है। अब तो हालत यह है कि जिसके साथ हमने प्रेम किया है, हम उसी जैसे हो गए हैं।

वर्तमान हमारे अतीत का ही विस्तार है

गांधी जी जीवित होते तो आज 156 साल के होते। दो दिन पहले उनकी पुण्यतिथि थी। वे बहुत गहराई से याद किए गए। उन्होंने विश्व इतिहास में हस्तक्षेप किया और काल की अखंड सत्ता को प्रभावित किया। काल है भी अखंड सत्ता। सारी घटनाएं समय के भीतर होती हैं। अथर्ववेद (19.53-54) में भृगु कहते हैं, 'काल-अश्व विश्व-रथ का संवाहक है। काल ही पिता है, वही आगे पुत्र होता है। काल में प्राण हैं, मन हैं, सारे नाम हैं, काल की अनुकूलता ही आनंद है। काल स्वयंभू है। काल के द्वारा ही भूत और भविष्य पैदा हुए हैं आदि आदि।' समय पकड़ में नहीं आता। घटनाएं घटती हैं, घटना अतीत है। अतीत की घटनाओं का यथातथ्य संकलन इतिहास है। प्राचीन राष्ट्र की घटनाएं करोड़ों की संख्या में होती हैं।

> भारत में 'इतिहास के इतिहास' पर बहसें चलती हैं। यूरोपीय विद्वान भारत पर इतिहास की उपेक्षा का आरोप लगाते हैं। मैक्समूलर ने लिखा, 'हिंदू दार्शनिकों की एक जाति थी। उनका संघर्ष विचारों का संघर्ष था। उनका अतीत सृष्टि की समस्या थी, उनका भविष्य अस्तित्व का प्रश्न था। यह कहना सही है कि विश्व के राजनीतिक इतिहास में भारत का कोई स्थान नहीं है।' मैक्समूलर को वैदिक और पौराणिक सहित प्राचीन इतिहास में राज्यव्यवस्था नहीं दिखाई पड़ती।

भारत ऐसा ही राष्ट्र है। मूलभूत प्रश्न है कि घटनाओं के संकलन में संकलनकर्ता की रुचि क्या है? रुचि क्यों है? कुछेक विद्वान युद्ध प्रिय होते हैं, वे युद्धों का इतिवृत्त संकलित करते हैं। कुछ विद्वान प्रकृति प्रेमी होते हैं, वे प्राकृतिक परिवर्तनों के संकलन को इतिवृत्त का विषय बनाते हैं। मार्क्सवाद सोच के विद्वान उत्पादन पद्धति की विवरणी का संकलन करते हैं। इतिहास अतीत का दर्पण होता है, लेकिन इतिहास लेखन या संकलन की कोई भी शैली प्राचीन समाज या राष्ट्र का संपूर्ण विवरण नहीं हो सकती। जैसे समुद्री लहरों की गणना असंभव होती है, वैसे ही इतिहास संकलन का काम भी बड़ा जटिल है, इसलिए इतिहास का रूप स्वरूप और इतिहास खोजना बहुत कठिन काम है।

भारत में 'इतिहास के इतिहास' पर बहसें चलती हैं। यूरोपीय विद्वान भारत पर इतिहास की उपेक्षा का आरोप लगाते हैं। मैक्समूलर ने लिखा, 'हिंदू दार्शनिकों की एक जाति थी। उनका संघर्ष विचारों का संघर्ष था। उनका अतीत सृष्टि की समस्या थी, उनका भविष्य अस्तित्व का प्रश्न था। यह कहना सही है कि विश्व के राजनीतिक इतिहास में भारत का कोई स्थान नहीं है।' मैक्समूलर को वैदिक और पौराणिक सहित प्राचीन इतिहास में राज्य व्यवस्था नहीं दिखाई पड़ती। एलफिंसटन को सिकंदर के हमले के पूर्व किसी भी घटना का निश्चित समय नहीं दिखाई पड़ता। उन्होंने 1839 में लिखा, 'भारतीय इतिहास में सिकंदर के आक्रमण के पूर्व किसी सार्वजनिक घटना की तिथि निश्चित नहीं की जा सकती है।' विटरनिट्ज यहां काव्य, नायकत्व और इतिहास का घालमेल देखते हैं। अलबरूनी के आरोप ज्यादा सख्त है कि 'हिंदू चीजों (घटनाओं) के ऐतिहासिक क्रम पर अधिक ध्यान नहीं देते। वे अपने सम्राटों के काल क्रमानुसार उत्तराधिकार के वर्णन में लापरवाह हैं।'

गांधीजी को यह सब खासा बुरा लगा था। राष्ट्रबोध की वास्तविक शर्त सच्चा इतिहास बोध है। गणित, ज्योतिष, चिकित्सा आदि के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियां विश्वख्यात थीं। भारत ने इतिहास संकलन की अपनी विशेष परंपरा विकसित की थी, लेकिन यूरोपीय तर्ज के इतिहासविद् भारत को इतिहासविहीन बता रहे हैं। गांधी जी राजाओं के विवरण को सच्चा इतिहास नहीं मानते थे। उन्होंने हिंद स्वराज में लिखा, 'इतिहास जिस अंग्रेजी शब्द (हिस्ट्री) का तरजुमा है और जिस शब्द का अर्थ बादशाहों या राजाओं की तवारीख होता है। हिस्ट्री में दुनिया के कोलाहल की ही कहानी मिलेगी। राजा लोग कैसे खेलते थे? कैसे खून करते थे? कैसे बैर करते थे, यह सब हिस्ट्री में मिलता है।' गांधी जी ने यूरोपीय इतिहास की अंतर्वस्तु को ठीक ही सिर्फ खूनखराबे का संग्रह बताया है।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष
उत्तर प्रदेश

अतीत और वर्तमान दो नहीं हैं, वर्तमान अतीत का ही विस्तार है। अतीत निर्जीव सत्ता नहीं है, वर्तमान बीते प्राणवान समय का ही चेहरा है, इसलिए पुराने समय के पर्वत, वन उपवन, पशु, पक्षी और ग्रहदशा तथा गीत, नृत्य भी वर्तमान काल में किसी न किसी रूप में मौजूद रहते ही हैं। इतिहास और वर्तमान का संबंध अविच्छिन्न है। इतिहास में मनुष्य के कर्म अनुभव होते हैं। भूलें चूकें और जय पराजय होती हैं। मनुष्य उनसे सीखता है।

वर्तमान की वस्तुनिष्ठ व्याख्या का उपकरण भी इतिहास ही है। इतिहास मनुष्य जीवन की प्रयोगशाला है। समाज इसी प्रयोगशाला के निष्कर्षों के अनुसार सही, गलत, करणीय या अकरणीय और अनुकरणीय कार्यों विचारों की सूची बनाता है, इसलिए इतिहास संकलन का काम वैज्ञानिक जैसा है, लेकिन दोनों के लक्ष्य में आधारभूत अंतर हैं। विज्ञान प्रकृति का विश्लेषण करता है, उसके निष्कर्ष अंतिम नहीं होते। प्रकृति विराट है, यहां अनंत रहस्य हैं। विज्ञान द्वारा जाना गया कोई भी तथ्य संपूर्ण या अंतिम सत्य नहीं होता। इतिहास 'हो चुके' का विवरण है। अतीत में अब कुछ भी नया होने की संभावना नहीं है, जो हो गया, उसी का तथ्यगत संकलन इतिहास है।

गांधी जी इतिहास निर्माता थे, लेकिन स्वयं एक अच्छे इतिहास लेखक भी थे। अनेक विद्वानों ने गांधी जी की लिखी 'दक्षिण अफ्रीका के सत्याग्रह का इतिहास' पुस्तक की प्रशंसा की है। गांधी जी की इस किताब का पहला अध्याय है 'भूगोल'। इतिहास की घटनाएं एक खास भूक्षेत्र पर घटित होती हैं। भूक्षेत्र का रूप-स्वरूप स्थायी नहीं रहता। उत्पादन के साधनों में भी परिवर्तन होते हैं, इसलिए इतिहास के सम्यक् अध्ययन में भूगोल की महत्ता है। वैदिक कवि भी अपने परिवेश, नदियों, पर्वतों का दिल खोल कर वर्णन करते थे। साथ में तत्कालीन अर्थव्यवस्था का काव्य बिम्ब भी खींचते थे।

गांधी जी ने भी दक्षिण अफ्रीका के तत्कालीन अर्थतंत्र का वर्णन किया- दक्षिण अफ्रीका के गाय और बैल हिंदुस्तान के गाय-बैलों से से अधिक बड़े और मजबूत होते हैं।' दक्षिण अफ्रीका में अंगूर हैं, अन्य मीठे फल हैं। आम भी है, लेकिन गांधी जी के अनुसार आमों की गुठलियां हिंदुस्तानी ही ले गए थे। गांधी जी ने इतिहास लेखन में भाषा को भी प्रमुख स्थान दिया है। मार्क्सवादी चिंतक डॉ. रामविलास शर्मा ने याद दिलाया है 'जो लोग नस्लवादी दृष्टि से इतिहास लिखते हैं, उनके लिए अफ्रीका का इतिहास काले आदमियों का इतिहास है। गांधी जी का दृष्टिकोण इससे भिन्न है। वह काले आदमियों में उनकी भाषाओं और जातियों की पहचान करते हैं।'

अध्ययन के सभी विषयानुशासन मनुष्य के गढ़े हैं, मनुष्य के लिए हैं। वृहत्तर मानवता का लोकमंगल ही सभी विषयों के ज्ञान का लक्ष्य है। इतिहास में लोकमंगल साधने का कर्मयोग और व्यवहार शास्त्र पसरा हुआ है। स्वाभाविक ही इतिहास लेखन, संकलन और अध्ययन का कार्य लोकमंगल के लक्ष्य से जुड़ा होना चाहिए। मूलभूत प्रश्न यह है कि भारतीय उपमहाद्वीप की इतिहास देखने की प्राचीन दृष्टि क्या थी? क्या मिथकीय ही थी? क्या तथ्यों को झुठलाने की लत थी? क्या महाकाव्यों पुराणों और उसके भी पहले रचे गए वैदिक साहित्य के नायक काल्पनिक ही हैं? पूर्वजों की ऐसी ही इतिहास दृष्टि क्यों थी?

आधुनिक इतिहासकारों का एक वर्ग इतिहास में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को सही और जरूरी मानता है। इस दृष्टिकोण से वैदिक साहित्य-इतिहास में क्या खामियां हैं? क्या मार्क्सवाद इतिहास लेखन ही वैज्ञानिक है? इस तरह तो कार्ल मार्क्स के पहले का समूचा इतिहास लेखन अवैज्ञानिक होगा? ऐसी प्रश्नावली बड़ी हो सकती है। मसलन क्या पुरातात्विक साक्ष्य ही प्रमाण है? शब्द अनुभूति श्रुति स्मृति क्यों बकवास हैं? उसी कालखंड का प्रेमपूर्ण समाज क्यों महत्वपूर्ण नहीं है?

क्या टूटी सड़कें ही गांव से गुजरेंगी!

हर गांव की सांसें उसके रास्तों से जुड़ी होती हैं। यह रास्ते केवल मिट्टी और पत्थरों का बंधा हुआ मार्ग नहीं होते, बल्कि उससे गुजरने वाले हजारों लोगों के जीवन की धड़कन होते हैं। वे उनकी दिन-प्रतिदिन की मुश्किलों और भविष्य की उम्मीद का मिश्रण होते हैं। बात जब गांव की सड़कों विशेषकर उत्तराखंड जैसे पहाड़ी इलाकों के ग्रामीण क्षेत्रों की होती है, तो इसका महत्व और भी बढ़ जाता है।

गांव के लोग कहते हैं कि उनकी आवाज नीति निर्धारकों तक पहुंच नहीं पाती, जिसके कारण वह अपने क्षेत्र को बेहतर बनाने की दौड़ में पीछे छूट जाते हैं। उनके प्रयासों का परिणाम केवल टूटी राहों के रूप में मिलता है, न कि बेहतर जीवन की रूपरेखा के रूप में। रेत तथा पत्थरों से ढंकी इन ऊंची-नीची धूल भरी सड़कों ने गांव के लोगों के दैनिक जीवन को कठिन बना दिया है। घरों से बुजुर्ग, युवा और बच्चे प्रत्येक दिन उसी दर्द को झेलते हैं, जिसमें सड़कें अक्सर गड्ढों से भरी रहती हैं। हर साल बारिश के मौसम में यह दिक्कत और भी बढ़ जाती है। कई बार इन मार्गों पर से होकर गुजरना इतना खतरे भरा हो जाता है कि लोग अस्पताल पहुंचने में देरी का सामना करते हैं, जिंदगी से जूझते हुए घर लौटते हैं, या बुनियादी चीज़ों तक नहीं पहुंच पाते।

आंचल
एक्टिविस्ट

उत्तराखंड का भौगोलिक स्वरूप पहाड़ों, घाटियों और संकरी दरारों से बना है। ऐसे में सड़कें हर गांव को जोड़ने की एक जीवनदायिनी कड़ी होती हैं, लेकिन इन कड़ियों की मजबूती रोज़मर्रा की आवश्यकता बनती जा रही है, उसी तरह लोगों को अपने घर से शहर तक पहुंचने, इलाज कराने, बच्चों को स्कूल भेजने और रोजगार के साधन खोजने की अपेक्षा बढ़ती जा रही है। गांव की सड़कों पर अधूरे काम, गड्ढों और कमजोर निर्माण के कारण यह कड़ी अक्सर टूटती नजर आती है। जहां सरकार की योजनाओं के तहत कई परियोजनाएं उत्तराखंड में ग्रामीण मार्गों को जोड़ने और सुधारने के लिए चल रही हैं, वहां हकीकत और लोगों की दास्तान अक्सर विपरीत रहती है।

> उत्तराखंड का भौगोलिक स्वरूप पहाड़ों, घाटियों और संकरी दरारों से बना है। ऐसे में सड़कें हर गांव को जोड़ने की एक जीवनदायिनी कड़ी होती हैं। लोगों को अपने घर से शहर तक पहुंचने, इलाज कराने, बच्चों को स्कूल भेजने और रोजगार के साधन खोजने की अपेक्षा बढ़ती जा रही है।

वर्ष 2025 में भारी बारिश से 166 ग्रामीण सड़कें बंद हो गईं थीं और कई पुल क्षतिग्रस्त हो गए थे। इससे ग्रामीण जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।

इस तरह की कठिन परिस्थितियों के चलते गर्भवती महिलाओं के लिए स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचना एक बड़ा सवाल बन जाता है। अस्पताल जाने के लिए कई किमी ऊबड़-खाबड़ रास्तों को पार करना पड़ता है, जिससे संभावित जीवन-संघर्ष और तनाव का सामना करना पड़ता है। उत्तराखंड में अनेक ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसी ही परिस्थितियां देखने को मिलती हैं, जहां कठिन रास्तों ने लोगों की उम्मीदों को पहाड़ों की तरह खड़ा कर दिया है। जो लोग रोज़मर्रा की इन राहों पर चलते हैं, उनकी आवाज़ की यही पुकार है कि इन मार्गों को स्थाई और मजबूत बनाया जाए, ताकि जीवन की कठिनाइयां कम हों और वे अपने सपनों की ओर बिना किसी अतिरिक्त बोझ के बढ़ सकें।

संत रविदास के वचन और इतिहास

संतों महात्माओं का जीवन चरित्र अक्सर रहस्यमय बनकर रह जाता है। संत रविदास के बारे में भी यही बात लागू होती है। रविदास जी के जीवन के संबंध में जो भी थोड़ी सी जानकारी प्राप्त होती है, उसके अग्रसारित तीन प्रकार हैं। 1-रविदास जी की अपनी वाणी, जिसमें जगह-जगह प्रसंगवश उनके जीवन से संबंधित कुछ घटनाओं का संकेत है। 2- उनके समकालीन संतों व भक्तों की रचनाएं, जिनमें रविदास जी के बारे में थोड़ा बहुत उल्लेख पाया जाता है। 3- कुछ प्रमुख ऐतिहासिक व्यक्ति, जिनसे रविदास जी का संबंध माना जाता है।

रविदास जी की वाणी का प्राचीनतम संग्रह आदि ग्रंथ में मिलता है, जिसमें अनेक जाति व धर्म के संतों की बातें संकलित हैं। इसका संकलन गुरु अर्जुन देव महाराज ने किया था। यह ग्रंथ 1640 ईस्वी में संपूर्ण हुआ था। इसमें रविदास जी के 40 पद हैं। इनमें से 22 पद कुछ परिवर्तन के साथ रविदास वाणी की अन्य पांडुलिपियों में भी मिलते हैं। इन पांडुलिपियों के आधार पर संत गुरु रविदास वाणी नामक पुस्तक डॉ. बीडी प्रसाद शर्मा ने संवत 2035 में प्रकाशित की है, जिसमें 177 पद और 41 सखियां संग्रित हैं। आचार्य पृथ्वी सिंह आजाद द्वारा लिखित पुस्तक रविदास दर्शन 1973 ईस्वी में प्रकाशित है। इसी प्रकार रविदास जी के समकालीन संत कबीर और गुरु नानक को बोलियों का प्रमाण रविदास जी का जीवन काल निर्धारण करने में विशेष महत्व रखता है।

करन सिंह मौर्य
वरिष्ठ पत्रकार

जहां तक ऐतिहासिक प्रमाणों का संबंध है, संत रविदास और संत कबीर दोनों ही अपनी-अपनी वाणी में एक-दूसरे का वर्णन करते हैं। एक अन्य घटना जो रविदास जी के जन्म और मृत्यु काल को निश्चित करने में सहायक हो सकती है, वह मीरा बाई का उनसे दीक्षा लेना। आचार्य पृथ्वी सिंह आजाद के अनुसार, रविदास जी का जन्म विक्रमी संवत 1433 (1373 ईस्वी) में माघ शुक्ल पूर्णिमा दिन रविवार को हुआ। गुरु रविदास जी के जन्म के संबंध में संत करम सिंह लिखित एक दोहा प्रचलित है-चौदह सौ तैंतीस की माघ सुदी पंदरास। दुखियों के कल्याण हित प्रगति स्री रविदास।

रविदास जी की मृत्यु के बारे में एक अन्य दोहा प्रचलित है, जिससे यह सिद्ध होता है कि रविदास जी की मृत्यु 1527 ईस्वी में चित्तौड़ में हुई थी। पंद्रह सौ चउअसी भई चित्तौड़ मंह भीर। जर-जर देह कंचन भई, रवि-रवि मिल्यो शरीर। इस आधार पर रविदास जी की उम्र 151 वर्ष बनती है। इस पर आचार्य पृथ्वी सिंह आजाद का कहना है कि रविदास जैसे परम योगी आचार्य वन सात्विक वृत्ति वाले सद्गृहस्थ के लिए इतनी लंबी आयु भोगना कोई असंभव बात नहीं है।

बेणी प्रसाद शर्मा और धर्मपाल मैनी ने रविदास की मृत्यु को उक्त तिथि को स्वीकार करते हुए जन्म काल 1399 ई. मानकर उनका जीवन काल 128 वर्ष माना है। महात्मा चरण दास कुरील ने रविदास का जन्म काल 1414 ई. माना है। उन्होंने यह दिखाया है कि माघ शुक्ल पूर्णमा तिथि को रविवार पड़ता है, इसी कारण रविदास नाम दिया जाना संभव प्रतीत होता है। ज्ञानी बरकत सिंह आनंद तथा दर्शन सिंह ने भी इसका समर्थन किया है।

बजट: ट्रंप टैरिफ के काउंटर की उम्मीदें

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण को बजट में आर्थिक विकास की गति बनाए रखने की चुनौती होगी, क्योंकि यह ट्रंप टैरिफ के प्रभावी होने के बाद का पहला बजट है। ऐसे में टैरिफ को काउंटर करने की नीति और दूसरी ओर आर्थिक विकास की गति बरकरार रखने की आवश्यकता होगी, जिसमें मुख्य रूप से विनिर्माण, तकनीकी-नवाचार, रोजगार सृजन, ढांचागत अवसंरचना, युवा-महिला कल्याण, शिक्षा व स्वास्थ्य जैसी सुविधाओं का विस्तार के साथ ही गांव-किसान का कल्याण शामिल है।

भारत के आर्थिक सुधारों के अभियान को बीती 27 जनवरी, को भारत और यूरोपीय संघ के 27 देशों के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौते से बड़ी गति मिलने की उम्मीद है। यह न सिर्फ व्यापारिक बल्कि रणनीतिक दृष्टि से भी एक बहुत बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। भारत और यूरोपीय संघ के बीच एफटीए के लिए बातचीत का सिलसिला 20 वर्ष पुराना है। 2007 में शुरू हुई यह बातचीत 2026 के जनवरी माह में अंजाम पर पहुंची। भारत के लिए यह समझौता हर दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

> यह ट्रंप टैरिफ के प्रभावी होने के बाद का पहला बजट है, ऐसे में बजट में एक और टैरिफ को काउंटर करने की नीति और दूसरी ओर आर्थिक विकास की गति जारी रखने वाले कदमों के मद्देनजर लिए गए सुधारों की गति बरकरार रखने की आवश्यकता होगी।

यूरोपीय संघ और भारत मिलकर विश्व की जीडीपी का लगभग एक चौथाई हिस्सा हैं और वैश्विक व्यापार में इनकी भागीदारी एक तिहाई के करीब है। इनकी जनसंख्या का आकार लगभग दो अरब के आसपास है। इस समझौते के बाद भारत यूरोप के विश्व बाजार तक अपने उत्पादों को पहुंचाने में सफल होगा, जिसमें मुख्य रूप से कपड़ा, चमड़ा, आभूषण व रत्न आदि लगभग शून्य शुल्क के साथ निर्यात किए जा सकेंगे। वहीं यूरोपीय संघ के 27 देशों से तकनीकी उपकरण, ऑटोमोबाइल उत्पाद, मशीनरी, रसायन इत्यादि सस्ते दामों पर भारत मेंउपलब्ध होंगे।

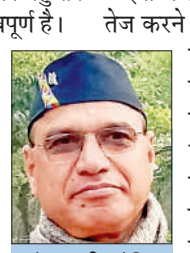

प्रो. एचसी पुरोहित
दून विश्वविद्यालय

ट्रंप टैरिफ के बाद भारत ने पिछले वर्ष आर्थिक सुधार व ढांचागत विकास को गति देने की दिशा में कई कदम उठाए। यही कारण है कि औद्योगिक उत्पादन दर बीते दिसंबर माह में पिछले दो वर्षों के शीर्षतम स्तर पर रहा, इसका कारण ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस एवं प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव सहित दर्जनों सुधार के कदमों को समझा जा सकता है। यूरोपियन संघ के साथ यह व्यापार समझौता रोजगार के नए अवसरों को उत्पन्न करेगा, जिससे घरेलू अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी।

इस व्यापार समझौते से एमएसएमई क्षेत्र के लिए नए अवसर खुलेंगे और महिलाओं, युवाओं व पेशेवरों के लिए रोजगार उत्पन्न होगा, सेवाओं के क्षेत्र में बाजार तक पहुंच बढ़ेगी, जिसमें मुख्यतः डिजिटल सेवाओं के विस्तार को अवसर मिलेगा, भारतीय पारंपरिक चिकित्सा पद्धति से जुड़े विशेषज्ञ व प्रशिक्षकों को यूरोप के देशों में कार्य करने का मार्ग प्रशस्त होगा। इस संदर्भ में मूडीज़ रेटिंग्स का भी मानना है कि यह समझौता मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के साथ रोजगारपरक केंद्रों के निर्माण में सहायक होगा।

इस बजट में आवश्यकता है कि विनिर्माण की गति तेज करने के लिए भारत को लॉजिस्टिक और नीतिगत सुधारों की रफ्तार तेज रखने के प्रावधान करने होंगे। प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव योजना से विनिर्माण क्षेत्र को काफी गति मिली है, इसको जारी रखने की आवश्यकता है। इसके साथ ही आपूर्ति श्रृंखला का सुदृढ़ीकरण किया जाना आवश्यक है। इसके लिए श्रम शक्ति का कौशल व नवाचार क्षमता बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण का प्रावधान तथा शोध व विकास कार्य को प्राथमिकता देना होगा।

महिला सशक्तिकरण, एआई, रोबोटिक्स, नवाचार के लिए अनुसंधान केंद्रों को प्रोत्साहित करना भी जरूरी है। टैरिफ वार के बीच एफटीए के माध्यम से उभरते नए बाजार-केंद्रित योजनाओं का प्रोत्साहन, डिजिटल इंडिया को केंद्र में रखते हुए डिजिटलीकरण के विस्तार पर विशेष बल देना होगा। विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) योजना के अमल में आने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था विशेष रूप से कृषि, पशुपालन, औद्यानिकी, वानिकी, मत्स्य पालन, मधुमक्खी पालन, हस्तशिल्प और डेयरी व्यवसाय इत्यादि क्षेत्रों को गति मिलेगी।

विकसित भारत व ग्रामीण विकास की इस योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए बजट में विशेष ध्यान देना होगा तभी ग्राम स्वराज की स्थापना हो सकेगी और गांव में रोजगार उपलब्ध हो सकेगा। कुल मिलाकर इस बजट पर आम और खास सभी वर्गों की नजर होगी, यह बजट विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त करने की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

सुनो नहरों की पुकार: जब आस्था पर्यावरण से संवाद करती है

जब हम पूजा, परंपरा और श्रद्धा की बात करते हैं, तो अक्सर भूल जाते हैं कि धर्म का मूल उद्देश्य जीवन की रक्षा है- विनाश नहीं। जल, जो जीवन का आधार है, वही यदि हमारी आस्था के नाम पर अपवित्र हो जाए, तो यह आत्ममंथन का विषय बनता है। 'सुनो नहरों की पुकार' ऐसा ही एक जनजागरण अभियान है, जो हमें हमारी ही भूलों से रूबरू कराता है और बताता है सच्ची पूजा क्या है!

नहरें सिर्फ़ पानी का बहाव नहीं हैं। वे खेतों की हरियाली, पशुओं की प्यास, गांवों की संस्कृति और सभ्यता की धमनियां हैं। इन्हीं नहरों के सहारे किसान अपने खेतों में सोना उगाता है। पशु जीवन पाते हैं और ग्रामीण समाज की अर्थव्यवस्था चलती है। परंतु आज यही जीवन रेखाएं हमारी असावधानी और अंधी परंपराओं के कारण कराह रही हैं।

डॉ. प्रियंका सौरभ
लेखिका

पूजा के बाद की सामग्री— मूर्तियाँ, फूल, कपड़े, प्लास्टिक, सिंदूर, अगरबत्ती, नारियल, यहां तक कि मृत पालतू पशु नहरों में प्रवाहित कर दिए जाते हैं। जो कर्म श्रद्धा के नाम पर किए जाते हैं, वे दरअसल प्रकृति के विरुद्ध अपराध बन चुके हैं।

इसी पीड़ा और चिंता से जन्मा 'सुनो नहरों की पुकार' अभियान। इसकी शुरुआत रोहतक में डॉ. जसमेर सिंह हुड्डा (संयोजक) और हिसार में माननीय भूपेंद्र सिंह गोदारा के प्रयासों से हुई। यह कोई एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि वर्षों की तपस्या और निरंतर जागरूकता का परिणाम है।

यह अभियान न किसी राजनीतिक लाभ के लिए है, न किसी संगठनात्मक प्रसिद्धि के लिए। इसका उद्देश्य केवल एक है- नहरों को प्रदूषण से मुक्त करना और समाज की सोच में बदलाव लाना। गुरेरा गांव की मिट्टी से उठे मास्टर भूपेंद्र गोदारा ने इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चले अनेक जागरूक साथी।

यह संकट केवल कृषि तक सीमित नहीं है। नहरों का पानी पीने वाले पशु, पक्षी और अन्य जीव रोगग्रस्त हो जाते हैं। वैज्ञानिक लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि जल प्रदूषण मानव स्वास्थ्य के लिए एक मौन आपदा बन चुका है। यदि नहरें बचेंगी तो खेत हरे-भरे रहेंगे, पशु-पक्षी सुरक्षित रहेंगे और आने वाली पीढ़ियां स्वच्छ जल का उपहार पाएंगी।

नासिक की पहचान बदल रहा है वाइन उद्योग

प्याज, लहसुन और फूलों समेत सब्जियों के लिए ख्यात नासिक अब वाइन उद्योग को बढ़ावा देने में लगा है, लेकिन क्या यह बाजार के अलावा व्यापक समाज के लिए भी मुनासिब होगा? अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका के देशों ने यही गलती तंबाकू के साथ की थी, जहां आम लोग एक किलो खाद्यान्न पर एक सिगरेट को प्राथमिकता देने लगे थे। क्या वाइन उद्योग भी नासिक इलाके में यही करेंगे?

महाराष्ट्र के नासिक ज़िले की सह्याद्रि पहाड़ियों में फैले 'वाइन यार्ड' आज एक ऐसे पर्यटन मॉडल का प्रतीक बन चुके हैं, जिसे आकर्षक शब्दों में 'वाइन टूरिज़्म' कहा जाता है। चमकदार ब्रांडिंग, दूर-दूर तक फैले अंगूर के बागान, टेस्टिंग रूम, कैफे, संगीत, खुले लॉन और फ़ोटो-स्पॉट। यह पूरा परिदृश्य किसी सामान्य पारिवारिक सैरगाह जैसा प्रतीत होता है, लेकिन इस आकर्षक दृश्य के पीछे एक चिंताजनक सामाजिक-सांस्कृतिक तथा पर्यावरणीय कहानी छिपी है, जिसे पर्यटन के उत्साह में अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है।

पिछले दिनों हमें ऐसे ही एक यार्ड का भ्रमण करने का अवसर मिला, जिसे 'वाइन पर्यटन' का अग्रदूत माना जाता है। यहां आने वाले पर्यटक वाइन बनाने की प्रक्रिया देखने के साथ-साथ उसे चखते हैं। स्वाद लेते हैं। बोतलें खरीदते हैं और तथाकथित 'लाइफ़ स्टाइल अनुभव' का हिस्सा बनते हैं। यही मॉडल अब नासिक और आसपास के क्षेत्रों में अन्य वाइन ब्रांड्स द्वारा भी अपनाया जा रहा है। इन सभी परिसरों में शराब को केवल एक उत्पाद के रूप में नहीं, बल्कि आधुनिकता, आनंद और सामाजिक प्रतिष्ठा के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया जाता है।

कुमार सिद्धार्थ
वरिष्ठ पत्रकार

यूं तो पर्यटन का उद्देश्य किसी स्थान की संस्कृति, प्रकृति, इतिहास और वहां के लोगों से जुड़ना होता है, लेकिन 'वाइन पर्यटन' का मौजूदा स्वरूप इससे अलग दिशा में जाता दिखता है। यहां स्थानीय ग्रामीण जीवन, किसानों की वास्तविक परिस्थितियां और क्षेत्र की पारंपरिक संस्कृति हाशिये पर चली जाती है। केंद्र में रहता है ब्रांड, बाज़ार और प्रदर्शन। यह ऐसा पर्यटन है, जिसमें आनंद उपभोग से तय होता है। भारतीय समाज की सामूहिकता, सादगी और संयम की परंपरा इस मॉडल से सीधे टकराती है।

नासिक को भारत की 'वाइन कैपिटल' कहा जाता है। अनुमान है कि भारत में लगभग 70–80 वाइनरी हैं, जिनमें से 60 प्रतिशत से अधिक महाराष्ट्र में हैं और इनका बड़ा हिस्सा नासिक क्षेत्र में केंद्रित है। नासिक, सांगली, सोलापुर (आकलूज) और पुणे जैसे इलाकों को मिलाकर लगभग 45–50 वाइनरी सक्रिय या अर्ध-सक्रिय मानी जाती हैं। सरकारी नीतियां, निर्यात की संभावनाएं और पर्यटन इस विस्तार को लगातार गति दे रहे हैं, लेकिन यह विस्तार केवल आर्थिक अवसर नहीं लाता; इसके साथ सामाजिक और पर्यावरणीय दबाव भी बढ़ते हैं।

भारत विश्व के प्रमुख अंगूर उत्पादक देशों में शामिल है। देश में हर वर्ष लगभग 30–32 लाख टन अंगूर का उत्पादन होता है, जिसमें 55–60 प्रतिशत हिस्सेदारी महाराष्ट्र की है। नासिक अकेले भारत के कुल अंगूर उत्पादन का लगभग एक तिहाई करीब 9–11 लाख टन पैदा करता है। यह उत्पादन लगभग 1.4–1.5 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में फैली खेती से आता है।

वाइन परिसरों में सबसे चिंताजनक दृश्य बच्चों की निर्बाध मौजूदगी है। छोटे बच्चे अपने माता-पिता और अन्य वयस्कों को वाइन-टेस्टिंग करते, बोतलें खरीदते और शराब को उत्सव से जोड़ते देखते हैं। बचपन में देखे गए अनुभव ही मूल्यबोध की नींव रखते हैं। इस तरह शराब एक प्रकार के सांस्कृतिक प्रशिक्षण का हिस्सा बन जाती है, जिसका प्रभाव आने वाले दशकों में दिखाई देगा। यह केवल नैतिक प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व का मुद्दा है। असल सवाल यह है कि हम किस तरह का समाज गढ़ रहे हैं? क्या हम अपनी अगली पीढ़ी को यह सिखाना चाहते हैं कि आनंद, आधुनिकता और सामाजिक स्वीकृति का रास्ता मद्यपान से होकर गुजरता है?

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

न्यूज ब्रीफ

ओडिशा में ट्रक-बाइक टक्कर में पांच की मौत

भुवनेश्वर। ओडिशा के बरहामपुर में शनिवार को एक सड़क दुर्घटना में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गयी और कई अन्य घायल हो गए। यह हादसा हल्दीपदा चौराहे पर तब हुआ जब एक तेज रफ्तार ट्रक ने सामने से आ रही तीन मोटरसाइकिलों को टक्कर मार दी। यह भिड़ंत इतनी जोरदार थी कि चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक अन्य ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। हादसे के तुरंत बाद ट्रक ड्राइवर मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए पास के अस्पतालों में भर्ती कराया। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। सूत्रों ने बताया कि मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है क्योंकि कुछ घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है।

महिला-दो बच्चों ने ट्रेन से कटकर दी जान

हैदराबाद। हैदराबाद में 38 वर्षीय महिला ने अपने बेटे और बेटी के साथ मालगाड़ी के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली। रेलवे पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, चर्लपल्ली रेलवे स्टेशन के पास रात करीब 12:40 बजे चेंगिचेरला निवासी महिला, उसकी 18 वर्षीय बेटी और 17 वर्षीय बेटा ट्रेन के सामने कूद गए। पोस्टमार्टम के लिए तीनों के शवों को सरकारी गांधी अस्पताल के शवगृह में भेजा गया है। पुलिस ने बताया कि घटना के कारणों का अब पता नहीं चल पाया है। महिला की बेटी 12वीं की छात्रा थी और बेटा 11वीं कक्षा में पढ़ता था। महिला एक सॉफ्टवेयर कंपनी में काम करती थी जबकि पति दुबई में कार्यरत है।

कार के किराए को लेकर विवाद में व्यक्ति की हत्या

ठाणे। ठाणे जिले के शिल फाटा इलाके में एक व्यक्ति की हत्या के दो घंटे के भीतर तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि आरोपियों द्वारा अगवा किए गए एक व्यक्ति को भी मुक्त करा लिया गया। शिल दैघर पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि अमन शेख की 29 जनवरी को हत्या कर दी गई थी। यह हत्या उसके दोस्त मोहम्मद फैसल मतिउल्लाह शेख द्वारा कार किराये पर लेने से जुड़े एक वित्तीय विवाद को लेकर की गई। उन्होंने बताया, मतिउल्लाह ने सैफ खान से कार किराए पर ली थी, लेकिन दोनों के बीच सैफ खान को दिए जाने वाले किराए को लेकर विवाद हो गया। विवाद सुलझाने के लिए खान ने उसे एक होटल के पास बुलाया। खान अपने दो साथियों के साथ आया, जबकि मतिउल्लाह भी अमन समेत कुछ दोस्तों के साथ आया। दोनों समूहों के बीच बातचीत के दौरान खान और उसके साथियों ने अमन की चाकू मारकर हत्या कर दी।

दो कांस्टेबल दो हजार रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने शनिवार को बांसवाड़ा जिले के पाटन थाना क्षेत्र की छोटी सरवा पुलिस चौकी के हैड कांस्टेबल सुरेन्द्र सिहं एवं कांस्टेबल जयपाल सिंह को दो हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। सूत्रों के अनुसार परिवादी ने एसीबी बांसवाडा चौकी को शिकायत की कि उसके परिचित का अन्य लोगो के साथ हुए विवाद में उसके वाहन को पुलिस थाना पाटन में रखा गया था और प्रकरण की जांच कर रहे हैड कांस्टेबल सुरेन्द्र सिंह परिवादी को उसके वाहन के नुकसान की उचित राशि दिलाने एवं वाहन सुपुर्द करने की फाईल तैयार करने के लिए अपने मुंशी कांस्टेबल जयपाल सिंह के लिए रिश्वत की मांग कर परेशान किया जा है।

आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करना सार्वभौमिक मानदंड बने

नई दिल्ली, एजेंसी

अरब लीग के विदेशमंत्रियों के सम्मेलन को संबोधित करते एस जयशंकर।

- **भारत-अरब लीग देशों के विदेश मंत्रियों के सम्मेलन में भारत ने दमदारी से उठाया मुद्दा**

भारत ने शनिवार को अरब लीग के सदस्य देशों से स्पष्ट रूप से कहा कि आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करना एक अडिग सार्वभौमिक मानदंड होना चाहिए। विदेशमंत्री एस जयशंकर ने नई दिल्ली में आयोजित भारत-अरब लीग देशों के विदेश मंत्रियों के दूसरे सम्मेलन में यह बात कही, जिसमें अरब लीग के 19 सदस्य देशों ने भाग लिया। अरब लीग को प्रभावशाली समूह माना जाता है।

बैठक शुरू होने से पहले, कई देशों के विदेश मंत्रियों समेत प्रतिभागियों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। मोदी ने कहा, अरब जगत भारत के विस्तारित पड़ोस का हिस्सा है, जो गहरे सभ्यतागत संबंधों, जीवंत जन संपर्कों और स्थायी भाईचारे के रिश्तों के साथ-साथ शांति, प्रगति व स्थिरता के साझा संकल्प से जुड़ा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा, मुझे विश्वास है कि प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, व्यापार और नवाचार में सहयोग बढ़ने से नए अवसर पैदा होंगे और हमारी साझेदारी नई ऊंचाइयों पर पहुंचेगी।

विदेश मंत्रियों की बैठक के उद्घाटन भाषण में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि गाजा संघर्ष को समाप्त करने की व्यापक शांति योजना को आगे बढ़ाना एक साझा प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, विभिन्न देशों ने इस शांति योजना पर, व्यक्तिगत रूप से या सामूहिक रूप से, नीतिगत घोषणाएं की हैं। इसी व्यापक संदर्भ में हम क्षेत्र की चुनौतियों और संभावनाओं पर विचार कर रहे हैं। जयशंकर ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में पश्चिम एशिया में कई महत्वपूर्ण घटनाक्रम हुए हैं, जिनमें से अनेक का प्रभाव क्षेत्र से बाहर तक महसूस किया गया है। उन्होंने कहा कि इन अनेक चुनौतियों पर विचार करते हुए हमारे साझा हित की मांग है कि स्थिरता, शांति और समृद्धि जैसी ताकतों को मजबूत किए जाए। जयशंकर ने अपने संबोधन में आतंकवाद से उत्पन्न गंभीर चुनौतियों पर चिंता जताई और इसके खिलाफ वैश्विक स्तर पर समन्वित प्रयासों का आह्वान किया।

आतंकवाद के सभी रूप विश्व के लिए साझा खतरा

विदेश मंत्री ने कहा, आतंकवाद के सभी रूप एक साझा खतरा हैं। उन्होंने कहा कि सीमा-पार आतंकवाद विशेष रूप से अस्वीकार्य है, क्योंकि इससे अंतर्राष्ट्रीय संबंधों और कूटनीति के मूल सिद्धांतों का उल्लंघन होता है। जयशंकर ने कहा, जिन समाजों को आतंकवाद निशाना बनाता है, उन्हें आत्मरक्षा का अधिकार है और वे स्वाभाविक रूप से इसका उपयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि इस वैश्विक अभिशाप से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है। जयशंकर ने कहा, आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करना एक अडिग सार्वभौमिक मानदंड होना चाहिए।

गाजा में संघर्ष को खत्म करने की योजना हमारी साझा प्राथमिकता

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को अरब देशों के विदेश मंत्रियों के साथ एक सम्मेलन में कहा कि पश्चिम एशिया अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है, इसलिए हमारे साझा हितों की मांग है कि स्थिरता, शांति व समृद्धि जैसी ताकतों को मजबूत किया जाए। जयशंकर ने कहा कि गाजा संघर्ष को खत्म करने की योजना को आगे बढ़ाना आज एक व्यापक रूप से साझा प्राथमिकता है। उन्होंने यहां भारत-अरब विदेश मंत्रियों के दूसरे सम्मेलन में अपने उद्घाटन भाषण में सूडान, यमन, लेबनान और सीरिया में जारी संघर्षों को रेखांकित किया और आसपास के क्षेत्रों तथा उनके बाहर पड़ने वाले इसके प्रभावों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा इन अनेक चुनौतियों पर विचार करते हुए, हमारे साझा हित की मांग है कि स्थिरता, शांति और समृद्धि जैसी ताकतों को मजबूत किया जाए।

नीट अभ्यर्थी की मौत की सीबीआई जांच कराने की सिफारिश

पटना। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शनिवार को कहा कि राज्य सरकार ने पटना में नीट परीक्षा की तैयारी कर रही 18 वर्षीय छात्रा की हाल ही में हुई मौत की सीबीआई से जांच कराने की सिफारिश की है। इससे पहले, बिहार पुलिस एसआईटी इसकी जांच कर रहा था।

जहानाबाद की छात्रा इस महीने की शुरुआत में पटना के चित्रगुप्त नगर में हॉस्टल के कमरे में बेहोश मिली थी और कई दिन तक कोमा में रहने के बाद 11 जनवरी को मौत हो गई। छात्रा के परिवार ने उसका यौन उत्पीड़न होने और अधिकारियों पर मामले को दबाने की कोशिश करने का आरोप लगाया था। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने केंद्र से पटना में नीट छात्रा की हत्या के मामले की जांच सीबीआई को सौंपने का आग्रह किया है।

चिकन नेक भारत भूमि, कोई हाथ नहीं लगा सकता

सिलीगुड़ी में भाजपा कार्यकर्ताओं को केंद्रीय गृह मंत्री ने किया संबोधित

- **टीएमसी पर सीमा सुरक्षा उपायों में बाधा और सीमा पर बाड़ के लिए जमीन न देने का आरोप**

सिलीगुड़ी, एजेंसी

कार्यकर्ताओं की बैठक में शामिल केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और सुवेंदु अधिकारी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सिलीगुड़ी गलियारा भारत का है और किसी को भी इसको लेकर धमकी देने या इसमें छेड़छाड़ करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। सिलीगुड़ी गलियारा को आमतौर पर चिकन नेक कहा जाता है।

शाह ने सिलीगड़ी में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं की एक बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली में कुछ लोगों ने नारे लगाए थे कि भारत की मुख्य भूमि को पूर्वोत्तर राज्यों से जोड़ने वाली भूमि की इस संकरी पट्टी चिकन नेक को काट देंगे। केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि दिल्ली में कुछ लोगों ने नारे लगाए कि वे इस चिकन नेकको काट देंगे। अरे भाई, तुम इसे कैसे काटोगे? क्या यह तुम्हारे बाप की जमीन है? यह भारत की जमीन है। इस पर कोई हाथ नहीं लगा सकता। अमित शाह ने पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार जितनी भ्रष्ट कोई और सरकार देश में नहीं है। उन्होंने राज्य सरकार पर सीमा सुरक्षा उपायों में बाधा डालने और अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर बाड़ लगाने को बीएसएफ को जमीन न देने का भी आरोप लगाया।

घुसपैठियों को बचाने की कोशिश कर रही टीएमसी

शाह ने आरोप लगाया कि राज्य के अधिकारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कराने में निर्वाचन का सहयोग नहीं कर रहे। इससे पहले, उत्तर 24 परगना के बैरकपुर में भाजपा कार्यकर्ताओं की बड़ी बैठक में शाह ने टीएमसी सरकार पर घुसपैठियों को बचाने, भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने और चुनावी फायदे के लिए सीमा सुरक्षा को कमजोर करने का आरोप लगाया। शाह ने कहा कि राज्य में भाजपा की सरकार का गठन अब सिर्फ राजनीतिक मकसद नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की जरूरत है। उन्होंने दावा किया कि 2026 के विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस सत्ता से बाहर हो जाएगी।

सरकार बनते ही 45 दिनों में सीमा पर लगेगी बाड़

शाह ने कहा कि जिस तरह से पश्चिम बंगाल में घुसपैठ हो रही है, वह पूरे देश के लिए सुरक्षा का मुद्दा बन गया है। अदालत के आदेश के बाद भी टीएमसी बीएसएफ को सीमा पर बाड़बंदी के लिए जमीन नहीं दे रही है, क्योंकि घुसपैठिए उसके वोट बैंक हैं। राज्य में प्रशासन और पुलिस अवैध प्रवासियों को नहीं रोक रही है, जिन्हें जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल करके पूरे देश में भेजा जा रहा है। शाह ने कहा कि कलकत्ता हाईकोर्ट ने स्वीकार किया कि मुख्यमंत्री बनर्जी सीमा पर बाड़ लगाने को भूमि देने में सहयोग नहीं कर रही हैं। चाहे ममता हाईकोर्ट के निर्देश के अनुसार 31 मार्च तक भूमि दें या नहीं, अप्रैल में भाजपा का मुख्यमंत्री बनते ही 45 दिनों में सीमा पर बाड़ लगाने का काम पूरा कर दिया जाएगा। असम से तुलना करते हुए शाह ने कहा कि भाजपा के सत्ता में आने के बाद वहां घुसपैठ रुक गई, जबकि कांग्रेस शासन के दौरान ऐसा नहीं था। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर शाह ने कहा, ममता जितना विरोध करना चाहें करें, लेकिन यह प्रक्रिया घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची से हटाने के लिए जारी रहेगी।

राकांपा ने विलय पर साधी चुप्पी गोयल बोले- ऐसी उम्मीद नहीं

मुंबई/नई दिल्ली, एजेंसी

- **राकांपा (शप) का दावा- अजित दोनों गुटों के विलय की रखते थे इच्छा, शरद पवार ने भी स्वीकारा**

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के वरिष्ठ नेताओं ने शनिवार को पार्टी के प्रतिद्वंद्वी गुटों के विलय की संभावनाओं पर सतर्कतापूर्ण चुप्पी साधे रखी, जबकि केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि उन्हें निकट भविष्य में ऐसा होने की कोई उम्मीद नहीं है। दूसरी ओर, राकांपा (शप) के नेताओं ने दावा किया कि अजित पवार दोनों गुटों के विलय की इच्छा रखते थे लेकिन पार्टी प्रमुख शरद पवार ने स्वीकार किया कि अब इस प्रक्रिया में बाधा आ सकती है।

राकांपा के एक गुट का नेतृत्व अजित पवार कर रहे थे और दूसरे की कमान उनके चाचा शरद पवार के पास है। अजित पवार का दो दिन पहले विमान दुर्घटना में निधन हो गया था। अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार ने उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि महाराष्ट्र में महायुति सरकार के हिस्से के रूप में राकांपा ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। गोयल ने राकांपा के दोनों गुटों के विलय की चर्चा पर कहा कि व्यक्तिगत रूप से मुझे ऐसा होता नजर नहीं आ रहा। राकांपा का नेतृत्व पहले अजित पवार के पास था और अब सुनेत्रा पवार के पास है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रफुल्ल पटेल को राकांपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। मुझे नहीं लगता कि शरद पवार को राकांपा में शामिल होने आमंत्रित किया जाएगा क्योंकि उन्होंने जनता का विश्वास खो दिया है।

अंतर्राज्यीय मादक पदार्थ गिरोह का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

- **पुलिस ने जब्त किया 31 किग्रा अल्प्राजोलम टैबलेट**
- **एनसीआर, यूपी सहित कई राज्यों में सक्रिय था गिरोह**

दिल्ली पुलिस ने अंतर्राज्यीय मादक पदार्थ तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार करके उनके पास से 31 किलोग्राम अल्प्राजोलम की टैबलेट (गोलियां) जब्त किया है। एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि आरोपी कथित तौर पर हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में प्रतिबंधित मादक पदार्थ के अवैध उत्पादन, परिवहन और वितरण में लिप्त एक संगठित नेटवर्क का हिस्सा थे।

अधिकारी ने बताया कि विशिष्ट सूचनाओं के आधार पर टीम ने नंद नगरी बस डिपो के पास दो आरोपियों को उस समय गिरफ्तार किया जब वे उत्तर प्रदेश से संबंधित पंजीकरण संख्या वाली एक कार में यात्रा कर रहे थे। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान उत्तर प्रदेश के बदायूं निवासी शमीम, बुलंदशहर निवासी राजीव शर्मा और मोहित गुप्ता के रूप में हुई है। अधिकारी ने बताया कि तलाशी के दौरान पुलिस ने 31 किलोग्राम अल्प्राज़ोलम टैबलेट बरामद की, अनुमान है कि गोलियों की संख्या करीब तीन लाख है जो स्वापक ओषधि और एनडीपीएस अधिनियम में परिभाषित वाणिज्यिक मात्रा के अंतर्गत आती हैं। अधिकारियों ने बताया कि अल्प्राज़ोलम की व्यावसायिक मात्रा की सीमा 100 ग्राम है।

आरोपियों के पास से निर्माण सामग्री भी बरामद

पुलिस ने बताया कि गोलियों के अलावा, टीम ने अल्प्राज़ोलम छपा हुआ 11 किलोग्राम एल्युमीनियम फ़ॉइल, गोलियों की पैकेजिंग में इस्तेमाल होने वाली 25 किलोग्राम पीवीसी शीट रोल, बैच नंबर, निर्माण और समाप्ति तिथि अंकित 20 मुहर और परिवहन में इस्तेमाल की गई कार जब्त की। उसने बताया कि पैकेजिंग सामग्री और प्रिंटिंग उपकरणों की बरामदगी से बड़े पैमाने पर अवैध दवा निर्माण प्रतिष्ठान का संकेत मिलता है। पुलिस ने बताया कि एनडीपीएस अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत 29 जनवरी को प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

हिमाचल प्रदेश में खोल रखी थी फैक्ट्री

पूछताछ के दौरान शर्मा ने पुलिस को बताया कि वह मोहित गुप्ता के निर्देश पर हिमाचल प्रदेश में शमीम और रणदीप से अल्प्राज़ोलम की गोलियां एकत्र करता था और उन्हें बुलंदशहर की स्थानीय फार्मेसियों को आपूर्ति करता था। पुलिस के मुताबिक शमीम ने कथित तौर पर खुलासा किया कि वह और उसका साथी हिमाचल प्रदेश के परवानू में एक अवैध विनिर्माण इकाई चला रहे थे।

बंगाल : एनआईए ने बेलडांगा हिंसा की जांच की शुरू

कोलकाता। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में भड़की हिंसा की जांच शनिवार को शुरू की। यह हिंसा झारखंड में इस महीने की शुरुआत में एक प्रवासी मजदूर की मौत की खबर के बाद भड़की थी। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

एनआईए की टीम सुबह बेलडांगा पुलिस थाना पहुंची और जांच में पहले से शामिल अधिकारियों से बात की और उनसे दस्तावेज मांगे। केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देशों का अनुपालन करते हुए संघीय एजेंसी ने नए सिरे से प्राथमिकी दर्ज की है। एनआईए के एक अधिकारी ने बताया कि जांच का मुख्य उद्देश्य यह निर्धारित करना है कि क्या हिंसा किसी संगठित साजिश, भ्रामक जानकारी के प्रसार या सांप्रदायिक भावनाओं को भड़काने के लिए की गई उकसावे की कार्रवाई का परिणाम थी। बेलडांगा और आसपास के इलाकों में 16 जनवरी को उस समय तनाव फैल गया।

राष्ट्रपति भवन में खिले फूल...

नई दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में अमृत उद्यान के उद्घाटन से पहले प्रेस पूर्वावलोकन के दौरान फूल खिले। यह उद्यान 3 फरवरी से 31 मार्च तक आम जनता के लिए खुला रहेगा।

मोदी के जालंधर दौरे से पहले डेरा बल्लां और दो स्कूलों को बम की धमकी

चंडीगढ़। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जालंधर स्थित डेरा सचखंड बल्लां के मुख्यालय का दौरा करने से एक दिन पहले शनिवार को संप्रदाय और दो स्कूलों को बम विस्फोट की धमकियां मिलीं। धमकी भरे ईमेल विद्यालयों को भेजे गए हैं और संदेश के पाठ में डेरा बल्लां को सीधे धमकी दी गई है।

पुलिस प्राधिकारियों ने दोनों स्कूल के परिसर में सुरक्षा जांच शुरू कर दी है और बम निरोधक दस्तों को बुलाया गया है। अवकाश होने के कारण विद्यालयों में छात्र नहीं थे। प्रधानमंत्री का गुरु रविदास जयंती के अवसर पर रविवार को डेरा बल्लां जाने का कार्यक्रम है। पुलिस ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। इससे पहले बुधवार को चंडीगढ़ के कई विद्यालयों को धमकियां मिली थीं।

साइबर अपराधों से लोगों को बचाने के लिए बने मजबूत व प्रभावी तंत्र

जयपुर, एजेंसी

- **साइबर अपराधों पर हाईकोर्ट सख्त, दो अपराधियों की जमानत याचिकाएं कीं खारिज**

राजस्थान हाईकोर्ट ने बढ़ते साइबर अपराधों पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि कुछ वर्षों में देश में ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामलों में वृद्धि हुई है, जिससे हजारों लोग अपनी मेहनत की कमाई खो रहे हैं। न्यायमूर्ति अनूप कुमार ढंढ ने शनिवार को दो साइबर अपराधियों की जमानत याचिकाएं खारिज करते हुए कहा कि इंटरनेट के माध्यम से होने वाले अपराधों से नागरिकों को बचाने के लिए मजबूत और प्रभावी तंत्र तैयार किया जाना आवश्यक है।

ऑनलाइन बैंकिंग या किसी भी डिजिटल लेन-देन से पहले लोगों को जागरूक करना बेहद जरूरी है। इसके लिए प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, सोशल मीडिया, टेलीविजन और एफएम रेडियो के माध्यम से व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए, ताकि लोग डिजिटल धोखाधड़ी का शिकार होने से बच सकें। हाईकोर्ट ने साइबर ठगी की शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया को सरल और तेज करने पर भी ज़ोर दिया। न्यायालय के अनुसार, शिकायत प्रणाली जटिल होने के कारण कई पीड़ित समय रहते मदद नहीं ले पाते, जिससे उनका पैसा वापस पाना कठिन हो जाता है।

अदालत ने केंद्र और राज्य सरकारों के वित्त एवं गृह मंत्रालयों, राजस्थान के पुलिस महानिदेशक और रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया को निर्देश दिये हैं कि वे मिलकर ऐसा तंत्र विकसित करें, जिससे ग्राहकों की मेहनत की कमाई अनधिकृत लेन-देन से सुरक्षित रहे। साथ ही, न्यायालय ने ग्राहकों का डेटा बेचकर अपराधियों को फायदा पहुंचाने वाली सोशल मीडिया कंपनियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के आदेश दिये। अदालत ने कहा कि साइबर अपराध केवल तकनीकी चुनौती नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा का गंभीर मुद्दा बन चुके हैं।

देश की दो आर्द्रभूमि को मिला रामसर टैग

नई दिल्ली। गुजरात के कच्छ और उत्तर प्रदेश के एटा में स्थित आर्द्रभूमि को रामसर स्थलों के रूप में मान्यता दी गई है जो वैश्विक ढांचे के तहत संरक्षण के लिए अद्वितीय पारिस्थितिक तंत्रों को चिह्नित करता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एटा के पटना पक्षी अभयारण्य और कच्छ के छारी-ढंढ को रामसर स्थल घोषित किए जाने पर स्थानीय लोगों और आर्द्रभूमि संरक्षण के प्रति समर्पित लोगों को बधाई दी। मोदी ने एक्स पर कहा कि यह जानकर मुझे बहुत खुशी हुई कि एटा (उत्तर प्रदेश) में पटना पक्षी अभयारण्य और कच्छ (गुजरात) में छारी-ढंढ अब रामसर स्थल हैं। वहां के स्थानीय लोगों के साथ-साथ आर्द्रभूमि संरक्षण के प्रति समर्पित सभी लोगों को बधाई। इन दो स्थलों को नामित किए जाने से भारत में ऐसे आर्द्रभूमियों की कुल संख्या 98 हो गई है। इसका नाम ईरान के रामसर शहर पर रखा गया है, जहां उस वर्ष रामसर सम्मेलन पर हस्ताक्षर किए गए थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये मान्यताएं जैव विविधता के संरक्षण और महत्वपूर्ण पारिस्थितिक तंत्रों की रक्षा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती हैं। मोदी ने कहा कि ईश्वर करे ये आर्द्रभूमि असंख्य प्रवासी और स्थानीय प्रजातियों के लिए सुरक्षित आवास के रूप में फलती-फूलती रहें। पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने उत्तर प्रदेश और गुजरात तथा आर्द्रभूमि के समर्थकों को इन दो नए क्षेत्रों के जुड़ने पर बधाई दी।

मौसम की करवट | हिमाचल प्रदेश में होगी गरज-चमक के साथ बारिश, येलो अलर्ट जारी

हिमांक बिंदु से नीचे रहा कश्मीर में रात का तापमान

नई दिल्ली, एजेंसी

- **जम्मू-कश्मीर के कई जिलों में भारी बर्फबारी हुई, इस दौरान पुलवामा में ताजा बर्फ के बीच बैठे दो बच्चे।**

कश्मीर में शुक्रवार को रात का तापमान हिमांक बिंदु से नीचे रहा, हालांकि अधिकांश क्षेत्रों में तापमान में वृद्धि दर्ज की गई। वहीं, हिमाचल प्रदेश के लिए गरज-चमक के साथ बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया। कश्मीर में शनिवार से चिल्लई खुर्द की शुरुआत हुई और भीषण सर्दी का दौर समाप्त हुआ।

मौसम विभाग ने विशेष रूप से ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश या बर्फबारी का पूर्वानुमान जताया है। श्रीनगर शहर में शुक्रवार रात न्यूनतम तापमान शून्य से 0.1 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो पिछली रात के 1.3 डिग्री सेल्सियस से कम था। सीमा सड़क संगठन ने जम्मू-कश्मीर के डोडा-किश्तवाड़ क्षेत्र को हिमाचल प्रदेश से जोड़ने वाले 112 किलोमीटर लंबे मार्ग पर शनिवार को यातायात बहाल कर दिया। पिछले सप्ताह भीषण सर्दी के बीच बर्फ को हटाने के लिए चलाए गए अभियान के बाद यह संभव हो पाया है।

किश्तवाड़-संसारी मार्ग पर काम पूरा हो चुका है और यह सड़क केंद्र शासित प्रदेश को हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति क्षेत्र से जोड़ती है। मौसम विभाग ने हिमाचल प्रदेश में एक फरवरी को भारी हिमपात और बारिश का पूर्वानुमान जताया है। साथ ही, राज्य के सभी 12 जिलों के लिए गरज के साथ तूफान, बिजली गिरने और कुछ स्थानों पर 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से तेज हवाओं की चेतावनी जारी की है।

राज्य के मध्य व ऊंचाई वाले पहाड़ी क्षेत्रों में तीन फरवरी तक हिमपात और बारिश जारी रहने की आशंका है, जबकि इस दौरान मैदानी और निचले पहाड़ी क्षेत्रों में मौसम शुष्क रहेगा। राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार को न्यूनतम तापमान 6.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के औसत तापमान से 1.7 डिग्री कम है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी।

सामान्य से अधिक गर्म रहेगा फरवरी का महीना, वर्षा कम

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि देश में फरवरी में मौसम सामान्य से अधिक गर्म रहने और बारिश कम होने का अनुमान है, खासकर हिमालयी क्षेत्र में जहां सर्दियों के शुष्क होने को जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से जोड़ा जा सकता है। आईएमडी ने कहा कि पूरे देश में फरवरी में होने वाली बारिश सामान्य से कम रहने की उम्मीद है और न्यूनतम और अधिकतम तापमान, दोनों सामान्य से अधिक रहने का अनुमान है। पंजाब और हरियाणा में जनवरी में उम्मीद से ज्यादा बारिश हुई।

ब्रह्मोस का उन्नयन निरंतर चलने वाली परियोजना

मॉस्को। ब्रह्मोस क्रूज मिसाइलों का उन्नयन और आधुनिकीकरण एक निरंतर चलने वाली परियोजना है, जिसका उद्देश्य हाइपरसोनिक प्रौद्योगिकियों की ओर बढ़ना है। रूसी संयुक्त उद्यम साझेदार एनपीओ माशिनोस्ट्रोयेनिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और मुख्य डिजाइनर अलेक्जेंडर लियोनोव ने उन्नत मार्गदर्शन और नियंत्रण प्रणालियों से लैस ब्रह्मोस एक सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है, जिसे पनडुब्बियों, जहाजों, विमानों या जमीन से प्रक्षेपित किया जा सकता है।

अमृत विचार

बरेली, रविवार, 1 फरवरी 2026

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2610, राज श्री 1940, फ़ॉर्चून कि. 2425, रविन्द्रा 2530, फॉर्चुन 13 किग्रा 2145, जय जवान 2140, सचिन 2130, सूरज 2140, अवसर 1945, उजाला 2125, गृहणी 13 किग्रा 1985, क्लासिक (किग्रा) 2325, मोर 2335, चक्र टिन 2375, ब्लू 2215, आशीर्वाद मस्टर्ड 2400, स्वास्तिक 2560

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 18000-23000, धनिया 9400-12000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8200, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8400, गौरी प्रीमियम 9800, सूमो 4000, गौरी रॉयल 8600, मंसूरी पनघट 4150,लाडली 4100

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9700, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200-12500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7350-9200, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800-9800, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10600, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800-11500,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7500, चना अकोला 6600, डबरा 6800-8400, सच्चा हीरा 8900, मोटा हीरा 10000, अरहर गोला मोटा 9000, अरहर पटका मोटा 9700, अरहर कोरा मोटा 10000, अरहर पटका छोटा 11500-12200, अरहर कोरी छोटी 13400

चीनी : पीलीभीत 4400, बहेड़ी 4220

बैंक जमा, निवेश पर समान कर हो लागू

एसबीआई प्रमुख शेट्टी बोले- वित्तीय बचत साधनों के लिए एक समान अवसर होने चाहिए

मुंबई, एजेंसी

● कैंद्रीय बजट से एक दिन पहले शेट्टी ने की मांग

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन सीएस शेट्टी ने शनिवार को शेयर (इक्विटी) निवेश और बैंक जमा से होने वाली कमाई पर एक समान कर व्यवस्था लागू करने की वकालत की। केंद्रीय बजट से एक दिन पहले शेट्टी ने कहा कि दुनिया में अन्य कहीं भी कराधान में इस तरह की असमानता नहीं है और अब समय आ गया है कि भारत भी अन्य बाजारों के अनुरूप चले। उन्होंने बैंकिंग कार्यक्रम के इतर कहा कि वित्तीय बचत साधनों के लिए समान अवसर होने चाहिए।

शेट्टी ने बताया कि हालांकि वह बजट के प्रावधानों के बारे में नहीं जानते और इस तरह के कदम से राजकोषीय चुनौतियां भी हो सकती हैं, लेकिन इक्विटी के लिए किसी विशेष व्यवहार की आवश्यकता नहीं है। एक समय में आसान कराधान के माध्यम से इक्विटी निवेश को प्रोत्साहित करना सही रहा होगा, लेकिन आज जिस तरह से जोखिम भरे इक्विटी बाजार में लोगों की रुचि बढ़ रही है, वहां अब ऐसी विशेष रियायत की जरूरत नहीं है। वर्तमान में बैंक जमा पर रिटर्न करदाता के टैक्स स्लैब के अनुसार लगता है, जो 30 प्रतिशत तक हो सकता है। इसके विपरीत, सूचीबद्ध इक्विटी पर रिटर्न पर रियायती दरें लागू हैं, जिसमें 1.25 लाख रुपये से अधिक के दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ (एलटीसीजी) पर 12.5 प्रतिशत और अल्पकालिक पूंजीगत लाभ (एसटीसीजी) पर 15-20 प्रतिशत कर लगता है।

बचतकर्ता खातों में रख रहे केवल न्यूनतम शेष राशि

बैंकर पिछले कुछ समय से इन दोनों वित्तीय साधनों के बीच समानता की मांग कर रहे हैं और जमा राशि जुटाने में आ रही चुनौतियों के कारण अब यह मांग और तेज हो गई है। कई बैंकरों का कहना है कि बचतकर्ता अब काफी समझदार हो गए हैं और वे बैंक खातों में केवल न्यूनतम शेष राशि ही रख रहे हैं। वे बेहतर रिटर्न पाने के लिए अतिरिक्त धन को इक्विटी में लगाना पसंद कर रहे हैं। इससे बैंकों के पास ऋण देने के लिए उपलब्ध संसाधनों में कमी आती है और अक्सर उन्हें कर्ज की मांग को पूरा करने के लिए सरकारी बॉन्ड में निवेश का सहारा लेना पड़ता है या मुद्रा बाजारों से उधार लेना पड़ता है।

आठ नए क्षेत्रों को बढ़ावा देगा स्टेट बैंक का 'चक्र'

मुंबई। सबसे बड़े ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने आठ नवोदित क्षेत्रों को वित्त पोषण देने के लिए शनिवार को उत्कृष्टता केंद्र चक्र की शुरुआत की। उत्कृष्टता केंद्र जिन आठ क्षेत्रों पर फोकस करेगा उनमें नवीकरणीय ऊर्जा, एडवांस्ड सेल केमिस्ट्री एवं बैटरी स्टोरेज, इलेक्ट्रिक परिवहन, हरित हाइड्रोजन, सेमीकंडक्टर, डी-कार्बनाइजेशन, स्मार्ट बुनियादी ढांचा और डाटा सेंटर अवसंरचना शामिल हैं। बैंक ने बताया कि ये क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था के आर्थिक भविष्य के मुख्य चालक के रूप में उभर रहे हैं। 2030 तक इन सेक्टरों में 100 लाख करोड़ के पूंजी निवेश की संभावना है। वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम. नागराजू ने एसबीआई के चेयरमैन चल्ला श्रीनिवासुलु शेट्टी की उपस्थिति में चक्र का उद्घाटन किया। बैंक के प्रबंध निदेशक, अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों एवं वैश्विक बैंकों के प्रतिनिधि, प्रमुख कॉरपोरेट समूह, वित्तीय संस्थान, उद्योग निकाय तथा पारितंत्र से जुड़े अन्य प्रमुख हितधारक भी उपस्थित थे।

अरब देशों से व्यापार और निवेश को प्रगाढ़ बनाएगा भारत : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने अरब देशों के साथ व्यापार और निवेश, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा तथा अन्य क्षेत्रों में सहयोग को और प्रगाढ़ बनाने की भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया है। उन्होंने शनिवार को अरब देशों के विदेश मंत्रियों से मुलाकात की, जिन्होंने पश्चिम एशिया में शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने में अरब लीग भूमिका की सराहना की।

भारत-अरब विदेश मंत्रियों की दूसरी बैठक के लिए अरब देशों के विदेश मंत्री नई दिल्ली में हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के अनुसार, मोदी ने भारत और अरब जगत के बीच प्रगाढ़ और ऐतिहासिक संबंधों पर प्रकाश डाला, जिन्होंने वर्षों से दोनों पक्षों के बीच संबंधों को प्रेरित और मजबूत किया है। प्रधानमंत्री ने आने वाले वर्षों में भारत-अरब साझेदारी को लेकर अपने दृष्टिकोण को रेखांकित किया और पारस्परिक लाभ को व्यापार और निवेश, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा और अन्य क्षेत्रों में सहयोग और गहरा करने में भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

इंडिया सोलर एंड ईवी एक्सपो-2026

ग्रीन एनर्जी आधारित इको-सिस्टम से सशक्त बनेगा प. उप्र

संवाददाता, मेरठ

● ऊर्जा एवं नवीन ऊर्जा स्रेत विभाग के राज्य मंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर रहे मुख्य अतिथि

● आईआईए मेरठ चैप्टर की ओर से पहली बार मेरठ में 21, 22 एवं 23 फरवरी को होगा आयोजन

अमृत विचार: विक्टोरिया पार्क क्रिकेट ग्राउंड में इंडिया सोलर एंड ईवी एक्सपो-2026 का अनावरण/सॉफ्ट लॉन्च किया गया। कार्यक्रम में ऊर्जा एवं नवीन ऊर्जा स्रोत विभाग के राज्य मंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने कहा कि यह एक्सपो ग्रीन एनर्जी और इलेक्ट्रिक व्हीकल क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

आयोजकों ने बताया कि आईआईए मेरठ चैप्टर की ओर से पहली बार मेरठ में इंडियन सोलर एंड ईवी एक्सपो-2026 का आयोजन होगा। यह 21, 22 एवं 23 फरवरी 2026 को आईआईए भवन, मोहकमपुर औद्योगिक क्षेत्र में आयोजित होगा। आईआईए का लक्ष्य एक्सपो के माध्यम से 500 करोड़ से अधिक का व्यवसाय करना है। इसका उद्देश्य पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कार्यरत सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को सशक्त और प्रभावी मंच उपलब्ध कराना है, ताकि वे उत्पादों और सेवाओं को व्यापक स्तर पर प्रदर्शित कर सकें। आयोजकों ने बताया कि एक्सपो में कार्बन न्यूट्रैलिटी, सस्टेनेबिलिटी तथा ग्रीन एनर्जी क्षेत्र में उद्यमिता के विकास जैसे विषयों पर सेमिनार होंगे। साथ ही प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के विजन के अनुरूप घरेलू एवं औद्योगिक उपयोग से जुड़ी सरकारी योजनाओं और प्रोत्साहनों पर भी प्रकाश डाला जाएगा। पीएम सूर्य घर और पीएम-कुसुम योजना एक्सपो के आकर्षण होंगे। आयोजकों को आशा है कि यह पहल पश्चिमी उत्तर प्रदेश में ग्रीन एनर्जी आधारित स्टार्टअप इको सिस्टम को सशक्त बनाएगी और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को नई दिशा एवं गति देगी।

देश का चीनी उत्पादन 18.35% बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

● उद्योग निकाय इस्मा के अनुसार 2025-26 में 31 जनवरी तक 1.95 करोड़ टन पहुंचा

देश में चीनी उत्पादन चालू सत्र 2025-26 में 31 जनवरी तक 18.35 प्रतिशत बढ़कर 1.95 करोड़ टन पर पहुंच गया है। उद्योग निकाय इस्मा ने शनिवार को यह जानकारी दी। मुख्य उत्पादक राज्यों में उत्पादन बढ़ने से यह वृद्धि दर्ज की गई है। पिछले सत्र की समान अवधि में चीनी का उत्पादन 1.64 करोड़ टन रहा था। चीनी सत्र अक्टूबर से सितंबर तक चलता है।

भारतीय चीनी एवं जैव-ऊर्जा विनिर्माता संघ (इस्मा) के अनुसार, वर्तमान में देशभर में 515 चीनी मिलें चालू हैं, जबकि पिछले साल इसी अवधि में 501 मिलें चल रही थीं। देश के सबसे बड़े उत्पादक राज्य महाराष्ट्र में 31 जनवरी तक चीनी का उत्पादन 42 प्रतिशत बढ़कर 78.7 लाख टन रहा। राज्य में अभी 206 मिलों का परिचालन हो रहा है, जबकि एक साल पहले इनकी संख्या 190 थी। दूसरे सबसे बड़े उत्पादक राज्य उत्तर प्रदेश में उत्पादन अब तक 55.1 लाख टन तक पहुंच गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग पांच प्रतिशत अधिक है। इस्मा ने कहा कि तीसरे सबसे बड़े उत्पादक राज्य कर्नाटक में भी पेराई की गति तेज रही और वहां उत्पादन पिछले सत्र की इसी अवधि की तुलना में 15 प्रतिशत बढ़ा है। इस्मा ने अनुमान जताया है कि 2025-26 के पूरे सत्र के लिए शुद्ध चीनी उत्पादन 18.6 प्रतिशत बढ़कर 3.09 करोड़ टन रह सकता है, जो पिछले सत्र में 2.61 करोड़ टन था।

चावल सस्ता व गेहूं महंगा, खाद्य तेल और दालों में घट-बढ़

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में शनिवार को चावल के औसत भाव गिर गए जबकि गेहूं में तेजी रही। वहीं, चीनी की कीमतों में कमोबेश टिकाव रहा जबकि दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव देखा गया। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 31 रुपये घटकर 3,810 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। गेहूं चार रुपये चढ़कर 2,866 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटा भी 21 रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुआ। दाल-दलहनों में उड़द दाल की कीमत 33 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। मसूर दाल 59 और चना दाल 24 रुपये सस्ती हुई। मूंग दाल की कीमत 20 और तुअर दाल की 11 रुपये प्रति क्विंटल घट गई। मूंगफली तेल की कीमत 118 रुपये प्रति क्विंटल गिर गयी।

अडाणी अमेरिकी एसईसी से नोटिस लेने के लिए तैयार, 90 दिनों में देंगे जवाब

न्यूयॉर्क/नई दिल्ली। अरबपति गौतम अडाणी और उनके भतीजे सागर अडाणी अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग (एसईसी) से दीवानी धोखाधड़ी के मुकदमे में कानूनी नोटिस लेने को तैयार हैं। अदालती दस्तावेज से यह जानकारी मिली। इन पर आरोप है कि उन्होंने रिश्वत देने की योजना के बारे में निवेशकों को गुमराह किया।

● रिश्वत देने की योजना के बारे में निवेशकों को गुमराह करने का आरोप

न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन में संघीय अदालत में दायर दस्तावेज के अनुसार एसईसी और गौतम तथा सागर अडाणी के अमेरिका स्थित वकीलों ने कहा कि वकील नियामक के कानूनी कागजात स्वीकार करने को सहमत हो गए हैं। इससे न्यायाधीश को अब फैसला देने की जरूरत नहीं होगी कि प्रतिवादियों को नोटिस कैसे तामिल कराया जाए। यह संयुक्त आवेदन संबंधित अदालत के समक्ष मंजूरी को प्रस्तुत किया गया है। यह कानूनी कार्यवाही में मानक प्रक्रियात्मक कदम है, जो मामलों के समाधान की अनुमति देता है।

अनुपालन बोझ कम करने पर आईबीबीआई का जोर

नई दिल्ली। भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता बोर्ड (आईबीबीआई) के चेयरपर्सन रवि मित्तल ने शनिवार को कहा कि नियमों की प्रभावशीलता को बनाए रखते हुए अनुपालन आवश्यकताओं को कम करने के प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने मजबूत कॉरपोरेट शासन के महत्व पर भी बल दिया। भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) द्वारा ग्रेटर नोएडा में आयोजित वर्ल्ड फोरम ऑफ अकाउंटेंट्स के सत्र में मित्तल के साथ सेबी के प्रमुख तुहिन कांत पांडेय और एनएफआरए के चेयरपर्सन नितिन गुप्ता ने भी विचार साझा किए। मित्तल ने कहा कि कानूनों के बेहतर कार्यान्वयन और कम अनुपालन की आवश्यकता है। उन्होंने जानकारी दी कि आईबीबीआई ने आईआईएम अहमदाबाद से अपने नियमों की समीक्षा करने और अनुपालन आवश्यकताओं को सरल बनाने के लिए कहा है।

एयरबस को मिला एच175 हेलीकॉप्टर का ऑर्डर

हैदराबाद। फ्रांस की कंपनी एयरबस कॉर्पोरेट हेलीकॉप्टर्स को निजी भारतीय ग्राहक से तीन हेलीकॉप्टरों के लिए ऑर्डर मिले हैं। कंपनी ने शनिवार को बताया कि उसे भारत से एच175 हेलीकॉप्टर के लिए पहला ऑर्डर मिला है। साथ ही दो ओसीएच160 हेलीकॉप्टर के ऑर्डर मिले हैं। उक्त ऑपरेटर के बेड़े में एसीएच160 हेलीकॉप्टर के पहले से शामिल हैं। एच175 दो इंजन वाला सुपर-मीडियम हेलीकॉप्टर है, जिसमें कुल 16 सीटें होंगी। डिलिवरी इसी साल होने की संभावना है।

ऑन-बैलेंस वॉल्यूम (ओबीवी)

कीमत-वॉल्यूम के संबंध को समझे

ऑन-बैलेंस वॉल्यूम (ओबीवी) लोकप्रिय वॉल्यूम आधारित तकनीकी संकेतक है, जिसका उपयोग शेयर बाजार में कीमत और वॉल्यूम के आपसी संबंध को समझने के लिए किया जाता है। इस इंडिकेटर को प्रसिद्ध टेक्निकल एनालिस्ट जोसेफ ग्रैनविल ने विकसित किया था। ओबीवी का मानना है कि कीमत में होने वाले बड़े बदलाव से पहले वॉल्यूम में बदलाव दिखाई देने लगता है। यदि किसी शेयर की कीमत वॉल्यूम के साथ बढ़ती है, तो ओबीवी ऊपर जाता है, जबकि कीमत गिरने पर ओबीवी नीचे आता है। इससे निवेशकों और ट्रेडर्स को यह समझने में मदद मिलती है कि बाजार में खरीदारी का दबाव अधिक है या बिकवाली का। ओबीवी खासतौर पर ट्रेंड की पुष्टि और संभावित ब्रेकआउट पहचानने में उपयोगी माना जाता है।

ताकत-कमजोरी को दर्शाता

ओबीवी एक ऐसा तकनीकी संकेतक है जो कीमत की दिशा के साथ वॉल्यूम को जोड़कर बाजार की ताकत और कमजोरी को दर्शाता है। यह इंडिकेटर इस सिद्धांत पर काम करता है कि वॉल्यूम पहले चलता है, कीमत बाद में। यानी अगर किसी शेयर में बड़ी खरीदारी या बिकवाली हो रही है, तो उसका असर पहले वॉल्यूम में और फिर कीमत में दिखाई देता है।

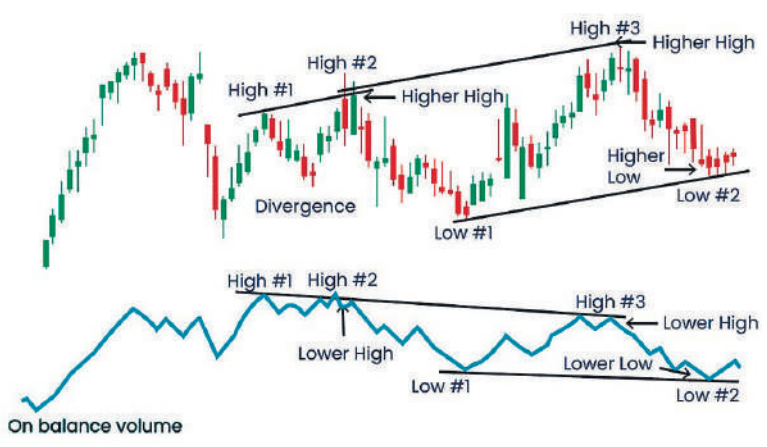

ओबीवी की गणना

- अगर आज का क्लोजिंग प्राइस कल से ज्यादा है, तो आज का पूरा वॉल्यूम ओबीवी में जोड़ दिया जाता है।
- अगर आज का क्लोजिंग प्राइस कल से कम है, तो आज का वॉल्यूम ओबीवी से घटा दिया जाता है।
- यदि कीमत में कोई बदलाव नहीं है, तो ओबीवी भी स्थिर रहता है।
- ओबीवी एक लाइन के रूप में चार्ट पर दिखाई देता है, जो वॉल्यूम के संचय और वितरण को दर्शाता है।

ओबीवी क्या संकेत देता है

यदि शेयर की कीमत और ओबीवी दोनों ऊपर जा रहे हों, तो इसे मजबूत अपट्रेंड माना जाता है। इसका मतलब है कि कीमत बढ़ने के पीछे वॉल्यूम का समर्थन मौजूद है। इसके विपरीत, यदि कीमत गिर रही है और ओबीवी भी नीचे जा रहा है, तो यह डाउनट्रेंड की पुष्टि करता है।

डाइवर्जेंस की भूमिका

ओबीवी का सबसे अहम उपयोग डाइवर्जेंस पहचानने में होता है। अगर शेयर की कीमत नई ऊंचाई बना रही हो, लेकिन ओबीवी ऐसा न कर पाए, तो यह संकेत हो सकता है कि तेजी कमजोर पड़ रही है। वहीं, कीमत गिर रही हो और ओबीवी ऊपर की ओर जाने लगे, तो संभावित ट्रेंड रिवर्सल के संकेत मिल सकते हैं।

ब्रेकआउट पहचानने में मदद

कई बार ओबीवी कीमत से पहले ब्रेकआउट दिखा देता है। यदि ओबीवी किसी रेजिस्टेंस लेवल को तोड़ देता है, लेकिन कीमत अभी वहीं अटकी हो, तो आने वाले समय में कीमत के भी उसी दिशा में जाने की संभावना बढ़ जाती है।

सीमाएं और सावधानियां

ओबीवी एक उपयोगी इंडिकेटर है, लेकिन इसे अकेले इस्तेमाल करना जोखिम भरा हो सकता है। अचानक आए बड़े वॉल्यूम (किसी खबर से) ओबीवी को भ्रमित कर सकते हैं। इसलिए ओबीवी को सपोर्ट-रेजिस्टेंस, ट्रेंडलाइन या अन्य इंडिकेटर्स के साथ मिलाकर उपयोग करना ज्यादा बेहतर माना जाता है।

एआई, नवाचार और डिजिटल बुनियादी ढांचे को मिले बढ़ावा

नई दिल्ली, एजेंसी

● प्रौद्योगिकी कंपनियों ने मुक्त और परस्पर क्रियाशील पर क्षेत्र-विशिष्ट दृष्टिकोण की वकालत की

प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनियां केंद्रीय बजट 2026-27 में कृत्रिम मेधा (एआई) पारिस्थितिकी तंत्र के विकास, नवाचार और डिजिटल बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के साथ बाजार में इसके विस्तार के लिए नकदी उपलब्ध कराने के उपायों की उम्मीद कर रही हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण रविवार को संसद में बजट पेश करेंगी।

संसद में 29 जनवरी को पेश की गई आर्थिक समीक्षा में एआई को महज एक प्रौद्योगिकी की होड़ के बजाय एक आर्थिक रणनीति के रूप में मान्यता दी गई है। इसमें सहयोग और साझा नवाचार को बढ़ावा देने के लिए मुक्त और परस्पर क्रियाशील प्रणालियों पर आधारित विभिन्न क्षेत्र-विशिष्ट दृष्टिकोण अपनाने की पुरजोर वकालत की गई है। एआई कंपनी आयोनोस के वाइस-चेयरमैन सीपी गुरनानी ने कहा कि आर्थिक समीक्षा में भारत की प्रौद्योगिकी क्षमता और डेटा संपदा का सही चित्रण किया गया है। भारत का भविष्य इंजीनियरिंग क्षमता का लाभ उठाकर किफायती और मानव-केंद्रित एआई बनाने में है, जो स्थानीय चुनौतियों का समाधान कर सके। लॉजिस्टिक्स क्षेत्र की सॉफ्टवेयर कंपनी फारआई के मुख्य व्यवसाय अधिकारी सूर्यांश जालान ने कहा कि उद्योग को उम्मीद है कि बजट में विश्वसनीयता और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार के उपायों पर ध्यान दिया जाएगा। एआई और उन्नत योजना प्रणालियों के लिए प्रोत्साहन उत्पादकता बढ़ाने के लिए आवश्यक होंगे। जालान ने कहा कि 2027 तक लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में एक करोड़ नौकरियां जुड़ने का अनुमान है, ऐसे में प्रौद्योगिकी की तैयारी और कौशल विकास पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है।

बजट से पहले

कारोबार की संवेदनशीलता को देखते हुए आम बजट के दिन खुलता है बाजार

आज खुलेगा शेयर बाजार, होगा 300 करोड़ का कारोबार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार : आमतौर पर शनिवार और रविवार को शेयर बाजार बंद रहता है, लेकिन 1 फरवरी दिन रविवार को शेयर बाजार खुलेगा। ऐसा इसलिए क्योंकि 1 फरवरी को संसद में आम बजट पेश होना है।

शेयर बाजार में सिर्फ शहर से तीन सौ करोड़ का कारोबार हो सकता है।

शेयर बाजार विशेषज्ञ राजीव सिंह ने बताया कि आम बजट के दिन शेयर बाजार खोलना इसलिए जरूरी होता है क्योंकि बजट में हुए एलानों को शेयर बाजार बहुत गंभीरता से लेता है। जिस सेक्टर को फायदा होता है उससे जुड़े कंपनियों के शेयरों में खरीदारी देखने को मिलती हैं, वहीं जिस सेक्टर को बजट से अपेक्षित समर्थन नहीं मिलता है उससे जुड़ी कंपनियों के शेयरों में बिकवाली देखने को मिलती है। इसी संवेदनशीलता को देखते हुए शेयर बाजार को बंद रखना निवेशकों के लिए जोखिम भरा माना जाता है।

30 प्रतिशत अधिक ट्रेडिंग की उम्मीद

बजट के दिन शहर के निवेशक भी खासे सक्रिय रहते हैं। पिछले अनुभव बताते हैं कि बजट वाले दिन सामान्य दिनों की तुलना में 25 से 30 फीसदी अधिक ट्रेडिंग देखने को मिलता है। इस बार रविवार होने के कारण निवेशकों को पूरे दिन बाजार पर नजर रखने का मौका मिलेगा, जिससे कारोबार और बढ़ सकता है। अनुमान है कि शहर से तीन सौ करोड़ रुपये का केवल कैश सेगमेंट में कारोबार हो सकता है। सेबी द्वारा जारी नवीनतम मंथली बुलेटिन से पता चलता है कि दिसंबर में एनएसई कैश सेगमेंट में कानपुर की हिस्सेदारी 0.24% थी। वहीं एनएसई कैश सेगमेंट में दिसम्बर 2025 में कुल कारोबार 4,989 करोड़ का हुआ था। दैनिक औसत कारोबार के लिहाज से ये आंकड़ा 227 करोड़ रुपये प्रतिदिन का हुआ। इसके अलावा बीएसई कैश सेगमेंट में कानपुर की औसत हिस्सेदारी 0.067 प्रतिशत है।

इंट्राडे ट्रेडिंग का वॉल्यूम होगा ज्यादा

बजट वाले दिन इंट्राडे ट्रेडिंग का वॉल्यूम आमतौर पर ज्यादा रहता है। बजट भाषण के दौरान और उसके तुरंत बाद बाजार में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिलता है। कई निवेशक पहले से बनी पोजीशन पर मुनाफावसूली करते हैं, जबकि कुछ निवेशक बजट के एलानों के आधार पर नई पोजीशन बनाते हैं। बजट के दिन निवेशकों की नजर मुख्य रूप से बैंकिंग, इंफ्रास्ट्रक्चर, रेलवे, डिफेंस, कैपिटल गुड्स, एफएमसीजी, रियल एस्टेट और एनर्जी सेक्टर पर रहेगी।

बाजार की दिशा तय करने वाला इवेंट

शेयर विशेषज्ञ राजीव सिंह के अनुसार, कुछ वर्षों में बजट की भूमिका केवल सरकारी आय-व्यय तक सीमित नहीं रह गई है। यह अब शेयर बाजार की दिशा तय करने वाला सबसे बड़ा आर्थिक इवेंट बन चुका है। यही कारण है कि छुट्टी के दिन भी शेयर बाजार खोलने का फैसला लिया जा रहा है। हालांकि, निवेशकों के लिए यह दिन जितना कमाई का अवसर है, उतना ही जोखिम से भरा भी है। जल्दबाजी और भावनात्मक फैसले निवेशकों को नुकसान भी पहुंचा सकते हैं।

बजट 2026 : चार लेबर कोड लागू करने का रोडमैप संभव

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार बजट 2026 के जरिए लंबे समय से लंबित चार सेंट्रल लेबर कोड को लागू करने की दिशा में बड़ा कदम उठा सकती है। सूत्रों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में इन लेबर कोड्स को लागू करने का विस्तृत ब्लूप्रिंट पेश किया जा सकता है।

सूत्रों के मुताबिक, इस ब्लूप्रिंट को अंतिम रूप देने के प्रयासों के तहत श्रम मंत्री मनसुख मंडाविया और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी 21 नवंबर की सुबह 10 प्रमुख ट्रेड यूनियनों के साथ बैठक कर सकते हैं। यह बैठक बजट से पहले ट्रेड यूनियनों और वित्त मंत्रालय के बीच हुई बातचीत के एक दिन बाद होने जा रही है, जिसे अहम माना जा रहा है।

श्रम मंत्रालय लेबर कोड्स के क्रियान्वयन में आने वाली व्यावहारिक दिक्कतों और ट्रेड यूनियनों की आपत्तियों पर चर्चा को तैयार है। गौरतलब है कि 2019-20 के दौरान 29 पुराने श्रम कानूनों को मिलाकर चार बड़े लेबर कोड बनाए गए थे। इनका उद्देश्य व्यापार और निवेश को बढ़ाना, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बेहतर बनाना, अनुपालन का बोझ कम करना, डी-क्रिमिनलाइजेशन को समर्थन, स्किल डेवलपमेंट पर फोकस और औद्योगिक विवाद निदान की प्रक्रिया को मजबूत करना था।

चार प्रमुख लेबर कोड

इनमें वेतन संहिता 2019, औद्योगिक संबंध संहिता 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य स्थितियां संहिता 2020 हैं। संसद से मंजूरी के बाद से ये कोड 2020 से लागू होने का इंतजार कर रहे हैं।

राज्यों ने किए सुधार

देरी के बावजूद कई राज्यों ने श्रम सुधारों को आगे बढ़ाया है। 26 राज्यों ने उद्योगों की जरूरतों और वर्कफोर्स में समावेशन को बढ़ाने को यह कदम उठाए हैं। इनमें महिलाओं को नाइट शिफ्ट की अनुमति और गिग वर्कर्स के लिए सामाजिक सुरक्षा का दायरा बढ़ाना है। गुजरात और आंध्र ने फैक्ट्रीज एक्ट में संशोधन कर 48 घंटे के साप्ताहिक कार्य सीमा के भीतर 12 घंटे की शिफ्ट की अनुमति दी है।

एपस्टीन फाइल्स का खुलासा, बिल गेट्स पर यौन रोग से संक्रमित होने का आरोप

वाशिंगटन, एजेंसी

● कई हाई प्रोफाइल हस्तियों से जुड़े दावों को फिर से दी हवा

अमेरिकी न्याय विभाग ने शुक्रवार को दोषी यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से जुड़े दस्तावेजों का विशाल जखीरा जारी किया। इसमें 30 लाख से अधिक पृष्ठों के रिकॉर्ड, 2,000 से अधिक वीडियो और 1,80,000 तस्वीरें शामिल हैं। इस खुलासे ने माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स सहित कई हाई-प्रोफाइल हस्तियों से जुड़े उन दावों को फिर से हवा दे दी है जिनका सत्यापन नहीं हो पाया था।

इन दस्तावेजों में एपस्टीन के कथित तौर पर लिखे गए ईमेल का प्रारूप शामिल हैं, जिनमें आरोप लगाया गया है कि एपस्टीन के निजी द्वीप लिटिल सेंट जेम्स की यात्रा के दौरान बिल गेट्स रूसी लड़कियों के जरिए एक यौन संचारित रोग (एसटीडी) की चपेट में आ गए थे।

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की निगरानी समिति के डेमोक्रेटिक सदस्यों के जांच के हिस्से के रूप में जारी की गई तस्वीरों में एक होटल गेट्स अलग-अलग मौकों पर अलग-अलग कई युवतियों के साथ दिख रहे हैं। इन तस्वीरों में युवतियों का चेहरा छिपा दिया गया है।

दस्तावेजों में मीरा नायर का भी नाम

न्यूयॉर्क। अमेरिका के न्याय विभाग की ओर से सार्वजनिक की गई जेफरी एपस्टीन संबंधी फाइलों से पता चलता है कि भारतीय फिल्म निर्माता मीरा नायर ने दोषी यौन तस्कर घिसलेन मैक्सवेल के टाउनहाउस में एक फिल्म की आफ्टर पार्टी में हिस्सा लिया था। न्यूयॉर्क शहर के महापौर जोहरान ममदानी की मां नायर का नाम उन ईमेल में से एक में सामने आया है, जो जेफरी एपस्टीन से संबंधित जांच की अतिरिक्त फाइलों का हिस्सा हैं।

डिजिटल दीवानगी का खूनी खेल

रील एडिक्शन

आज के डिजिटल युग में रील शब्द किसी परिचय का मोहताज नहीं है। इंस्टाग्राम, फेसबुक और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म्स पर चंद सेकंड के वीडियो (रील्स) लोगों के मनोरंजन का सबसे बड़ा साधन बन चुके हैं। लेकिन, मनोरंजन की यह सीमा कब मौत के स्टंट में तब्दील हो गई, इसका अंदाजा शायद उन युवाओं को भी नहीं रहा जो कैमरे के सामने खड़े होते हैं। सोशल मीडिया पर लाइक्स, शेयर और रातों-रात वायरल होने की सनक ने एक ऐसा खतरनाक माहौल पैदा कर दिया है, जहां लोग अपनी और दूसरों की जान को दांव पर लगाने से भी नहीं कतरा रहे हैं। आंकड़े गवाह हैं कि सेल्फी और रील बनाने के चक्कर में होने वाली मौतों के मामले में भारत दुनिया के शीर्ष देशों में शामिल है। ट्रेन की पटरियों पर दौड़ते हुए वीडियो बनाना, ऊंची इमारतों की छतों पर स्टंट करना खतराए जान बन चुकी है।

सुरक्षा के साथ मनोवैज्ञानिक संकट

● यह न केवल एक सुरक्षा संबंधी मुद्दा है, बल्कि बड़ा मनोवैज्ञानिक संकट भी है। युवा पीढ़ी के लिए सोशल मीडिया पर मिलने वाली डिजिटल अटेंशन एक तरह के डोपामाइन रश की तरह काम करती है, जो उन्हें अधिक जोखिम लेने के लिए उकसाती है। सरकार और प्रशासन समय-समय पर इसके खिलाफ एडवाइजरी जारी करते हैं, लेकिन व्यक्तिगत जिम्मेदारी और सामाजिक जागरूकता के बिना इन हादसों को रोकना एक बड़ी चुनौती बना रहेगा। इस समस्या की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि केवल उत्तराखंड में ही पिछले दो वर्षों में रेलवे ट्रैक पर होने वाली मौतों में 63% की वृद्धि हुई है, जिसका मुख्य कारण रील और सेल्फी का शौक बताया गया है।

बचाव के कुछ उपाय

● तकनीकी हस्तक्षेप : सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को ऐसे एल्गोरिदम विकसित करने चाहिए जो खतरनाक स्टंट वाले वीडियो को प्रमोट करने के बजाय उन्हें सेंसर करें।

● प्रशासनिक सख्ती : पर्यटन स्थलों, झरनों और ऊँची चोटियों पर नो रील/नो सेल्फी जोन चिन्हित किए जाने चाहिए।

● शैक्षणिक जागरूकता : स्कूलों और कॉलेजों में डिजिटल साक्षरता और सोशल मीडिया के मानसिक दुष्प्रभावों के बारे में वर्कशॉप आयोजित की जानी चाहिए।

● कानूनी कार्रवाई : खतरनाक रील बनाने वालों के ड्राइविंग लाइसेंस रद्द करने और भारी जुर्माने का प्रावधान होना चाहिए।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

मनोवैज्ञानिकों के अनुसार रील बनाने की सनक डिजिटल वैनिटी का हिस्सा है। लोग असली जिंदगी से भागकर एक आभासी दुनिया में आदर्श छवि बनाना चाहते हैं, जिससे वे खतरनाक परिस्थितियों को भांप नहीं पाते हैं।

सरकार के निर्देश और नियम

● आईटी नियम 2025-26 : केंद्र सरकार ने आईटी एमेंडमेंट रूल्स 2025 के तहत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को हानिकारक और अश्लील सामग्री पर रोक के सख्त निर्देश दिए हैं।

● पुलिस की कार्रवाई : कई राज्यों की पुलिस (जैसे हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, उत्तर प्रदेश) ने खतरनाक सड़कों और रेलवे पटरियों पर रील बनाने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करना शुरू कर दिया है।

● बीएनएस की धाराएं : भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत सार्वजनिक स्थानों पर जान जोखिम में डालने वाले कृत्यों पर दंड का प्रावधान है। उदाहरण के लिए, वंदे भारत ट्रेन के ट्रैक पर अवरोध उत्पन्न कर रील बनाने वालों को जेल भेजने की कार्रवाई की जा रही है।

वर्ल्ड ब्रीफ

ईरान में एक इमारत में धमाका, चार की मौत

तेहरान। ईरान के दक्षिण-पश्चिमी प्रांत खुज़ेस्तान में शनिवार को एक रिहायशी इमारत में गैस धमाके में चार लोगों की मौत हो गई। समाचार एजेंसी आईआरएनए ने शहर के अग्निशमन विभाग के प्रमुख बावक रबीई के हवाले से बताया कि यह घटना प्रांतीय राजधानी अहवाज़ में स्थित चार यूनिट वाली इमारत में गैस लीक होने के कारण हुई। उन्होंने बताया कि दमकलकर्मियों और बचाव दल को घटनास्थल पर भेजा गया है।

बैलेस्टेरास की तांबे की प्रतिमा के टुकड़े मिले

मैड्रिड। स्पेन के दिग्गज गोल्फ खिलाड़ी सेवे बैलेस्टेरोस की उनके गृहनगर पेट्रेना से चोरी हुई तांबे की आदमकद प्रतिमा को पुलिस ने एक स्टोर से कई टुकड़ों में बरामद किया है। पुलिस ने बताया कि करीब 30 हजार यूरो (लगभग 27 लाख रुपये) मूल्य की इस प्रतिमा को चोरों ने टुकड़ों में काट दिया था और वे इसे कौड़ियों के भाव बेचने की तैयारी में थे। स्पेन के कैंटाब्रिया क्षेत्र स्थित सेंटेंडर के एक स्टोर रूम से बरामद इस प्रतिमा का कमर से कटा आधा हिस्सा मिला। इसका धड़ और सिर सुरक्षित हैं, लेकिन इसके हाथ कई टुकड़ों में टूट हुए पाए गए। पुलिस ने इस मामले में तांबा चोरी के पुराने अपराधी एक 22 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है।

वेनेजुएला में रिहा होंगे राजनैतिक बंदी

काराकस। वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने शुक्रवार को एक ऐसे विधेयक की घोषणा की, जिसके जरिए सैकड़ों कैदियों की रिहाई का रास्ता खुल सकता है। इनमें राजनीतिक कारणों से हिरासत में लिए गए विपक्षी नेता, पत्रकार और मानवाधिकार कार्यकर्ता भी शामिल हैं। अमेरिका समर्थित विपक्ष लंबे समय से ऐसे कदम की मांग करता रहा है। यह तीन जनवरी को देश की बागडोर संभालने के बाद रोड्रिगेज द्वारा दी गई नई रियायत मानी जा रही है।

झड़पों में 37 बलूच लड़ाकों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में सुरक्षा बलों और बलूच लड़ाकू के बीच हुई झड़प में कम से कम 10 सुरक्षा अधिकारी मारे गए और 37 बलूच लड़ाकों की मौत हो गई। सुरक्षा सूत्रों ने शनिवार को बताया कि प्रतिबंधित बलूचिस्तान मुक्ति सेना (बीएलए) ने शनिवार सुबह-सुबह क्वेटा, नोशकी और ग्वादर जिलों सहित 12 से ज़्यादा जगहों पर एक साथ हमले किये। पाकिस्तानी सेना की कार्रवाई में 37 लड़ाके मारे गए।

अमेरिकी जंगी बेड़े के करीब ईरान करेगा युद्धाभ्यास, एलान से तनाव

अमेरिकी रक्षा मंत्रालय की चेतावनी, हरमुज में सुरक्षित रूप से अभ्यास करे ईरान

● युद्धपोतों के ऊपर से उड़ान को बर्दाश्त नहीं करेगा अमेरिका

फ्लोरिडा/दुबई, एजेंसी

अमेरिका ने ईरान की तरफ अपना सबसे बड़ा सैन्य बेड़ा भेजा है, जिससे पश्चिम एशिया में मौजूदा तनाव अपने चरम पर पहुंच गया है। वहीं ईरान ने भी मोर्चा संभालते हुए होर्मुज जलडमरूमध्य में दो दिवसीय नौसैनिक अभ्यास की घोषणा की है। इस पर अमेरिकी सेना के केंद्रीय कमान ने ईरानी सेना को चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि वह अमेरिकी युद्धपोतों के ऊपर से उड़ान भरने जैसे असुरक्षित युद्धाभ्यास को बर्दाश्त नहीं करेगा।

अमेरिका के रक्षा मंत्रालय के अधीन आने वाली केंद्रीय कमान (सेंटकॉम) ने ईरान की इस्लामी रेवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) से कहा है कि वह रविवार से हरमुज़ की खाड़ी में शुरू होने वाला अपना नौसैनिक अभ्यास सुरक्षित तरीके से करे और किसी भी अनावश्यक जोखिम को जन्म न दे। सेंटकॉम ने कहा कि आईआरजीसी नौसैनिक अभ्यास को इस तरह से करे जो सुरक्षित, पेशेवर हो और अंतर्राष्ट्रीय समुद्री यातायात के लिए नौपरिवहन की आज़ादी को अनावश्यक जोखिम से बचाए। हरमुज़ खाड़ी एक अंतर्राष्ट्रीय समुद्री मार्ग है और एक ज़रूरी व्यापार गलियारा है, जो क्षेत्रीय आर्थिक समृद्धि में मदद करता है।

ईरान ने गुरुवार को एलान किया था कि वह हरमुज़ की खाड़ी में रविवार से नौसैनिक अभियान शुरू करेगा। ईरानी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ईरान की नौसेना एक और दो फरवरी को हरमुज खाड़ी में गोलीबारी के साथ अभ्यास करेगी। उल्लेखनीय है कि अमेरिका ने पश्चिमी एशिया में अपना विमान वाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन भी तैनात किया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसका हवाला देते हुए ईरान से अपनी शर्तें मानने के लिए भी कहा है।

पुतिन से मिले ईरानी सुरक्षा प्रमुख लारीजानी

मास्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन क्रेमलिन में ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव अली लारीजानी का स्वागत किया। यह एक अघोषित उच्च स्तरीय बैठक थी। ईरान के शीर्ष नेता अली खामेनेई के वरिष्ठ सलाहकार लारीजानी को पिछले साल अगस्त में इस पद पर नियुक्त किया गया था। इससे पहले वह ईरान के परमाणु केंद्रों पर अमेरिकी हवाई हमलों के बाद मॉस्को आए थे। क्रेमलिन ने कहा कि राष्ट्राध्यक्ष ने क्रेमलिन में रूस की यात्रा पर आए ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव अली लारीजानी का स्वागत किया। यह नहीं बताया गया कि दोनों नेताओं के बीच क्या बातचीत हुई।

ईरान बातचीत के लिए तैयार : ट्रंप

वाशिंगटन। पश्चिमी एशिया में बढ़ती अमेरिका की सैन्य उपस्थिति के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान बातचीत के लिए तैयार है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में कहा कि ईरान के साथ बातचीत शुरू करने के लिए एक अंतिम तारीख तय की गई है, हालांकि उन्होंने सही समय नहीं बताया। ईरान के पास एक अमेरिकी नौसैनिक पोत की तैनाती का ज़िक्र करते हुए कहा, उम्मीद है, हम एक समझौता करेंगे। अगर हम समझौता नहीं करते हैं, तो देखेंगे क्या होता है। अमेरिका ने जहां बातचीत के लिए तैयारी दिखाई, वहीं ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने ईरान का रुख दोहराया। उन्होंने कहा कि ईरान आपसी हितों और सम्मान के आधार पर बातचीत को तैयार है।

इजराइल, सऊदी अरब को हथियार देगा अमेरिका

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस ने ईरान में अशांति को लेकर तनाव के बीच पश्चिमी एशिया में अमेरिका के दो बड़े सहयोगी देशों, इज़राइल और सऊदी अरब को कुल 15.67 अरब अमेरिकी डॉलर के हथियारों की बिक्री को मंजूरी दे दी है। अमेरिकी विदेश विभाग ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सौदे को मंजूरी दे दी है। इज़राइल को 6.67 अरब डॉलर की नई बिक्री में चार अलग-अलग पैकेज शामिल हैं, जिसमें रॉकेट लॉन्चर और आधुनिक टारगेटिंग गियर से लैस 30 अपाचे अटैक हेलीकॉप्टर शामिल हैं। इसके अलावा इज़राइली सेना के लिए संचार लाइनें बढ़ाने के मकसद से 3,250 हल्के टेक्टिकल वाहन शामिल हैं। सऊदी अरब को नौ अरब डॉलर की बिक्री में 730 पैट्रियट मिसाइलें और संबंधित उपकरण शामिल हैं। इसका मकसद एक प्रमुख क्षेत्रीय गैर-नाटो सहयोगी का समर्थन करना है। विदेश विभाग ने कहा कि उसने पहले ही कांग्रेस को इन बिक्री की मंजूरी के बारे में सूचित कर दिया था। सऊदी अरब अमेरिका का एक प्रमुख सहयोगी और नाटो भागीदार है। उसने 730 पैट्रियट-3 मिसाइल इंटरसेप्टर खरीदने का अनुरोध किया था।

हमने सिर झुकाया, किया आत्मसम्मान से समझौता

● विदेशी ऋण पाने में अपमान पर बोले पाकिस्तानी प्रधानमंत्री

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मित्र देशों से वित्तीय सहायता मांगने में अपमानजनक स्थिति का जिक्र करते हुए इस बात को खुलकर स्वीकारा कि विदेशी ऋण लेने की मजबूरी में पाकिस्तान को अपना सिर झुकाना पड़ा है और आत्मसम्मान की कीमत पर समझौता करना पड़ा। इस्लामाबाद में शुक्रवार को देश के प्रख्यात व्यापारियों और निर्यातकों के सम्मान में आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए शरीफ ने उस कठिन दौर को याद किया जब पाकिस्तान को दिवालियापन के डर का सामना करना पड़ा था और कुछ लोग इसे (पाकिस्तान को) तकनीकी रूप से विफल होने के कगार पर बता रहे थे।

उन्होंने कहा कि जब हमने पदभार संभाला, तब आर्थिक स्थिति बेहद नाजुक थी और आम आदमी को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। प्रधानमंत्री ने 2023 में पेरिस में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के प्रबंध निदेशक के साथ अपनी मुलाकात का जिक्र किया जिसके बाद वैश्विक ऋणदाता ने एक आर्थिक कार्यक्रम को मंजूरी दी जिससे देश की अर्थव्यवस्था को स्थिर करने में मदद मिली। शरीफ ने कहा कि मित्र देशों ने मुश्किल समय में पाकिस्तान का पूरा समर्थन किया है और उन्होंने सेना प्रमुख एवं रक्षा बलों के प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के साथ मिलकर कई देशों के नेताओं से अरबों डॉलर के ऋण मांगने के लिए मुलाकात की। उन्होंने कहा कि मैं कैसे बताऊं कि हमने मित्र देशों से ऋण के लिए किस तरह अनुरोध किया? मित्र देशों ने हमें निराश नहीं किया।

चुकानी पड़ती है ऋण की कीमत

प्रधानमंत्री ने कहा कि ऋण से दायित्व भी उत्पन्न होते हैं जिन्हें पूरा करना होता है। उन्होंने कहा कि जब आप ऋण लेने जाते हैं तो आपको अपने आत्मसम्मान की कीमत चुकानी पड़ती है। आपको समझौता करना पड़ता है। कभी अनुचित मांगें सामने आ सकती हैं, उन्हें पूरा करना पड़ सकता है।

हवाई अड्डे से 9.5 करोड़ रुपये का गांजा पकड़ा गया

हैदराबाद। तेलंगाना में राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लगभग 9.5 करोड़ रुपये का 27.15 किलो गांजा जब्त किया और सात संदिग्धों को गिरफ्तार किया। हैदराबाद क्षेत्रीय इकाई के डीआरआई अधिकारियों ने 30 जनवरी को सुबह करीब 1.15 बजे थाई एयरवेज की उड़ान टीजी-329 से बैंकॉक से आ रहे चार भारतीय अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों को उनके तीन साथियों के साथ उस समय गिरफ्तार कर लिया जब वे प्रतिबंधित सामान का लेन-देन कर रहे थे। जांच में ट्रॉली बैग से कई पैकेट बरामद किए। उसका 27.15 किलो वजन वाले इस पदार्थ का मादक पदार्थों का पता लगाने वाली किट से परीक्षण किया गया।

पूर्वी कांगो में खदान ढहने से 200 लोगों की चली गई जान

गोमा (कांगो), एजेंसी

● बारिश के चलते भूस्खलन से हुआ हादसा, कई लोग अभी फंसे

पूर्वी कांगो में एक प्रमुख कोल्टन (कोलंबाइट-टैंटलाइट) खनन स्थल पर भूस्खलन के कारण कई खदानें ढह जाने से कम से कम 200 लोग मारे गए। विद्रोहियों की इकाई ने यह जानकारी दी। विद्रोहियों की इकाई द्वारा नियुक्त उत्तरी किवू प्रांत के गवर्नर के प्रवक्ता लुमुम्बा कंबेरे मुयिसा ने बताया कि यह भूस्खलन बुधवार को रुबाया खदानों में हुआ जो विद्रोहियों के नियंत्रण में हैं। उन्होंने कहा कि भूस्खलन भारी बारिश के कारण हुआ।

मुयिसा ने कहा कि फिलहाल 200 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें से कुछ अब भी कीचड़ में फंसे हुए हैं और उन्हें निकाला नहीं जा सका है। उन्होंने बताया कि घटना में कई अन्य लोग घायल हुए हैं और उन्हें रुबाया कस्बे के तीन स्वास्थ्य केंद्रों में ले जाया गया है। उन्होंने कहा कि शनिवार को घायलों को एंबुलेंस से निकटतम शहर गोमा ले जाया जाएगा। मुयिसा ने बताया कि उत्तरी किवू की विद्रोही इकाई द्वारा नियुक्त गवर्नर ने अस्थायी रूप से खनन कार्य पर रोक लगा दी और खदान के पास आश्रय बनाने वाले निवासियों को हटाने का आदेश दिया है। रुबाया पूर्वी कांगो के मध्य में है जो मध्य अफ्रीकी राष्ट्र का खनिज-समृद्ध हिस्सा है और दशकों से सरकारी बलों तथा रवांडा समर्थित एम23 सहित विभिन्न सशस्त्र समूहों की हिंसा से त्रस्त है।

केंद्र ने आईजी पद पर तैनाती के नियम बदले

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने आईपीएस के अधिकारियों की केन्द्र में पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) के पद पर तैनाती के नियमों में बदलाव करते हुए कहा है कि इसके लिए केन्द्र में एसपी या डीआईजी पद पर दो वर्ष तक कार्य का अनुभव अनिवार्य है। यह नियम वर्ष 2011 के बैच और उसके बाद के आईपीएस अधिकारियों पर लागू होगा। इसका उद्देश्य नेतृत्व वाले वरिष्ठ पदों पर पदोन्नति से पहले अधिकारियों के लिए केंद्रीय स्तर पर पर्याप्त अनुभव सुनिश्चित करना है। आदेश में कहा गया है कि वर्ष 2011 बैच और उसके बाद के आईपीएस अधिकारियों के लिए केन्द्र में आईजी के लिए एसपी या डीआईजी स्तर पर दो वर्ष की केंद्रीय प्रतिनियुक्ति अनिवार्य है।

गाजा में इजराइली हमलों में बच्चों सहित 30 फिलिस्तीनियों की मौत

गाजा पट्टी, एजेंसी

● मृतकों में दो परिवारों की दो महिलाएं व छह बच्चे भी शामिल

गाजा में शनिवार तड़के इजराइल द्वारा किए गए हमलों में 30 फलस्तीनियों की मौत हो गई। अक्टूबर में हुए संघर्ष विराम के बाद इजराइली हमले में मारे गए लोगों की यह सबसे अधिक संख्या है। विभिन्न अस्पतालों के अधिकारियों ने बताया कि इजराइल द्वारा हमास पर संघर्ष विराम उल्लंघन का आरोप लगाए जाने के एक दिन बाद गाजा में कई स्थानों पर हमले हुए, जिनमें एक इमारत और खान यूनिस में तम्बू वाले एक शिविर पर घातक हमले शामिल हैं।

इन हमलों में जान गंवाने वाले लोगों में दो अलग-अलग परिवारों की दो महिलाएं और छह बच्चे शामिल हैं। शिफा अस्पताल के निदेशक मोहम्मद अबू सेल्मिया ने बताया कि गाजा शहर में एक थाने पर भी हवाई हमला हुआ, जिसमें 14 लोग मारे गए और कई अन्य लोग घायल हो गए। नासिर अस्पताल ने कहा कि तम्बू वाले शिविर पर हमले के कारण आग लग गई, जिसमें एक व्यक्ति, उसके परिवार के छह सदस्यों सहित सात लोग मारे गए। मृतकों में तीन बच्चे भी शामिल हैं। शिफा अस्पताल ने कहा कि शनिवार सुबह गाजा सिटी अपार्टमेंट इमारत पर हमले में तीन बच्चों, उनकी चाची और दादी की मौत हो गई, पुलिस थाने पर हमले में चार महिला पुलिसकर्मियों सहित 11 अधिकारियों और हवालात में बंद कैदियों की मौत हो गई।

हमले संघर्ष विराम का खुला उल्लंघन

हमास ने शनिवार के हमलों को नए सिरे से खुला उल्लंघन कहा तथा अमेरिका और अन्य मध्यस्थ देशों से आग्रह किया कि वे इजराइल पर हमले रोकने के लिए दबाव डालें। एक सैन्य अधिकारी ने कहा कि एक दिन पहले संघर्ष विराम का उल्लंघन किए जाने के जवाब में इजराइल ने शुक्रवार देर रात से शनिवार तड़के तक हमले किए। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने 10 अक्टूबर को संघर्ष विराम शुरू होने के बाद से इजराइली गोलीबारी में 509 के मारे जाने का दावा किया।

आज का भविष्यफल -पं.मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 1 फरवरी, रविवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-माघ, पक्ष-शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा 2 फरवरी 03 .38 तक तत्पश्चात प्रतिपदा।

आज का पंचांग

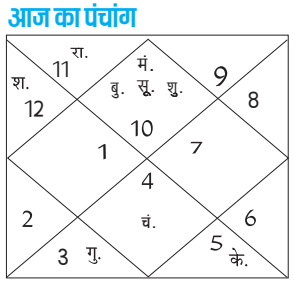

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- पुष्य 23 .58 तक तत्पश्चात अश्लेशा।

मेष — आज दूसरों के भरोसे अपने जरूरी काम न छोड़ें। हालांकि पहले की गई मेहनत सुखद परिणाम दे सकती है। परिजनों के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में कुछ नई योजना बना सकते हैं। प्रेम संबंधों को लेकर थोड़ी परेशानी रहेगी।

वृष — आज मन में अज्ञात भय का प्रभाव रहने वाला है। कर्मचारियों की गतिविधियों की जानकारी रखें। आप में सकारात्मक ऊर्जा की अधिकता रहेगी। अपने लक्ष्य पर पूरा फोकस बनाए रखें। उच्चाधिकारी आपसे प्रसन्न रहेंगे।

मिथुन — आज व्यवसाय में आपका प्रदर्शन बेहतरीन रहेगा। आप अपनी जॉब को बदलने का विचार बना सकते हैं। आपके आदर्शों और व्यवहार की प्रशंसा होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। बड़े भाई-बहनों के साथ व्यवहार में कड़वाहट हो सकती है।

कर्क — आज अनावश्यक कार्यों में अपना समय बर्बाद न करें। बुजुर्ग आपसे नाराज हो सकते हैं। धार्मिक आयोजन में जाने का अवसर मिल सकता है। संतान के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। रुके हुए निर्माण कार्यों को दोबारा शुरू कर सकते हैं।

सिंह — आज घर में मांगलिक कार्यक्रम की योजना बना सकते हैं। नए लोगों से दोस्ती करने से बचें। आपकी दिनचर्या अच्छी नहीं रहेगी। व्यवसाय में धन का नुकसान होगा। बच्चों से व्यवहार अच्छा रखें। आपका मन किसी कारण खराब हो सकता है।

कन्या — आज अपना मनोबल और आत्मविश्वास बनाए रखें। दोपहर के बाद आपको शुभ समाचार मिलेंगे। संतान की उन्नति से मन प्रसन्न रहेगा। जिम्मेदार व्यक्तियों का मार्गदर्शन मिलेगा। व्यस्तता के बावजूद परिवार के लिए समय निकालेंगे।

तुला — आज शाम के समय मित्रों के साथ भोजन का आनंद ले सकते हैं। प्रेम-प्रसंग में नजदीकियां बढ़ेंगी। बच्चों के साथ अच्छा समय बितायेंगे। किसी इंटरव्यू में बैठ रहे हैं, तो आपको काफी अच्छे परिणाम मिल सकते हैं।

वृश्चिक — आज विरोधी आपकी आलोचना कर सकते हैं। कर्मचारियों की गतिविधियों की जानकारी रखें। आप में सकारात्मक ऊर्जा की अधिकता रहेगी। अपने लक्ष्य पर पूरा फोकस बनाए रखें। उच्चाधिकारी आपसे प्रसन्न रहेंगे।

धनु — आज आवश्यक कार्यों को दोपहर से पहले पूर्ण कर लें। संपत्ति के क्रय-विक्रय से धन लाभ होगा। वैवाहिक संबंधों का तनाव दूर होगा। लोग आपके कार्यों की आलोचना कर सकते हैं। जीवन में आपको बड़े परिवर्तन करने से बचना चाहिए।

मकर — आज व्यापार में बिक्री बढ़ सकती है। त्वरित प्रतिक्रिया देने से बचें। आप अपने परिजनों को पूरा समय देंगे। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। परोपकार के कार्यों में मन लगाएंगे। विद्यार्थी पढ़ाई में व्यस्त हो सकते हैं।

कुंभ — आज आपको नए अनुभवों के लिए तैयार रहना चाहिए। आप जिन अवसरों को तलाश रहे थे, वे आपको प्राप्त हो सकते हैं। नशीले पदार्थों का सेवन करने वालों को परेशानी हो सकती है। कार्यक्षेत्र में अपनी उपलब्धियों को लेकर असंतुष्ट हो सकते हैं।

मीन — आज सभी कार्यों को समय से पूर्ण कर लेंगे। विद्यार्थियों को परीक्षा में उत्तम परिणाम मिलने के योग बन रहे हैं। घुटनों में दर्द की शिकायत हो सकती है। करियर को लेकर किसी से सलाह लेना उचित नहीं है। प्रेमीजन के साथ अच्छा समय बिताएंगे।

सुडोकू-48

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	6		9		1			
9		3		2			5	
				7		3		
5			8			7		
		4						1
		2			6			5
				6				9
	1			8		4	7	
			4		7		1	

सुडोकू - 47 का हल

7	6	1	9	5	4	2	8	3
2	3	9	6	1	8	5	7	4
4	5	8	3	2	7	1	9	6
5	9	7	1	4	6	3	2	8
1	8	6	7	3	2	4	5	9
3	4	2	8	9	5	6	1	7
9	7	5	4	6	1	8	3	2
8	1	4	2	7	3	9	6	5
6	2	3	5	8	9	7	4	1

टी-20 क्रिकेट में बेशक हमारी टीम सबसे अच्छी टीम में से एक है—आपका दिन कभी भी खराब हो सकता है। लेकिन अगर आप क्रिकेट की बात कर रहे हैं तो आपको टेस्ट क्रिकेट की बात करनी होगी।
-कपिल देव

स्टेडियम

बरेली, रविवार, 1 फरवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

कपिल ने टेस्ट क्रिकेट पर ध्यान देने पर जोर दिया

नई दिल्ली। भारत के महान क्रिकेटर कपिल देव का मानना है कि विश्व कप के लिए उतरने से पहले राष्ट्रीय टीम टी20 क्रिकेट में सबसे मजबूत दावेदारों में से एक बनी हुई है लेकिन उन्होंने जोर दिया कि टेस्ट क्रिकेट को इस खेल की नींव बनाए रखना चाहिए। भारत की तैयारी पर बात करते हुए कपिल ने कहा कि जहां सबसे छोटा प्रारूप लोकप्रिय हुआ है तो वहीं खेल की बेहतर सेहत सुनिश्चित करने के लिए लंबे प्रारूप पर भी उतना ही ध्यान देना चाहिए। विश्व कप 1983 में भारत की खिताबी जीत के दौरान टीम के कप्तान रहे कपिल ने 'पीटीआई वीडियो' से कहा उन्होंने कहा एकदिवसीय क्रिकेट को भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। मैं समझता हूं कि टी20 क्रिकेट रोमांचक है लेकिन खेल का आधार टेस्ट क्रिकेट है और हमें इसके साथ एकदिवसीय क्रिकेट में भी अधिक समय निवेश करना चाहिए।

गुकेश की खिताब की उम्मीदें खत्म

विक आन जी। डी गुकेश ने हमवतन अरविंद चिदंबरम से ड्रॉ खेला जिससे टाटा स्टील मास्टर्स 2026 में इस मौजूदा विश्व चैम्पियन की खिताब की उम्मीदें खत्म हो गई। आर प्रज्ञानानंदा भी विंसेंट केमेर के खिलाफ जीत दर्ज नहीं कर सके। साल के पहले सुपर टूर्नामेंट में दो दौर ही बाकी हैं और उजबेकिस्तान के सिंदारोव तथा अब्दुसत्तोरोव सात सात अंक लेकर शीर्ष पर हैं। हाल ही में विश्व शतरंज कप जीतने वाले सिंदारोव ने अर्जुन एरिगेसी को हराया। गुकेश का सामना अब नीमैन और फिर केमेर से होगा।

सैम करन ने टी20 हैट्रिक ली

पल्लेकेले। इंग्लैंड के ऑलराउंडर सैम करन अपने देश के दूसरे पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने टी 20 हैट्रिक ली है। इंग्लैंड ने शुक्रवार को पल्लेकेले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में तीन मैचों की सीरीज के पहले मैच में श्रीलंका को 11 रन (डीएलएस मेथड) से हराया। करन ने श्रीलंका के निचले क्रम को तहस-नहस कर दिया, उन्होंने लगातार गेंदों पर दासुन शनाका, महेश थीक्षाना और मथीशा पथिराना को आउट किया। इस तरह क्रिस जॉर्डन के टी20 इंटरनेशनल में यह उपलब्धि हासिल करने के बाद करन ऐसा करने वाले इंग्लैंड के दूसरे गेंदबाज बन गए हैं।

आस्ट्रेलियाई ओपन महिला एकल खिताब के साथ एलेना रिबाकिना (बाएं) व उपविजेता दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी एरिना सबालेंका।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन : रिबाकिना मेलबर्न पार्क की नई मलिका

मेलबर्न, एजेंसी

- सबालेंका से चुकाया 2023 की पराजय का हिसाब

डब्ल्यूटीए टूर में पांचवें क्रम पर काबिज कजाख टेनिस स्टार एलेना रिबाकिना की बहुप्रतीक्षित साध पूरी हुई, जब वह शनिवार की रात मेलबर्न पार्क की नई मलिका बन बैठीं। रिबाकिना ने रॉड लेवर एरेना की बंद छत के नीचे खेले गए संघर्षपूर्ण महिला एकल फाइनल में दो बार की पूर्व विजेता विश्व नंबर एक बेलारूसी दिग्गज एरिना सबालेंका को 6-4, 4-6, 6-4 से हराया और करिअर की दूसरी ग्रैंड स्लैम एकल उपाधि जीत ली।

कजाख स्टार ने जीती करिअर की दूसरी मेजर उपाधि : वर्ष 2022 में विंबलन के ग्रास कोर्ट पर करिअर की पहली मेजर उपाधि जीतने वालीं 26 वर्षीया रिबाकिना ने दो घंटे 18 मिनट तक खिंची कश्मकश में 28 विनर्स लगाए और इसके साथ ही तीन वर्ष पूर्व यानी 2023 के फाइनल में सबालेंका के हाथों मिली शिकस्त का हिसाब भी चुकता कर लिया।

दो बार की पूर्व विजेता सबालेंका लगातार दूसरे वर्ष फाइनल में मायूस : वहीं मेलबर्न पार्क में लगातार चौथा फाइनल खेलने उतरीं 27 वर्षीया सबालेंका को लगातार दूसरी बार उपजेता ट्रॉफी से संतोष करना पड़ा। वर्ष 2023 व 24 की विजेता को पिछले वर्ष अमेरिकी मेडिसन कीज ने तीन सेटों मे शिकस्त दी थी।

रिबाकिना बोलीं – 'उम्मीद है, हम साथ में और कई फाइनल खेलंगे' : वर्ष 2001 और 2002 में यहां चैम्पियन रहीं जेनिफर कैप्रियाती के हाथों डैफने अखर्स्ट मेमोरियल कप ग्रहण करने के बाद रिबाकिना ने कहा, "यह एक लड़ाई थी। मुझे सच में बहुत गर्व है। यह सच में एक हैप्पी स्लैम है।" अपनी टीम के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे सच में खुशी है कि हमने यह नतीजा हासिल किया उम्मीद है कि हम इस साल भी मजबूत बने रहेंगे।

सबालेंका ने शानदार खेल के लिए रिबाकिना को दी बधाई : वहीं पराजय के बाद सबालेंका ने रिबाकिना की तारीफ की। उन्होंने मुस्कुराते हुए अपनी टीम की ओर मुड़ने से पहले कहा, 'मैं आपको अविश्वसनीय प्रदर्शन, अविश्वसनीय टेनिस के लिए बधाई देना चाहती हूं।

इतिहास रचने उतरेंगे जोकोविच और अल्कराज

मेलबर्न। सेमी-फाइनल में मैराथन मुकाबलों से बच निकलने के बाद, कार्लोस अल्कराज और नोवाक जोकोविच अब रविवार के ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनल में इतिहास का अपना हिस्सा बनाने की कोशिश कर रहे हैं। 16 साल के अंतर वाले दोनों खिलाड़ी अपने करियर के अलग-अलग मील के पत्थर हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं।

भारतीय टीम ने दिखाया टी-20 विश्व कप का ट्रेलर

न्यूजीलैंड को सीरीज के पांचवें व अंतिम मैच में 46 रनों से हराया, ईशान ने जड़ा तूफानी शतक

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

ईशान किशन के पहले टी20 शतक ने स्थानीय सितारे संजू सैमसन की नाकामी की भरपाई कर दी और उनके साथ अर्शदीप सिंह ने पांच विकेट लेकर न्यूजीलैंड के खिलाफ शनिवार को पांचवें और आखिरी मैच में भारत को 46 रन से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। भारत ने श्रृंखला 4-1 से जीतकर अगले सप्ताह शुरू हो रहे टी20 विश्व कप की तैयारी पुख्ता कर ली।

भारत के लिए ईशान ने 43 गेंद में 103 रन बनाए जिसमें छह चौके और दस छक्के शामिल थे। वहीं, कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 30 गेंद में चार चौकों और छह छक्कों की मदद से 63 रन की पारी खेली। दोनों ने करीब दस ओवर में 137 रन की साझेदारी की। न्यूजीलैंड की टीम जवाब में 19.4 ओवर में 225 रन पर आउट हो गई। भारत के लिये तेज गेंदबाज अर्शदीप ने 51 रन देकर पांच विकेट लिए। उन्होंने पहले दो ओवर में 40 रन दिये और टिम सीफर्ट का विकेट लिया लेकिन इसके बाद अगले दो ओवर में 11 रन देकर चार विकेट चटकाए।

न्यूजीलैंड के लिये फिन एलेन ने 38 गेंद में 80 रन बनाए, लेकिन लक्ष्य तक नहीं पहुंच सके। एलेन ने अर्शदीप को पहले ही ओवर में दो चौके और एक छक्का लगाया। इसके बाद अर्शदीप के दूसरे ओवर में चार चौके और एक छक्के समेतज 23 रन निकाले। वह बायें हाथ के स्पिनर अक्षर पटेल की गेंद पर आउट हुए जिन्होंने 33 रन देकर तीन विकेट लिए। इससे पहले इस श्रृंखला में लगातार पांचवीं बार नाकाम रहे सैमसन (छह) की टी20 विश्व कप की उम्मीदों को करारा झटका लगा है। वह लॉकी फर्ग्युसन की गेंद पर आउट हुए। अभिषेक शर्मा (16 गेंद में 30 रन) ने शुरूआत तो अच्छी की लेकिन फर्ग्युसन की तेज रफ्तार गेंद पर विकेट गंवा बैठे। भारत का स्कोर पावरप्ले के बाद दो विकेट पर 54 रन था। इसके बाद सूर्यकुमार और ईशान ने मोर्चा संभाला। चोट के कारण चौथे टी20 से बाहर रहे ईशान ने मैदान के चारों ओर स्ट्रोक्स लगाए। उन्होंने फर्ग्युसन को एक्स्ट्रा कवर पर छक्का और चौका लगाकर दबाव बना दिया। ईशान ने ईश सोढी को चौका लगाकर अपना अर्धशतक 28 गेंदों में पूरा किया। वहीं टी20 क्रिकेट में तीन हजार रन पूरे करने वाले सूर्यकुमार ने जैकब डफी को छक्का लगाकर 26 गेंद में पचासा पूरा किया। ईशान ने भी टी20 क्रिकेट में एक हजार रन पूरे कर लिये। उन्होंने सोढी को 12वें ओवर में चार चौके और दो छक्के लगाकर 29 रन दिए। इस बीच सूर्यकुमार को बायें हाथ के स्पिनर मिचेल सेंटनेर की गेंद पर टिम सीफर्ट ने स्टम्प आउट किया। ईशान ने 42 गेंदों में अपना शतक पूरा किया और सेंटनेर को छक्का लगाकर इस आंकड़े को छुआ। उन्होंने दूसरा अर्धशतक सिर्फ 14 गेंद में पूरा कर डाला। डफी की गेंद पर हालांकि वह स्क्वेयर लेग में ग्लेन फिलिप्स को कैच देकर लौटे। पंड्या ने आखिरी ओवरों में 17 गेंद में 42 रन बनाकर भारत को उसके टी20 इतिहास में चौथी बार 250 रन के पार पहुंचाया।

ईशान किशन, प्लेयर ऑफ़ द मैच

गेंद हरकत कर रही थी लेकिन जब आप अभिषेक शर्मा के साथ खेल रहे होते हैं तो आप यही कोशिश करते हैं कि गेंद को देखें और उस हिसाब से अपने शॉट खेलें। आज के समय में हमारी टीम के हर खिलाड़ी का यही अप्रोच होता है क्योंकि अगर हम सिंगल लेने पर ध्यान देंगे तो अंत में यह सोचने की स्थिति आ सकती है कि हम और रन बना सकते थे इसलिए आक्रामण करना सही रहता है।

सूर्यकुमार, प्लेयर ऑफ़ द सीरीज

यह सुखद एहसास है। इस समय का काफ़ी देर से इंतजार था। मैं उन्हीं चीज़ों को फ़ॉलो करने की कोशिश कर रहा था और वर्ल्ड कप से पहले यह एक अच्छी सीरीज़ गई और अभी काफ़ी अच्छा लग रहा है। यही खेल है और यह ज़िंदगी का हिस्सा है।

भारत

271/5 (20 ओवर)

अभिषेक शर्मा बो फर्ग्युसन	30
सैमसन का जैकब्स बो फर्ग्युसन	06
ईशान किशन का फिलिप्स बो डफी	103
सूर्यकुमार स्ट सीफर्ट बो सेंटनेर	63
हार्दिक का जैकब्स बो जैमीसन	42
रिंकू सिंह नाबाद	08
शिवम दुबे नाबाद	07

गेंदबाजी :डफी 4-0-53-1, जैमीसन 4-0-59-1, फर्ग्युसन 4-0-41-2, सोढी 3-0-48-0, फिलिप्स 1-0-10-0, सेंटनेर 4-0-60-1

न्यूजीलैंड

225/10 (19.4 ओवर)

टिम सीफर्ट का पंड्या बो अर्शदीप	05
फिन एलेन का सिंह बो पटेल	80
रचिन रविंद्र का पटेल बो अर्शदीप	30
ग्लेन फिलिप्स का सिंह बो पटेल	07
डेरिल मिचेल बो अर्शदीप	26
सेंटनेर का यादव बो अर्शदीप	00
बेवोन जैकब्स बो वरूण	07
काइल जैमीसन बो अर्शदीप	09
ईश सोढी का अर्शदीप बो सिंह	33
लॉकी फर्ग्युसन बो पटेल	03
जैकब डफी नाबाद	09

गेंदबाजी : अर्शदीप 4-0-51-5, पंड्या 2-0-15 -0, बुमराह 4-0-58-0, वरुण 4-0-36-1, अक्षर 4-0-33-3, अभिषेक 1-0-13-0, रिंकू 0.4-0-7-1

भारत एक मज़बूत टीम है और इन परिस्थितियों में उन्हें हराना और भी मुश्किल है। सीखने के क्रम में यह सीरीज़ काफ़ी अहम रही है और हम यहां से विश्व कप के लिए आगे बढ़ने का प्रयास करेंगे।

मिचेल सैंटनर, कप्तान न्यूजीलैंड

रणजी में विदर्भ के खिलाफ शॉट लगाते उत्तर प्रदेश के शिवम शर्मा। एजेंसी

उत्तर प्रदेश को जीत के लिए छह विकेट की दरकार

नागपुर, एजेंसी

गत चैंपियन विदर्भ को रणजी ट्रॉफी नॉकआउट में जगह बनाने के लिए अपने मुख्य बल्लेबाज अमन मोखाडे से काफी उम्मीद हैं क्योंकि रणजी ट्रॉफी ग्रुप ए मैच के आखिरी दिन उसे उत्तर प्रदेश के खिलाफ 110 रन और बनाने हैं जबकि उसके छह विकेट बाकी हैं।

उत्तर प्रदेश के 201 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए विदर्भ ने चार विकेट 91 रन रन बना लिए हैं। दोनों टीम ने पहली पारी में समान 237 रन बनाए थे जिसके बाद उत्तर प्रदेश की टीम ने दूसरी पारी में 200 रन बनाए। दिन का खेल खत्म होने तक मोखाडे छह चौकों की मदद से 50 रन बना चुके हैं। उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में भी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

उत्तर प्रदेश के लिए बांए हाथ के स्पिनर शिवम शर्मा तीन विकेट ले चुके हैं और टूटती हुई पिच पर अंतिम दिन 110 रन बनाना आसान नहीं होगा। अंक तालिका में शीर्ष पर चल रहा आंध्र प्रदेश पहली पारी में 170 रन की बड़ी बढ़त लेकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के करीब पहुंच गया है। टीम की नजरें चेंगलपेट राजन ज्ञानेश्वर (नाबाद 227) ने आंध्र के लिए दोहरा शतक जड़ा। उन्होंने केवी शशिकांत (60) के साथ छठे विकेट के लिए 142 रन और त्रिपुराना विजय (54) के साथ आठवें विकेट के लिए 119 रन जोड़े। नगालैंड ने दूसरी पारी में 85 रन तक चार विकेट गंवा दिए और उसे पारी की हार से बचने के लिए 85 रन और चाहिए।जमशेदपुर में पहली पारी में 19 रन से पिछड़ने के बाद झारखंड को नॉकआउट में क्वालीफाई करने के लिए आखिरी दिन ओडिशा को हराने की मुश्किल चुनौती का सामना करना है। तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक ओडिशा ने आठ विकेट पर 202 रन बना लिए हैं और उसकी कुल बढ़त 221 रन हो गई है। ओडिशा ने पहली पारी में 282 रन बनाए थे जिसके जवाब में झारखंड टीम 263 रन पर सिमट गई थी। सलेम में तमिलनाडु ने सलामी बल्लेबाज आर विमल कुमार के 182 रन की मदद से बड़ौदा के खिलाफ पहली पारी में बढ़त बनाई। बड़ौदा के पहली पारी के 375 रन के जवाब में तमिलनाडु ने तीसरे दिन का खेल सात विकेट पर 411 रन पर खत्म किया।

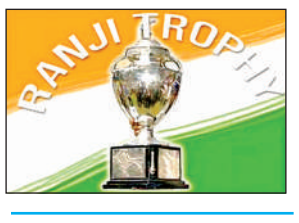

- मोखाडे के अर्धशतक से विदर्भ नॉकआउट की दौड़ में बरकरार

सोविमा में अपने आखिरी ग्रुप मैच में नागालैंड के खिलाफ बोनस अंक हासिल करने पर हैं।नागालैंड के पहली पारी के 366 रन के जवाब में आंध्र ने अपनी पारी नौ विकेट पर 536 रन पर घोषित कर दी।

दिल्ली को एलिमिनेटर में जगह बनाने से रोकने उतरेगा यूपी

वडोदरा। कुछ शीर्ष बल्लेबाजों की खराब फॉर्म की समस्या से जूझ रही दिल्ली कैपिटल्स की टीम रविवार को यहां वुमेंस प्रीमियर लीग मैच के आखिरी लीग मैच में यूपी वारियर्स के खिलाफ जीत की तलाश में होगी।

दिल्ली की जीत उन्हें सीधे गुजरात जाइंट्स के खिलाफ एलिमिनेटर में जगह दिला देगी। टीम ऐसी स्थिति में आठ अंक के साथ लीग में तीसरे स्थान पर रहेगी और गत चैंपियन मुंबई इंडियन्स की टीम बाहर हो जाएगी।

गर्व की बात | जूनियर क्रिकेट के पुराने अच्छे दिनों को याद करते हुए बोले-वह देखते थे नीली जर्सी पहनने का सपना

बुमराह के साथ खेलने वाले मोनांक कर रहे अमेरिका की अगुआई

नई दिल्ली, एजेंसी

टी-20 विश्व कप
6 दिन शेष

जब अमेरिका के कप्तान मोनांक पटेल डेढ़ दशक पहले गुजरात के एक शानदार अंडर-19 क्रिकेटर के तौर पर मशहूर वानखेड़े स्टेडियम के मैदान पर उतरे तो उनके साथ एक और तेजतर्रार तेज गेंदबाज था जिसका एक्शन बड़ा ही अनोखा था- जसप्रीत बुमराह। उस समय मोनांक को शायद ही पता था कि बुमराह आगे चलकर सभी प्रारूप में भारत के सबसे महान गेंदबाज बनेंगे। जूनियर क्रिकेट के पुराने अच्छे दिनों को याद करते हुए मोनांक को वे दिन याद आए जब वह भारत के लिए नीली जर्सी पहनने का सपना देखते थे।

भारत में होने वाले टी20 विश्व कप में खेलने की तैयारी कर रहे मोनांक ने पीटीआई को बताया हां, अक्षर (पटेल) और जसप्रीत (बुमराह) के साथ खेलने की मेरी बहुत अच्छी यादें हैं। मैंने गुजरात अंडर-19 का अपना पहला साल जसप्रीत के साथ खेला था और उससे पहले मैं अक्षर के साथ अंडर-16 खेला था। हम (बुमराह और वह) दो साल, दो सत्र तक साथ रहे। गुजरात टीम के लिए बहुत सारे मैच खेले। उन्हें याद है बुमराह तब भी बाकियों से बेहतर थे।

मोनांक ने याद करते हुए कहा हमने लाल और सफेद गेंद, दोनों तरह का क्रिकेट खेला और वह सच में बहुत खास समय था। यह मेरे क्रिकेट के सफर का शुरुआती दौर था और तब भी जिस तरह से हम खेल रहे थे, विशेषकर जिस तरह से जसप्रीत प्रदर्शन कर रहा था, हम जानते थे कि उसमें वह एक्स फैक्टर है और वह निश्चित रूप से कुछ बड़ा करेगा। लेकिन मोनांक के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का रास्ता आसान नहीं था। उन्होंने 2013 में जब हमेशा के लिए अमेरिका जाने का फैसला किया तो उन्होंने क्रिकेट छोड़ने के बारे में सोचा था जबकि उन्हें 2010 में ही ग्रीन कार्ड मिल गया था।

मैं अपना खुद का व्यवसाय शुरू करना चाहता था। लेकिन क्रिकेट अमेरिका में शीर्ष 10 खेल में भी नहीं है और मोनांक के लिए इससे पेशेवर तौर पर पूरी तरह से जुड़ना आसान फैसला नहीं था। उन्होंने कहा ''2018 में यह आसान नहीं था। हमारे लिए सिर्फ क्रिकेट खेलकर वित्तीय रूप से आगे बढ़ना आसान नहीं था। इसलिए जब हम 2018 या 2019 में खेलते थे तो पूरे साल हमारा कार्यक्रम व्यस्त नहीं होता था। लेकिन बाद में जैसे ही हमने अच्छा करना शुरू किया और हमें 2020 में एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय टीम का दर्जा मिला तो वित्तीय स्थिति और मौकों के हिसाब से भी सब कुछ बेहतर होता गया। इसलिए एक खिलाड़ी के तौर पर शुरुआती दो-तीन साल थोड़े मुश्किल थे लेकिन हम इससे बहुत अच्छे तरीके से निपटे। भारत और पाकिस्तान की टीम दोनों देशों के बीच कड़वाहट के बीच मोनांक पाकिस्तानी मूल के अली खान और शायन जहांगीर के साथ मैदान पर उतरते हैं तो उनका लक्ष्य सिर्फ अपने देश का प्रतिनिधित्व करना होता है।

गुजरात से रणजी में मौका नहीं मिला तो चले गए अमेरिका

उन्होंने कहा मेरे पास 2010 से ग्रीन कार्ड था और मैंने 2013 के बाद फैसला किया कि मैं अमेरिका जाना चाहता हूं। मेरा परिवार पहले से ही वहां बसने की योजना बना रहा था। मोनांक ने कहा मैंने वहां एक-दो महीने रहने की कोशिश की और फिर भारत वापस आ गया और रणजी ट्रॉफी में गुजरात के लिए खेलने की आखिरी कोशिश करने के बाद। जब मुझे वह मौका नहीं मिला तो मैंने अमेरिका वापस जाने और हमेशा के लिए वहीं बसने का फैसला किया। मोनांक ने रेस्टोरेंट व्यवसाय की तरफ रुख किया लेकिन क्रिकेट से हमेशा उनका जुड़ाव रहा। उन्होंने कहा जब मैं अमेरिका गया तो मेरा विजन और लक्ष्य सिर्फ क्रिकेट खेलना नहीं था।

पाकिस्तान से एशिया कप का बदला लेने उतरेगा भारत

बुलावायो, एजेंसी

अंडर-19 विश्व कप

- भारतीय समयानुसार मुकाबला दोपहर एक बजे से
- सचिन तेंदुलकर ने वर्चुअल बातचीत कर बढ़ाया हौसला

पांच बार का चैंपियन भारत रविवार को यहां आईसीसी पुरुष अंडर-19 विश्व कप के सुपर सिक्स मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से एशिया कप फाइनल में मिली शर्मनाक हार का बदला लेने की कोशिश करेगा। भारत पिछले साल 21 दिसंबर को दुबई में हुए अंडर-19 एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान से 191 रन से हार गया था जबकि 14 दिसंबर को उसने इसी टूर्नामेंट का ग्रुप मैच इस चिर प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाफ 90 रन से जीता था।

भारतीय अंडर-19 टीम ने अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में पाकिस्तान के साथ मैच के बाद हाथ मिलाने से परहेज किया। उस टूर्नामेंट के ग्रुप चरण मैच के दौरान भी भारत ने ऐसा ही किया था। रविवार को आयुष म्हात्रे की कप्तानी वाली भारतीय टीम उस हार का बदला लेने के लिए बेताब होगी।

किसी भी मैच से पहले सचिन तेंदुलकर से वर्चुअल हौसलाअफजाई मिलना सपनों के सच होने जैसा होता है और भारतीय खिलाड़ियों को इस महान खिलाड़ी से कुछ कीमती सलाह मिली। बीसीसीआई ने लिखा मौजूदा अंडर-19 विश्व कप में खेल रही भारत की अंडर-19 टीम से सचिन तेंदुलकर के साथ वर्चुअल बातचीत की।

भारत : आरोन जॉर्ज, अभिज्ञान कुंडू, हरवंश पंगालिया, वैभव सूर्यवंशी, वेदांत त्रिवेदी, आयुष म्हात्रे (कप्तान), विहान मल्होत्रा, आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, खिलन पटेल, दीपेश देवेंद्रन, हेनिल पटेल, मोहम्मद एनान, उद्धव मोहन और किशन सिंह।

पाकिस्तान : फरहान यूसुफ (कप्तान), उस्मान खान, अली हसन बलूच, हमजा जहूर, हुजैफा अहसान, मोहम्मद शायन, समीर मिन्हास, अहमद हुसैन, अब्दुल सुभान, अली रजा, दानियाल अली खान, मोहम्मद सैयाम, मोमिन कमर, नकाब शफीक, उमर जैब।